रायबरेली, सोमवार
15.04.2024
वर्षः 11
अंकः 212 पृष्ठः 08
मूल्यः 02 रूपया
स्थापितः वर्ष 2012
RNI-UPHIN/2012/46348

संकल्प परिवर्तन का

नवसत्ता

15वां वर्ष विश्वास का

www.navsatta.com लखनऊ व रायबरेली से एक साथ प्रकाशित तथा समस्त उत्तर भारत में प्रसारित हिन्दी दैनिक

भारत कठोर कदम उठाने के लिए तैयार विदेश मंत्री ने यात्रा से बचने की दी सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता) ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो भारत कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। यह बात उन्होंने जहाज में फंसे 17 भारतीयों की सकुशल वापसी को लेकर कही। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष चिंता की बात है। दोनों देशों के बीच स्थिति और खराब हो सकती है। विदेश मंत्री ने कहा, उस क्षेत्र में हमारी भी हिस्सेदारी है। भारतीयों की सुरक्षा को लेकर कहा, अगर जरूरत पड़ी तो भारत कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा।

विदेश मंत्री ने इस दौरान ईरान और इजराइल की यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। भारत हॉर्मुज जलडमरूमध्य के निकट शनिवार को ईरानी सेना द्वारा जब्त किये गए इजराइली मालवाहक जहाज पर सवार 17 भारतीय नागरिकों को मुक्त कराने के लिए ईरान के संपर्क में है। जहाज यूएई से भारत आ रहा था।

तब 'एमएससी एरीज' को ईरान ने अपने कब्जे में ले लिया। इजराइल में भारतीय दूतावास ने ईरान के हमलों के बाद अपने नागरिकों के लिए रविवार को एक नया महत्वपूर्ण परामर्श जारी कर उन्हें शांतचित्त रहने और सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन की सलाह दी। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर भारतीयों के लिए सूचना जारी की। कहा गया कि दूतावास स्थिति पर करीबी नजर रख रहा है और वह हमारे सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इजराइली प्राधिकारियों तथा भारतीय समुदाय के सदस्यों के संपर्क में है। ईरान में भारतीय दूतावास ने सहायता के लिए अतिरिक्त हेल्पलाइन नंबर सक्रिय करता है। 989128109115,98993179567,989932179359,98-21-88755103-5ईरान ने शनिवार देर रात इजराइल पर हमला कर दिया और उस पर सैंकड़ों ड्रोन, बैलेस्टिक मिसाइलें तथा क्रूज मिसाइलें दागीं। इजराइल ने कहा कि ईरान ने 170 ड्रोन, 30 से अधिक क्रूज मिसाइल और 120 से अधिक बैलेस्टिक मिसाइल दागीं।

हालांकि रविवार सुबह ईरान ने कहा कि हमला समाप्त हो गया है,वहीं इजराइल ने भी अपने हवाई क्षेत्र को खोल दिया। इजराइल ने ईरान के हमले को रोकने में अपनी सफल हवाई रक्षा कार्रवाई पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि उसने और उसके सहयोगियों ने मिलकर देश की ओर दागी गयी 300 से अधिक ड्रोन और मिसाइलों में से 99 प्रतिशत को नष्ट कर दिया।

भाजपा के घोषणा पत्र में 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को पांच लाख तक मुफ्त इलाज

भाजपा संकल्प पत्र का हर बिन्दु मोदी की गारंटी

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक सभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी के घोषणापत्र मोदी की गारंटी संकल्प पत्र 2024 को जारी करते हुए आज कहा कि अगले पांच वर्षों में सुधार, प्रदर्शन, परिवर्तन के मंत्र पर आगे बढ़ते हुए, हम और भी तेजी से प्रगति करेंगे। भाजपा के चुनाव घोषणा पत्र में भविष्य के लिए पार्टी के वायदों के अलावा पिछले दस वर्ष की मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया गया है। पार्टी ने आयुष्मान भारत योजना को जारी रखने के साथ साथ 70 वर्ष से ऊपर की आयु के नागरिकों इसके दायर में लाने, देश को विनिर्माण क्षेत्र में विश्व का एक प्रमख केंद्र बनाने और राष्ट्रीय सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण के साथ सामाजिक आर्थिक अवसंरचना विकास के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल करने का लक्ष्य रखा है जिसमें बुलेट ट्रेन का देश के दूसरे हिस्सों में विस्तार का वायदा भी है। प्रधानमंत्री ने आमचुनाव 2024 में पार्टी की जीत का भरोसा जताते हुए कहा कि चुनाव नतीजे आते ही पार्टी घोषणा-पत्र को लगू करना शुरू कर देगी। श्री मोदी ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, पूरे देश को भाजपा के घोषणापत्र का बेसब्री से इंतजार रहता है। इसकी एक बड़ी वजह है। पिछले 10 सालों में भाजपा ने अपने घोषणापत्र के हर बिंदु को गारंटी के

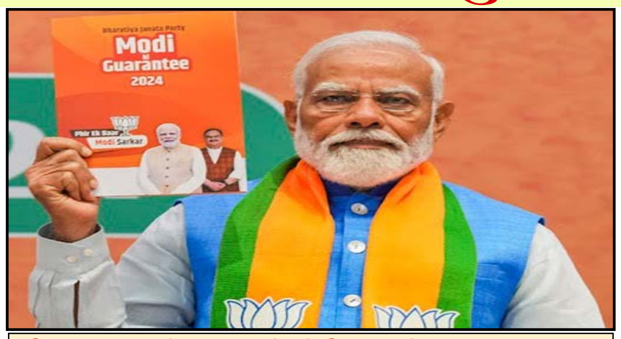

घोषणा पत्र से महंगाई, बेरोजगारी गायब : राहुल

नयी दिल्ली-कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के घोषणा पत्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण से महंगाई और बेरोज़गारी गायब हैं। श्री गांधी ने आज यहां सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भाजपा के घोषणा पत्र और प्रधानमंत्री के भाषण से महंगाई और बेरोजगारी गायब है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों के जीवन से जुड़े सबसे अहम मुद्दों पर भाजपा चर्चा तक नहीं करना चाहती।

भाजपा का संकल्प पत्र दिखावाः प्रियंका

नयी दिल्ली- कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का संकल्प पत्र तो दिखावा है और असली घोषणा पत्र संविधान बदलो पत्र है। श्रीमती वाड्रा ने आज यहां सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि गली-गली, राज्य दर राज्य भाजपा के नेता, भाजपा के प्रत्याशी संविधान बदलो पत्र लेकर घूम रहे हैं और भाषणों में बाबासाहेब के संविधान को बदलने की बात कर रहे हैं।

तौर पर लागू किया है। चार जून के बाद भाजपा के संकल्प पत्र पर तेजी से काम शुरू होगा। भाजपा ने एक बार फिर अपने घोषणा-पत्र की ईमानदारी का प्रदर्शन किया है। हमारा संकल्प पत्र विकसित भारत के 4 मजबूत स्तंभों - युवा, महिला, गरीब और किसान को सशक्त बनाता है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारा ध्यान जीवन की गरिमा और गुणवत्ता पर है। हमारा ध्यान रोजगार पैदा करने वाले निवेश पर है। यह घोषणापत्र अवसरों की मात्रा और गुणवत्ता दोनों पर जोर देता है। एक ओर, हमने अनेक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के माध्यम से रोजगार सृजन पर चर्चा की है। दूसरी ओर, हम स्टार्टअप और वैश्विक केंद्रों को बढ़ावा देकर उच्च-मूल्य वाली सेवाओं को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमारा संकल्प पत्र युवा भारत की युवा आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। गरीबी उन्मूलन के प्रयासों पर जोर देते हुए श्री मोदी ने कहा, भाजपा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालकर दिखाया है। हालाँकि, उन्हें लगातार स्थिरता की आवश्यकता है, अन्यथा गरीबी में फिर से गिरने का जोखिम है। इसी मानसिकता के साथ भाजपा ने अनेक गरीबी उन्मूलन योजनाओं के विस्तार के लिए भी प्रतिबद्धता जताई है। मोदी गारंटी देते हैं कि मुफ्त राशन योजना अगले 5 साल तक जारी रहेगी। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि गरीब व्यक्ति की थाली का भोजन पौष्टिक, संतोषजनक और किफायती हो। भाजपा के संकल्प पत्र के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, मोदी गारंटी देते हैं कि जन औषधि केंद्रों पर 80 फीसदी छूट के साथ सस्ती दवाएं मिलती रहेंगी। मोदी ने आश्वासन दिया कि आयुष्मान भारत के तहत 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सुलभ रहेगा। बुजुर्गों की सबसे बड़ी चिंता यह है कि वे अपनी बीमारियों का इलाज कैसे कराएंगे। मध्यम वर्ग के लिए तो यह चिंता और भी गंभीर है। भाजपा ने अब यह संकल्प लिया है कि 70 साल से अधिक उम्र के हर व्यक्ति को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया जाएगा। हाशिये पर पड़े लोगों के बारे में बोलते हुए, श्री मोदी ने कहा कि वह उन लोगों की पूजा करते हैं जिनकी पहले कोई पूछ नहीं हुआ करती थी।

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ मुस्लिम प्रत्याशी उतारेगी बसपा

संवाददाता

वाराणसी, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश की वाराणसी लोकसभा सीट पर सातवें यानी अंतिम चरण में 1 जून को मतदान होगा। इस सीट पर भाजपा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद उम्मीदवार हैं। जबकि इंडिया गठबंधन की तरफ से कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और अखिल भारतीय हिंदू महासभा की ओर से किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी वाराणसी से चुनावी मैदान में हैं। वहीं बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारियों की मानें तो वाराणसी लोकसभा सीट के लिए बसपा ने प्रत्याशी का चुनाव कर लिया है। कहा जा रहा है कि यह प्रत्याशी वाराणसी जिले से ही होगा। बहरहाल जल्द ही बसपा सुप्रीमो मायावती इसकी घोषणा करेंगी।

बीएसपी पदाधिकारियों का कहना है कि वाराणसी के रविंद्र पुरी स्थित क्षेत्र में बीएसपी से सांसद घनश्याम चंद्र खरवार, कोऑर्डिनेटर मंडल प्रभारी और जिला पदाधिकारी की मौजूदगी में बसपा प्रत्याशी के नाम का ऐलान होगा। यह ऐलान अंबेडकर जयंती कार्यक्रम निपटने के बाद किया जा सकता है। वाराणसी सहित उत्तर प्रदेश और देशभर में अंबेडकर जयंती को लेकर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में रविवार को प्रदेश की चर्चित सीट वाराणसी से बीएसपी उम्मीदवार के नाम का ऐलान किया जाएगा।

कार ट्रक से टकराने पर बनी आग का गोला,सात जिंदा जले

फतेहपुर, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। चूरू-सालासर स्टेट हाईवे पर तेज रफ्तार कार ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद कार और ट्रक में आग लग गई। आग से कार सवार दंपती और उनकी दो बेटियों समेत सात लोग जिंदा जल गए। हादसा सीकर के फतेहपुर में रविवार दोपहर 2ः30 बजे हुआ। कार में गैस किट लगा हुआ था और ट्रक में मेडिकल कॉटन(रूई) भरी हुई थी। पुलिस के मुताबिक मरने वालों में नीलम गोयल पत्नी मुकेश गोयल,आशुतोष गोयल पुत्र मुकेश गोयल निवासी शारदा रोड मेरठ, मंजू बिंदल पत्नी नरेंद्र बिंदल, हार्दिक बिंदल पुत्र नरेंद्र, स्वाति बिंदल पत्नी हार्दिक, दीक्षा पुत्री हार्दिक और दीक्षा की 4 साल की बहन शामिल है। हादसा आशीर्वाद पुलिया पर चढ़ते ही 200 मीटर पर हुआ। आगे चलते ट्रक से कार पीछे से टकराई। कार सवार परिवार यूपी के मेरठ का रहने वाला था।

केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता) सुप्रीम कोर्ट दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका पर कल सुनवाई करेगी। हाईकोर्ट ने शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखा था। केजरीवाल अभी तिहाड़ जेल में बंद हैं।जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ के समक्ष सोमवार को यह मामला सूचीबद्ध किया गया है। दिल्ली हाईकोर्ट के याचिका खारिज किए जाने के बाद केजरीवाल ने शीर्ष अदालत का रुख किया है। पिछले दिनों जस्टिस खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने ही इस मामले में गिरफ्तार राज्यसभा सांसद संजय सिंह को जमानत दी थी। हाईकोर्ट ने केजरीवाल की याचिका को खारिज करते हुए कहा था कि यह दिखाने के लिए सबूत हैं कि कथित घोटाले में केजरीवाल की संलिप्तता थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि रिश्वत के रूप में प्राप्त धन का इस्तेमाल 2022 के गोवा विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए किया गया था। ईडी की मनी लॉन्ड्रिंग जांच 2021-22 के लिए दिल्ली शराब नीति में कथित अनियमितताओं के संबंध में 17 अगस्त, 2022 को सीबीआई की दर्ज एक मामले से शुरू हुई है। सीबीआई ने मामला 20 जुलाई, 2022 को उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना की ओर से की गई शिकायत पर दर्ज किया गया था। आरोप लगाया गया था कि नीति के निर्माण के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य निजी व्यक्तियों व संस्थाओं सहित आप नेताओं की ओर से एक आपराधिक साजिश रची गई। नीतियों में बदलाव कर कथित तौर पर निविदा प्रक्रिया के बाद कुछ लाइसेंसधारियों और साजिशकर्ताओं को फायदा पहुंचाने की साजिश रची गई थी। केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था।

जिलाधिकारी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन किया अर्पित

संवाददाता

रायबरेली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)।संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर जी की 133वी जयंती जनपद में मनाई गई। कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने डॉ0 भीमराव अ बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। सभागार में आयोजित गोष्ठी में भीमराव अ बेडकर के योगदान को याद किया गया एवं उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि डॉ0 अ बेडकर जातिवाद, संप्रदायवाद और भ्रष्टाचार जैसी कुरीतियों को विकास के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोध मानते थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब शोषित, दलित, पिछड़े व सर्वसमाज के उत्थान के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष करते रहे, उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि हम सभी चाहे जिस पद पर हो वहां पूरी निष्ठा, लगन और ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

अमरनाथ यात्रा का आज से रजिस्ट्रेशन शुरू

29 जून से शुरू, 19 अगस्त को यात्रा होगी समाप्त

एजेंसी

श्रीनगर, 14 अप्रैल (नवसत्ता) अमरनाथजी यात्रा 29 जून, से शुरू होगी और 19 अगस्त, को समाप्त होगी। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड ने कहा, अग्रिम पंजीकरण कल से शुरू होगा। वार्षिक अमरनाथ यात्रा से पहले कुछ ही महीने बचे हैं, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के जवान जम्मू-कश्मीर पुलिस की माउंटेन रेस्क्यू टीमों (एमआरटी) का हिस्सा बनने के लिए विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि भक्तों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित की जाएगी।एमआरटी, जिसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान शामिल हैं, को पवित्र गुफा मंदिर के जुड़वां मार्गों पर लगभग एक दर्जन चिन्हित महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया जाएगा। अमरनाथ यात्रा के बारे में बोलते हुए, जम्मू-कश्मीर एमआरटी टीम प्रभारी राम सिंह सलाथिया ने कहा, श्री अमरनाथ जी यात्रा जम्मू-कश्मीर में जून में शुरू होगी और लगभग दो महीने तक चलेगी। देश भर से लाखों श्रद्धालु आएंगे। यात्रा के दौरान बाबा बर्फानी की पूजा करने आने वाले तीर्थयात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। स्थिति से निपटने के लिए माउंटेन रेस्क्यू टीम (एमआरटी) यात्रियों की सहायता के लिए जिला सांबा में प्रशिक्षण ले रही है। उन्होंने आगे कहा, पहाड़ी इलाकों में बलों को गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि ये जवान किसी भी आपदा पर आसानी से काबू पा सकें और तीर्थ यात्रा के दौरान मुसीबत में फंसे लोगों की मदद कर सकें। जेके एमआरटी टीम प्रभारी राम सिंह सलाथिया और उनके प्रशिक्षकों की टीम के साथ वर्तमान में जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान और लुधियाना पंजाब से एनडीआरएफ के जवान भी हैं।

उन्होंने कहा, सैनिकों को महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। वे किसी भी आपात स्थिति में भक्तों की मदद के लिए तैयार हैं और लगातार कड़ी मेहनत कर रहे हैं और नई तकनीक और उपकरणों का परीक्षण कर रहे हैं।÷हर साल की तरह, इन सैनिकों को 3,880 मीटर ऊंचे पवित्र गुफा मंदिर में पवित्र गुफा के दोनों मार्गों पर चिह्नित स्थानों पर तैनात किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के यात्रा कर सकते हैं क्योंकि उनकी टीम उन्हें पूरी सुविधाएं प्रदान करेगी।

सर्वेश कुशारे ने कैलिफोर्निया में जीता ऊंची कूद का खिताब

एजेंसी

कैलिफोर्निया, 14 अप्रैल (नवसत्ता) भारत के सर्वेश कुशारे ने ब्रायन क्ले इनविटेशनल 2024 में पुरुषों की ऊंची कूद का खिताब जीतकर अपने सीज़न की शानदार शुरुआत की है। दक्षिणी कैलिफोर्निया के अजुसा पैसिफिक यूनिवर्सिटी में शनिवार को आयोजित ऊंची कूद प्रतियोगिता में सर्वेश कुशारे ने ग्रुप ए में 2.19 मीटर छलांग लगातार पहला स्थान हासिल किया। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 2.27 मीटर है, जो उन्होंने 2022 के अंत में दर्ज किया था। वह हांगझोऊ में एशियन गेम्स में 2.26 मीटर के प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। इस प्रतियोगिता में अमेरिका के एजे मैक्लोफ्लिन 2.08 मीटर की छलांग के साथ दूसरे स्थान पर रहे। तीसरा स्थान अमेरिकी कैस डोब्रोवोल्स्की, व्याट थिएल और कनाडा के एडेन ग्राउट के बीच साझा किया गया, जिन्होंने 2.03 मीटर की ऊंची कूद दर्ज की। टोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता निशाद कुमार ने भी इस स्पर्धा में 1.98 मीटर की छलांग के साथ कॉम कॉटन, स्काई सिसकारेली और ओवेन पेनिंगटन के साथ संयुक्त छठे स्थान पर रहे।

जयंती | मुख्यमंत्री ने जयंती पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को किया याद

बाबा साहेब ने संघर्षों, बुद्धिमत्ता और सूझबूझ से प्राप्त की महानता : सीएम

संवाददाता

लखनऊ, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। दबे, कुचले और वंचित वर्ग के लोग अपने सम्मान की लड़ाई और भावी पीढ़ी को उज्ज्वल भविष्य देने के लिए बाबा साहेब का स्मरण कर रहे हैं। बड़े घर में पैदा हो करके बड़ा बनना उपलब्धि हो सकती है, लेकिन एक सामान्य परिवार में जन्म लेकर सामाजिक विसंगतियों और कुरीतियों के खिलाफ लड़ते हुए समाज को नई प्रेरणा का केंद्र बिंदु बनाना महानता के शिखर को प्राप्त करने जैसा है।

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने संघर्षों, बुद्धिमत्ता और सूझबूझ से महानता को प्राप्त किया था। उन्होंने संविधान शिल्पी के रूप में पूरे भारत को लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ दुनिया का सिरमौर बनाने का अद्भुत कार्य किया था। साथ ही न्यायसमता और स्वाधीनता की थीम दे करके पूरे भारतवासियों के मन में उत्साह और उमंग का भाव संचालित किया था। उनकी ही देन है कि आज लोकतांत्रिक मूल्यों और अधिकारों के साथ देश की 140 करोड़ की जनता एक भारत, श्रेष्ठ भारत के रूप में वर्तमान में कार्य कर रही है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। सीएम ने रविवार को भारत रत्न बोधिसत्व बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इससे पहले उन्होंने बाबा साहेब को याद करते हुए उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में बिना भेदभाव के शासन की योजना का लाभ सबका साथ-सबका विकास के भाव के साथ दिया जा रहा है। देश के संविधान में इसे बाबा साहेब द्वारा समतामूलक समाज की स्थापना के संकल्प के रूप में दिया गया था, जिसे भारत सरकार आगे बढ़ा रही है और यह व्यावहारिक धरातल पर नीचे उतरते हुए दिखाई दे रहा है। बाबा साहेब के मूल्यों और आदर्शों को आत्मसात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे देश में गरीब कल्याणकारी योजनाएं का संचालन कर रहे हैं। इसके जरिये हर गरीब और जरूरतमंद को फ्री में मकान, शौचालय, स्वास्थ्य बीमा, गैस कनेक्शन, राशन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। हर व्यक्ति को जीवन जीने के लिए बेसिक आवश्यकताओं की पूर्ति जो बाबा साहेब की परिकल्पना थी, उसे मोदी सरकार व्यावहारिक धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहेब ने वंचित और दलित तबके से शिक्षित बनने की अपील की थी। वह जानते थे कि शिक्षा के जरिये ही अव्यवस्था, असमानता और अराजकता के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा सकती है। उन्होंने जीवन पर्यंत भारत की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता के लिए काम किया। हमें उनके आदर्शों और मूल्यों को आत्मसात करके कार्य करना होगा और विकसित भारत बनाना होगा।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, योगी सरकार के मंत्री असीम अरुण, विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल, अंबेडकर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद सरोज आदि मौजूद रहे।

पाकिस्तान में अंडरवर्ल्ड डॉन सरफराज का मर्डर, सरबजीत की हत्या में था शामिल

एजेंसी

लाहौर, 14 अप्रैल (नवसत्ता) लाहौर के डॉन अमीर सरफराज की हत्या कर दी गई है। अमीर को लाहौर में कुछ लोगों ने गोली मार दी थी। इसके बाद उसकी मौत हो गई। माना जाता है कि अमीर सरफराज और उसके साथी ने ही पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर साल 2013 में लाहौर जेल में बंद भारतीय नागरिक सरबजीत सिंह की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। दिसंबर 2018 में पाकिस्तान की एक कोर्ट ने सबूतों की कमी का हवाला देते हुए सरबजीत की हत्या के 2 आरोपियों को रिहा कर दिया था। उनमें अमीर सरफराज और मुद्दसर शामिल थे। किसी ने इन दोनों के खिलाफ गवाही नहीं दी थी। दरअसल, पंजाब का

सरबजीत 1990 में गलती से बॉर्डर क्रॉस कर पाकिस्तान चला गया था। पाकिस्तानी फौज ने उसे भारत का जासूस कहकर बंधक बना लिया था।पाकिस्तान में सरबजीत के हत्यारे की मौत की खबर उस वक्त आई है, जब हाल ही में पाकिस्तान ने भारत पर टारगेट किलिंग के आरोप लगाए हैं। पाकिस्तान ने कहा था कि भारत गैर कानूनी तरीके से पाकिस्तान में उसके नागरिकों को मार रहा है। पाकिस्तान ने ये आरोप ब्रिटिश मीडिया हाउस द गार्डियन की उस रिपोर्ट का हवाला देते हुए लगाए थे जिसमें कहा गया था कि भारत के इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स विदेशी धरती पर रहने वाले आतंकवादियों को खत्म करने की रणनीति के तहत पाकिस्तान में कई लोगों की हत्या करवा रहे हैं।÷ इस पर विदेश मंत्री एस जयशकंर ने कहा था, ÷टारगेट किलिंग करना भारत की विदेश नीति में नहीं है।÷ विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा था कि आरोप झूठे हैं और भारत के खिलाफ प्रोपेगैंडा चलाया जा रहा है।सरबजीत सिंह पंजाब के तरनतारन के भिखीविंड गांव में रहने वाले किसान थे। लाहौर और फैसलाबाद में हुए बम धमाके का आरोपी बनाकर सरबजीत सिंह को पाकिस्तान की जेल में बंद कर दिया गया। 1991 में हुए बम धमाकों के आरोप में सरबजीत सिंह को फांसी की सजा सुनाई गई थी।

एक परिवार से राष्ट्र की राजनीति नहीं होती: केशव प्रसाद मौर्य

संवाददाता

महाराजगंज, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। 10 साल जो देखा है, वह अभी ट्रेलर है। असली तस्वीर चार जून के बाद दिखेगी। एक परिवार से राष्ट्र की राजनीति नहीं होती है। वक्त आ गया है, अब सपा बसपा से मुक्ति पा लीजिए। अब कांग्रेस रुपी बीमारी से मुक्ति पा लीजिए। पहले मतदान की शपथ लेकर जाएं, मतदान के बाद ही जलपान करिएगा। 500 साल के बाद रामलला का मंदिर बना कर दिया है। पीएम की सीट के बाद सबसे ज्यादा मत से महाराजगंज की सीट आनी चाहिए। विरोधियों के पास भी संकल्प लेकर जाएं और पूछे की मोदी को पीएम बनने से रोक सकते हैं क्या? ये बातें उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहीं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रविवार को भारतीय जनता पार्टी के सोशल मीडिया वालंटियर्स को शहर के एक निजी होटल में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विरोधी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश का चुनाव है। एक चाय बेचने वाले को देश चलाने के लिए जनता ने दिया है। 100 में से 75 प्रतिशत वोट हमारा है और बंटवारा मत में भी आधा हमारा है। एक जून को महाराजगंज में रिकार्ड 11 लाख मतों से जिताना है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री जेल में हैं, लेकिन इस्तीफा नहीं दे रहे हैं। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री जेल में हैं। जो देश का पैसा लूटते हैं, उनको जेल भेज दिया गया। 52 करोड़ से अधिक जनधन के खाते खोल कर सीधा लाभार्थियों के खाते में पैसा भेजा है, विरोधी इसी से तिलमिला गए हैं।

34 लाख करोड़ रुपया लाभार्थियों के खाते में गया है। उन्होंने कहा कि मैं तो कांग्रेस को कहता हूं की भ्रष्टाचार की अम्मा हैं। ईडी के छापे लुटेरों के घर पड़ना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र पर सारे विरोधियां टूट पड़ेंगे। सोशल मीडिया एक प्लेटफार्म है। जिसमें विरोधी भी आकर घुस जाते हैं, सचेत रहने की जरूरत है।

चुनाव के बाद देश 100 साल आगे जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 4 जून 405 फिर एक बार प्रचंड बहुमत की मोदी सरकार। आपने पिछली बार 2014 में भी जिताया। 2019 में भी दिखाया, लेकिन 2024 में बड़ी विजय दिलानी है। सब लोग तैयार रहें। इस समय सपा, बसपा, कांग्रेस का कोई नाम लेना नहीं चाहता है। कांग्रेस मुक्त तो भारत देश हो रहा है। यहां तो एक्सीडेंट से खाता खुल गया था, उत्तर प्रदेश में दो विधायक बन गए, लेकिन आप सबके सामने खुला मैदान है।

144 स्कूलों में होगा बिजली कनेक्शन

अमेठी, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। बिजली कनेक्शन से वंचित जिले के 144 परिषदीय स्कूल जल्द रोशन होंगे। कनेक्शन के लिए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के खाते में 93 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए गए हैं। कनेक्शन होने के बाद विद्यार्थियों को गर्मी के मौसम में काफी राहत मिलेगी।कंपोजिट ग्रांट से वायरिंग के साथ पंखा लगा होने के बावजूद बच्चे गर्मी में परेशान है। अधिकांश में मतदान केंद्रों से चुनाव के दिन पोलिंग पार्टियों को परेशानी होती। बेसिक शिक्षा विभाग ने पावर कॉर्पोरेशन से कनेक्शन की बात कही। बिजली विभाग ने 93 लाख रुपये का इस्टीमेट सौंपा था। अनुमानित आगणन मिलने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने शासन से धन की डिमांड की। पावर कॉर्पोरेशन के खाते में धनराशि भेजते हुए बीईओ व प्रधानाध्यापकों को पत्र जारी कर कनेक्शन करवाने को कहा गया। कनेक्शन होने के बाद स्कूल में प्रकाश की व्यवस्था होगी तो गर्मी में पंखा चलने से बच्चों को शिक्षण कार्य में परेशानी नहीं होगी।

भीमराव अंबेडकर के जन्म दिवस पर शहर कांग्रेस कमेटी ने किया विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

संवाददाता

रायबरेली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के जन्म दिवस के अवसर पर जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया,कांग्रेस प्रवक्ता महताब आलम ने बताया कि सर्व प्रथम हाथी पार्क स्थित बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया,तत्पश्चात कांग्रेस कार्यालय तिलक भवन में बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर विचार गोष्ठी आयोजित की गई, साथ ही रायबरेली जनपद के समस्त ब्लाकों में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के विचार सदैव जीवित रहेंगे, उन्होंने अपना सारा जीवन छुआ-छूत और सामाजिक भेदभाव को रोकने में लगा दिया। शहर अध्यक्ष धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि बाबा साहब न सिर्फ संविधान निर्माता थे बल्कि सच्चे समाज सुधारक भी थे जिन्होंने बालविवाह,जाति भेदभाव को समाप्त किया। नगरपालिका अध्यक्ष शत्रोहन सोनकर ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के संघर्षो और प्रयासों से ही आज समाज में छुआछूत और ऊंचनीच का भेद मिट पाया है,उनके द्वारा निर्मित सविंधान में सभी को समान अधिकार प्राप्त है। प्रवक्ता महताब आलम ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी ने देश को एक मजबूत संविधान दिया, जिसकी प्रसंशा विश्व में होती है, दुर्भाग्यवश आज राजनीतिक द्वेष के चलते बाबा साहब के विचारों को समाप्त करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है, कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता बाबा साहेब के विचारों को जिंदा रखने के लिए वचनबद्ध हैं इस अवसर पर प्रमुख रूप से वी.के.शुक्ल,सुरेश पासी,विजय शंकर अग्निहोत्री,सईदुल हसन, अजीत सिंह, सूर्यकुमार बाजपेई, हाफिड़ रियाड़, सर्वोत्तम मिश्रा, जेपी त्रिपाठी, आर.के. सिंह,मनोज मिश्र,दिनेश गौतम,सुमित कुमार विमल,अंशुमान गांधी, राघवेंद्र सिंह,दुर्गेश सोनकर,अंकुर सिंह चौधरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार वाहन में फंसी बाइक, पिता व पुत्र की मौत

संवाददाता

जगदीशपुर-अमेठी, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। एक निजी अस्पताल में दवा लेने के लिए नंबर लगाने जा रहे पिता-पुत्र की बाइक भोर लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन में फंस कर 200 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में दोनों ने दम तोड़ दिया। वाहन की टक्कर लगने से बाइक चला रहे युवक का हेलमेट भी चकना-चूर हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। पुलिस का कहना है कि अज्ञात वाहन का पता लगाया जा रहा है। मामले में कार्रवाई की जाएगी। शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के पूरे बाबू निवासी रामबरन (58) अपने पच्चीस वर्षीय बेटे रंजीत की दवा लेने के लिए भोर क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में नंबर लिखवाने जा रहे थे। दोनों लोग बाइक से लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर कमरौली थाना क्षेत्र में रोड नंबर दो के समीप पहुंचे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। वाहन में बाइक फंस कर करीब 200 मीटर घिसटती रही। पिता-पुत्र छिटक कर काफी दूर जा गिरे। दुर्घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के दौरान इनकी बाइक टक्कर मारने वाले वाहन में फंस कर घटना स्थल से करीब 200 मीटर दूर तक चली गई। कहा जाता है कि हादसे के बाद वाहन में फंसी बाइक को निकाल कर चालक वाहन सहित भाग निकला। हादसा इतना भीषण था, कि बाइक चला रहे युवक का हेलमेट टूट कर चूर-चूर हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। साथ ही मृतकों के पास से मिले पर्चे जानकारी लेकर और मोबाइल नंबर के जरिए परिवार वालों को सूचना दी।

मतदाता जागरूकता के लिए हुआ क्रिकेट मैच का आयोजन

संवाददाता

रायबरेली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में जिला प्रशासनिक 11 की टीम और बिरला सीमेंट कोऑपरेटिव के बीच एक फ्रेंडली क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी/जिलानिर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक कुमार अग्रवाल के साथ सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के उपरांत सिक्का उछाल कर मैच की शुरुआत की। टॉस जिला प्रशासनिक 11 ने जीता। जिन्होंने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय किया। बेल्लेबाजी करते हुए उन्होने 16 ओवरों में 6 विकेट पर 132 रन बनाए। प्रशासनिक टीम के लिए ईओ नगर पालिका स्वर्ण सिंह ने सर्वाधिक 56 रन बनाए। दूसरी तरफ बिरला सीमेंट कॉर्पोरेशन ने टारगेट का पीछा करते हुए 15 ओवरों में 5 विकेट पर 136 रन बना कर मैच जीत लिया। बिरला सीमेंट कॉर्पोरेशन की ओर से सर्वाधिक 47 रन उपेंद्र पटेल ने बनाए। जिला प्रशासनिक 11 टीम के कप्तान उप जिला निर्वाचन अधिकारी पर प्रफुल्ल त्रिपाठी और बिरला सीमेंट कॉरपोरेशन टीम के कप्तान साहेब यादव थे। जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि इस मैच का उद्देश्य लोगों को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित करना है। जिससे लोकसभा चुनाव में जनपद का मतदान प्रतिशत बढ़ाया जा सके।

इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों को मतदान की शपथ भी दिलाई। साथ ही सिगनेचर कैंपेन चलाकर लोगों को जागरूक भी किया। इस अवसर नगर मजिस्ट्रेट बाबू राम,जिला क्रीड़ा अधिकारी धीरेंद्र पुरुषोत्तम, व्यापार मंडल के सदस्यों के अतिरिक्त सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सूचना कार्यालय में मनाई गई अंबेडकर जयंती

रायबरेली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। डॉ0 अंबेडकर की 133वीं जयंती विकास भवन स्थित सूचना कार्यालय में भी मनाई गई। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी अनुराग रंजन ने डॉ0 अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ा कर उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा बाबा साहब हम सभी के प्रेरणा स्रोत है एवं उन सभी व्यक्तियों के लिए पथ प्रदर्शक दर्शन है जो अपने जीवन में संघर्ष कर रहा है। हमें उनके जीवन दर्शन से सीख लेनी चाहिए। इस अवसर पर सूचना कार्यालय के कर्मचारी लेखाकार इफ्तिखार खान, राम बहादुर, रंजीत और विकास उपस्थित रहे।

बैसाखी पर्व को मनाते हुए गुरुद्वारा में वितरण किया गया प्रसाद व सरबत

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में बैसाखी का 325 वा पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया गया जिसमें सभा के सदस्यों के साथ साथ अन्य भक्तों ने भी पूरी श्रद्धा के साथ पर्व में शामिल होकर स्वयं को धन्य किया। वैसाखी पर्व के आयोजन में लालगंज स्थित गुरुद्वारा में सुबह सहज पाठ किया गया उसकी समाप्ति के उपरांत रायबरेली से आए हुए रागी रविंदर सिंह जत्था ने अपने कीर्तनों से संगत को निहाल किया, वाह वाह गुरु गोविंद सिंह आपे गुरचेला कीर्तन सुनकर उपस्थित संगत झूम उठी। कार्यक्रम में छोटे छोटे बच्चों मनन प्रीत, राजवीर सिंह, नवदीप सिंह ने सुरीले स्वर में अपने गीत प्रस्तुत किये जिसे सुनकर उपस्थित लोगो ने बच्चों का उत्साह वर्धन किया इसके पश्चात अरदास की गई फिर जो बोले सो निहाल सत अकाल के गगन भेदी नारों से हाल गूंज उठा। कार्यक्रम में प्रसाद व शरबत का लंगर अनवरत चलता रहा।

इस अवसर पर सरदार सेवा सिंह, सतपाल सिंह पालू, बलजीत सिंह बलजीत सिंह, जगजीत सिंह सोनू, सतनाम सिंह, संजय चड्ढा, हरचरण सिंह राघवेंद्र सूर्यवंशी, बलबीर सिंह, अमनदीप आईटीबीपी के सुरेंद्र सिंह,आयुष सिंह, महेश सिंह वह वह विष्णु शंकर गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

सामूहिक विवाह समारोह में पहुंचे राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने वर वधुओं को दिया आशीर्वाद

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने लालगंज में डॉक्टर अंबेडकर सेवा समिति के द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में पहुंचकर जहां डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पार्चन किया वहीं 11 वर वधू जोड़ों को आशीर्वाद भी प्रदान किया। राज्य मंत्री ने सामूहिक विवाह का कार्यक्रम करने के लिए आयोजन समिति की सराहना भी की। अंबेडकर जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि बाबा साहेब गरीब सर्वहारा वर्ग के मसीहा थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश के कल्याण के लिए अर्पित कर दिया। बाबा साहेब के बनाये हुए संविधान का अनुसरण पूरा देश कर रहा है। राज्य मंत्री ने कहा कि भारत में राज करने वाली कांग्रेस ने सदैव अंबेडकर को वोट के लिए भुनाने का काम किया लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली और जहां उन्होंने शिक्षा ग्रहण किया ,इसके अलावा जहां उन्होंने अंतिम सांस ली ,सभी स्थानों पर डॉ अंबेडकर स्मारक पंच तीर्थ बनाकर उनके प्रति कृतज्ञताअर्पित की है। मोदी सरकार के निर्देश पर सभी सरकारी कार्यो में आज बाबा साहेब का चित्र बड़े ही सम्मानपूर्वक लगा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज उनके ही बताए हुए रास्ते पर चलकर सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य के साथ गांव गरीब को विकसित बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। आयोजन समिति के द्वारा राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता सुरेंद्र सिंह दाढ़ी, आयोजन समिति के अध्यक्ष संत राज आजाद,यतीन सिंह चौहान, आदित्य मिश्रा, शिव कुमार,राजेश गब्बर ,राजू रतन सुरेश आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत करेगा विश्व का नेतृत्व: मनोज पाण्डेय

संवाददाता

रायबरेली-हरचन्द्रपुर , 14 अप्रैल (नवसत्ता)। ऊंचाहार विधायक/पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोज पाण्डेय ने आज ग्राम पंचायत दरीबा, देदौर, सरायं मुबारक, पोरई, मलिकमऊ, चौबारा, सतांव, गुरूबक्षगंज, जगनाखेड़ा, गोझरी, कोंसा, मिश्र खेड़ा, सहजौरा, लोदीपुर उतरावां, अल्हौरा, कर्णमऊ आदि ग्राम पंचायतों में स्वमिलन, पारिवारिक मिलन कार्यक्रमों उमड़े हजारों की संख्या में एकत्रित लोगों का अभिवादन स्वीकार किया, वहीं गले मिलकर स्नेहपूर्ण अभिवादन किया। पाण्डेय ने सहजौरा में आयोजित विषाल जनसभा को सम्बोधित करते हुये कहा आज भारत आई टी का हब बना, वहीं दुनिया के तमाम प्रगतिषील देष आज भारत में संभावनायें तलाष रहे हैं, बड़ी संख्या में देष और प्रदेष में मल्टीनेषनल कंपनियों ने लाखो करोड़ का इनवेसमेंट कर रहे हैं, उत्तर प्रदेष रोग ग्रसित राज्य से बाहर आकर एक स्वस्थ्य राज्य बना है आज भारत की लगातार प्रगति देख कर वोट की राजनीति करने वाले लोग विचिलित हैं,पाण्डेय ने कहा कि चुने हुये प्रतिनिधि की पहली जिम्मेदारी अपने मतदाताओं के प्रति होती है, रायबरेली का दुर्भाग्य रहा है कि वोट लेकर के कभी मुडकर अपने बनाने वाले को नहीं देखा रायबरेली की जनता निराष और हताष है जनता की भावनाओं से खेलने और वोट देकर उन्हें ठगने वाले लोगो ने रायबरेली की जनता को निराष किया। पाण्डेय ने कहा कि विकास सम्मान और विष्वास ही उनकी पूंजी है। सबको न्याय मिले और अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचे यह राजनीति का मुख्य उदेदष्य है। आज पाण्डेय के पहुंचने पर जगह जगह लोगों ने स्वागत किया और साथ रहने का वादा किया। पाण्डेय लोदीपुर उतरावां स्वमिलन, पारिवारिक मिलन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि सनातन उनके रग-रग में है उन्होने कहा कि उनका स्पष्ट मानना है कि सनातन को मान करके ही गरीब कमजोर की मद्द की जा सकती है, पाण्डेय ने कहा कि देष के यषस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड जैसी महामारी के समय से लेकर अनेक चुनौतियों का सामना करते हुये पूरे विष्व में यह ऐहासास कराने का काम किया कि भारत अग्रणी प्रगतिषील देषों की श्रंखला में बढ चुका है, आज भारत के लोगों को गर्व है कि भारत को आत्मविष्वास से लबरेज दृढ इच्छाषक्ति के ऐसे ग्रह मंत्री मिले हैं जिन्होने अपने निर्णयों से देष में एकरूपता लाने का काम किया वहीं प्रदेष के मुख्यमंत्री ने अपने सुषासन के द्वारा आज प्रदेष की 25 करोड़ जनता को सामान्य रूप से जीने का अधिकार दिया।

संविधान निर्माता की जयंती पर जगह जगह किया गया भंडारा

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 14 अप्रैल (नवसत्ता) भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के जन्मदिवस को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया जिसके क्रम में लोगों ने जगह जगह पूड़ी सब्जी,शरबत को वितरित किया। 14 अप्रैल को बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का जन्म हुआ था जिन्होंने देश के संविधान निर्माण में अपना अहम योगदान दिया उनके द्वारा बनाए हुए संविधान में दी गई व्यवस्था के अनुसार देश की कानून व्यवस्था चल रही है। धनाभाद ग्राम सभा में वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट सुरेश कुमार निगम व ग्राम प्रधान राजेश बहादुर सिंह ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम की शुरुआत किया एवम रत्नेश कुमार निगम,रिंकू,पिंकू, संजय राहुल, उदय, कुलदीप, प्रदीप आदि के साथ मिलकर शरबत का वितरण किया गया।

डीपीए शिक्षक एसोसिएशन के सतांव अध्यक्ष बने शीलभद्र शेखर

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती के मौके पर डीपीए शिक्षक एसोशिएशन की सतांव कार्यकारिणी का गठन किया गया। सतांव विकास क्षेत्र की बागडोर शीलभद्र शेखर को सौंपी गई। डीपीए शिक्षक एसोशिएशन के प्रभारी राजवंत सिंह ने बताया कि डीपीए का अध्यक्ष शीलभद्र शेखर, उपाध्यक्ष उमेश कुमार, महामंत्री मुनीश कुमार, मंत्री कृष्ण कुमार, कोषाध्यक्ष अंबिया कलाम तथा संगठन मंत्री प्रदीप कुमार सिंह, मीडिया प्रभारी सौरभ कुमार को मनोनीत किया गया। उन्होंने बताया कि मनोनीत की गई कमेटी द्वारा भारत रत्न डा0 बाबासाहेब अंबेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण किया गया व संगठन की रीति नीति पर चलते हुए संगठन हित में कार्य करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुनील यादव, जिला महामंत्री शिवनंदन, जिला कोषाध्यक्ष राकेश कुमार, प्रांतीय महामंत्री अशोक प्रियदर्शी आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा के बूथों पर मनाई गई डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। भारतीय जनता पार्टी संगठन के द्वारा सरेनी विधानसभा में बूथो पर डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन पान दरीबा लालगंज में बूथ अध्यक्ष संतोष बाजपेई मंटू के द्वारा किया गया।इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जहां डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया वहीं उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प भी लिया। अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में बोलते हुए पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडे, विधानसभा प्रभारी सुरेंद्र सिंह दाढ़ी, विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला ने कहा कि बाबा साहेब हम सभी के मसीहा थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश के कल्याण के लिए अर्पित कर दिया। बाबा साहेब के बनाये हुए संविधान का अनुसरण पूरा देश कर रहा है। उन्होंने जीवन पर्यंत समाज को एक सूत्र में बांधने का भी काम किया। विदेश से डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद भारत में दलित समाज के उत्थान के लिए काम करना शुरू किया। आजादी के बाद संविधान निर्माण सभा के अध्यक्ष बनकर राष्ट्र को एक दिशा देने का काम किया। आज उन्ही के बताए हुए रास्ते पर चलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को विकसित बनाने की दिशा मे काम कर रहे हैं। कार्यक्रम में कैलाश बाजपेई, अजय पांडे, सुरेंद्र गुप्ता, बूथ अध्यक्ष संतोष बाजपेई मंटू, अक्षत पांडे ,शिवम कौशल, आयुष कौशल सोनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

डा. भीमराव अंबेडकर का कांग्रेस ने सदैव किया अपमान: वीरेन्द्र तिवारी

संवाददाता

रायबरेली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश मंत्री,पूर्व राज्य मंत्री स्तर चेयरमैन एवं रायबरेली 36-लोकसभा के प्रभारी वीरेन्द्र तिवारी ने अंबेडकर जयंती के अवसर पर कहा कि कांग्रेस ने डा0 भीमराव अंबेडकर का सदैव अपमान किया है जबकि भाजपा ने अवसर मिलने पर उनको सदैव सम्मान दिया है। वीरेन्द्र तिवारी ने रायबरेली लोकसभा क्षेत्र की सदर विधान सभा क्षेत्र के बूथ नं0-139 अनुसूचित बस्ती अस्पताल कालोनी में डा0 अंबेडकर जी की जयंती पर भाजपा की बूथ समिति द्वारा आयोजित समरसता दिवस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई लड़ने के साथ ही आजाद भारत का संविधान बनाने में डा0अंबेडकर जी की अहम भूमिका रही है। इसके बावजूद कांग्रेस सरकारों ने अंबेडकर जी का उचित सम्मान नहीं किया ।उन्होंने कहा कि 31 मार्च 1990 को भाजपा की माँग पर श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी की प्रबल माँग और दबाव बनाने पर भाजपा समर्थित वीश्पीश्र सिंह सरकार में मरणोपरांत डा0 अंबेडकर जी को भारत रत्न दिया गया। कार्यक्रम में वीरेंद्र तिवारी ने उनके चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कांग्रेस पर डा0अंबेडकर जी,अनुसूचित वर्ग एवं दलित विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि यहाँ से सांसद श्रीमती इन्दिरा गाँधी भी लगातार देश की प्रधानमंत्री रही हैं और इसी के बगल की अमेठी लोकसभा से उनके पुत्र कांग्रेस के सांसद बनकर राजीव गांधी प्रधानमंत्री रहे हैं लेकिन किसी ने भी डा0अंबेडकर जी को भारत रत्न का सम्मान देने के लायक़ नहीं समझा। तिवारी ने बताया कि श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी के प्रधानमंत्री बनने पर संसद हाल में उनके द्वारा डा0अंबेडकर जी का तैलीय चित्र प्रतिमा लगायी गयी। लोकसभा प्रभारी ने बताया कि कांग्रेस सरकारों में गरीबी हटाओ का नारा ज़ोर शोर से लगाया गया,लेकिन ग़रीबों की गरीबी तो दूर नहीं की,ग़रीब तो गरीब ही रह गया लेकिन गरीबी हटाओ का नारा देने वाले जरुर अमीर हो गये।उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल जी के बाद 2014 में नरेन्द्र मोदी जी के भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद संविधान निर्माता डा0भीमराव अंबेडकर जी के जन्म स्थान मध्य प्रदेश के मुहू,अध्ययन क्षेत्र,बैरिस्टर की शिक्षा क्षेत्र लंदन,कर्म क्षेत्र,दिल्ली निवास,एवं अंतिम संस्कार स्थल को 18 करोड़ की राशि स्वीकृति करके सभी पाँचों स्थलों का भव्य निर्माण कराकर उन्हें पंच तीर्थ से सम्मानित किया गया।

मंत्री दिनेश सिंह से मिला लालगंज उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। व्यापारियों के हित में सदैव सक्रिय रूप से समस्याओं को उठाने वाले संगठन उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा ने उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश सिंह से रायबरेली आवास पर मिलकर मंडी समिति में बनने वाली दुकानों के बाबत एक ज्ञापन सौंपा और कहा कि चबूतरे पर दुकानें बनने से करीब एक सैकड़ा छोटे दुकानदारों की रोजी-रोटी चली जाएगी और वह भुखमरी के कगार पर पहुंच जाएंगे। विवेक शर्मा ने कृषि उद्यान मंत्री दिनेश सिंह से कहा कि चबूतरे पर नई दुकाने ना बनवाकर मंडी समिति में खाली पड़ी अन्य जगहों पर दुकानों का निर्माण कराया जाए जिससे छोटे दुकानदारों की भी रोजी-रोटी चलती रहे। जिलाध्यक्ष रोहित सोनी ने कहा कि दुकानें बनाने को लेकर ठेकेदार ने मंडी परिसर में व्यापारियों की जगह पर सीमांकन के लिए मटेरियल गिरा दिया है जिससे व्यापारियों में अपनी रोजी-रोटी जाने का संकट एवं भय का माहौल बना हुआ है स्वतंत्र प्रभार मंत्री दिनेश सिंह ने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि भाजपा की योगी सरकार जनहित के मुद्दों पर विशेष ध्यान देती है।

अगर कोई व्यापारियों की समस्या है तो उस पर विचार कर ही निर्णय लिया जाएगा। बताते चले कि मंडी समिति में निर्मित चबूतरे पर एक सैकड़ा से अधिक किसान रोज अपनी दुकान लगाते हैं।इस अवसर पर जिला महामंत्री अप्पू शर्मा, जिला उपाध्यक्ष मृत्युंजय,अध्यक्ष मंडी समिति सुरेश सोनकर, श्रवण मौर्य, रहम अली कुलदीप सोनकर,राम सजीवन सोनकर, राजू सोनकर, श्यामलाल मौर्य जवाहरलाल मौर्य, रज्जन सोनकर जगरूप,अनिल सोनकर ,नौशाद अली हीरालाल मौर्य, रामनरेश वर्मा,धुन्नू वसीम अहमद,राजू कुशवाहा यार मोहम्मद आदि व्यापारी मौजूद रहे।

दिलाया विश्वास: उत्तर प्रदेश लोकसभा की सभी 80 सीट पीएम मोदी के हवाले करने जा रहा है

संवाददाता

पौड़ी गढ़वाल, 14 अप्रैल (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को अपनी जन्मभूमि की लोकसभा सीट पर चुनावी समर में उतरे। यहां उन्होंने लोगों से भावनात्मक संवाद भी किया तो देवभूमि उत्तराखंडवासियों से कमल खिलाने का आह्वान भी। गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के एनआईटी श्रीनगर में विजय संकल्प रैली में सीएम योगी ने भाजपा उम्मीदवार अनिल बलूनी के लिए जनसमर्थन मांगा। कांग्रेस सीएम योगी के निशाने पर रही। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस कहती थी कि राम हुए ही नहीं। जब 500 वर्ष का इंतजार समाप्त करके अयोध्या में आज प्रभु राम का मंदिर बन गया तो कांग्रेसियों के स्वर बदल गए, वे अब कहते हैं कि राम सबके हैं। यह कांग्रेसी बहुरूपिये हैं। वे कहते थे देश के संसाधन पर पहला

अधिकार मुसलमानों का है तो फिर 1947 में विभाजन क्यों कराया। यह सवाल किसी ने कांग्रेसियों से क्यों नहीं पूछा। सीएम ने विश्वास दिलाया कि उत्तर प्रदेश लोकसभा की सभी 80 सीट पीएम मोदी के हवाले करने जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि आज अपनी जन्मभूमि की लोकसभा सीट पर संवाद बनाने का अवसर प्राप्त हो रहा है। जब भी उत्तराखंड आता हूं तो यहां संवाद आत्म साक्षात्कार व आध्यात्मिक अनुभूति का अवसर होता है। यहां के कण-कण में शंकर का वास है, इसलिए इसे देवभूमि कहा जाता है। यहां से निकलीं पवित्र नदियां जल की धारा को उत्तराखंड से नीचे उत्तर प्रदेश पहुंचाती हैं तो उत्तर प्रदेश भी समृद्धि की नई ऊंचाई तक पहुंचता है। कभी-कभी कुछ लोगों को गफलत होती है, वे लोग मानते हैं कि यूपी में अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की जो नीति है, उससे ऐसा न हो कि वे उत्तराखंड आ जाएं। मैं आश्वस्त करता हूं कि माफिया व अपराधियों को इस लायक छोड़ूंगा ही नहीं कि उप्र की सीमा क्रास कर पाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने मंदिरों के पैसे को धर्मांतरण व मदरसा निर्माण में खर्च किया, लेकिन उन मंदिरों को शासन के संरक्षण में पुनरोद्धार की योजना बनाने का काम मोदी जी ने किया। बद्रीनाथ व केदारनाथ धाम में चल रहे प्रोजेक्ट इसके उदाहरण हैं। आज नई अयोध्या त्रेतायुग के दर्शन करा रही है। अयोध्या में प्रतिदिन डेढ़ लाख-दो लाख लोग दर्शन कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के लिए सारी सुरक्षा व सुविधाएं हैं। हम कहते हैं कि छेड़ेंगे नहीं पर व्यापारी-बेटियों को छेड़ने वालों को छोड़ेंगे भी नहीं। कुछ लोगों को लगता है कि अपराध करके जेल चले जाएंगे, लेकिन हम जेल जाने के पहले उन्हें जहन्नुम में पहुंचा देंगे। सीएम ने कहा कि उत्तराखंड ने देश को पहला और द्वितीय सीडीएस दिया है। यह जनरल बिपिन रावत की जन्मभूमि है। हम आश्वस्त हैं कि मोदी जी के नेतृत्व में सीमाएं सुरक्षित हैं। कांग्रेस के समय देश के 150 जनपद भीषण नक्सलवाद की चपेट में थे। अभी बमुश्किल तीन-चार जनपद ही प्रभावित हैं। तीसरा कार्यकाल दीजिए, नक्सलवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। कश्मीर में आतंकवाद समाप्त हो गया। चार दिन पहले चुनावी जनसभा में जम्मू-कश्मीर में भी देखा कि लोकतंत्र की मुख्य धारा से जुड़कर वहां के लोग मोदी की गारंटी पर विश्वास कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि 1998 से गोरखपुर से पांच बार सांसद रहने का अवसर प्राप्त हुआ। सांसद के रूप में कांग्रेस के 10 वर्ष के कार्यकाल को देखकर मन खिन्न होता था। वे देश को कहां ले जाना चाहते थे। उनके पास कोई नेशनल एजेंडा नहीं था। उनके एजेंडे में महिला, युवा, गरीब, किसान नहीं थे। उनका एजेंडा स्वार्थ और विघटन पर ले जाने वाला था पर हमने दस वर्ष में बदलते भारत को देखा है। सीएम ने कहा कि देहरादून-ऋषिकेश से श्रीनगर होते हुए कर्णप्रयाग तक ट्रेन की सुविधा हुई। पहाड़ के लिए कनेक्टिविटी बहुत कठिन थी। बद्रीनाथ-केदारनाथ की यात्रा के लिए पहले 12-12 घंटे लगते थे। आज आधे घंटे में केदारनाथ-बद्रीनाथ हेलीकॉप्टर से पहुंच जाएंगे। केदारनाथ धाम फिर से उस वैभव को प्राप्त कर चुका है, जो 2013 के पहले थे। मेरा तो बचपन यहीं गुजरा है। मैंने देखा है कि दो तीन किमी. पानी के लिए नीचे जाकर वहां से पानी भरकर लाना पड़ता था। आज हर घर नल योजना लागू हो चुकी है। ईंधन के लिए लकड़ी बीनना पड़ता था। कांग्रेस के लोग कैरोसीन भी नहीं दे पाते थे।

सीएम ने किया गोरखनाथ गुफा में दर्शन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज उत्तराखंड के श्रीनगर, भक्तियाना में गोरखनाथ गुफा के दर्शन किए। सीएम योगी ने यहां गुरु गोरक्षनाथ के दर्शन किए। इसके समीप ही भगवान शिव की भी पूजा-अर्चना की। साथ ही यहां परिक्रमा कर शीश झुकाया। इसके बाद बाबा भैरवनाथ के भी दर्शन कर सीएम ने सुखी, स्वस्थ प्रदेश की भी कामना की।

जौनपुर से सपा ने मौर्य समाज पर खेला दांव,बाबू सिंह कुशवाहा प्रत्याशी घोषित

संवाददाता

जौनपुर, 14 अप्रैल (नवसत्ता) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा जौनपुर लोकसभा से पार्टी प्रत्याशी के रूप में प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री रहे बाबू सिंह कुशवाहा को मैदान में उतारा है जबकि जिले में मछली शहर सुरक्षित लोकसभा क्षेत्र से पूर्व सांसद तूफानी सरोज की पुत्री प्रिया सरोज को प्रत्याशी बनाया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार लम्बे इन्तजार के बाद सपा ने आज सात लोकसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों की घोषणा कर दिया है। इसमें जौनपुर से सपा ने मौर्य समाज के उपर दांव लगाया है, बाबू सिंह कुशवाहा को भाजपा के प्रत्याशी एवं महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह के मुकाबले चुनाव मैदान में उतार दिया है। देखना यह है कि क्या अब जौनपुर में मौर्य समाज साइकिल की सवारी करेगा जो अभी तक कमल खिला रहा था ? जौनपुर जिले में मछलीशहर (सु) लोकसभा से सपा ने पासी समाज पर दांव लगाया है। प्रिया सरोज

को चुनावी जंग में उतारा है अब मछलीशहर सुरक्षित से सपा, भाजपा, बसपा, तीनों दलों के प्रत्याशी पासवान समाज के है। सपा के प्रत्याशियों की सूची जारी होने के साथ ही चुनावी तस्वीर भी जन मानस के पटल पर परिलक्षित होने लगी है। मछली शहर में भारतीय जनता पार्टी ने अपने वर्तमान सांसद बीपी सरोज को चुनाव मैदान में उतारा है, तो बहुजन समाज पार्टी ने पूर्व आईएएस अधिकारी कृपा शंकर सरोज को अपना प्रत्याशी बनाया है, जबकि समाजवादी पार्टी द्वारा आज घोषित की गई सूची में मछली शहर के पूर्व सांसद तूफानी सरोज की पुत्री प्रिया सरोज को अपना प्रत्याशी बनाकर भेजा है। इस तरह इस क्षेत्र में तीनों ही दलों ने सरोज बिरादरी पर अपना भरोसा जताते हुए अपने-अपने प्रत्याशी उतारे हैं।

पत्नी को गोली मारकर खुद को भी मारी गोली दोनों गंभीर

संवाददाता

फिरोजाबाद, 14 अप्रैल (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद जनपद के थाना? मठसेना क्षेत्र मे रविवार को आगरा से आये एक युवक ने अपने मायके में रह रही पत्नी को आपसी विवाद के बाद गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मार कर जीवन लीला समाप्त करने की कोशिश की। एसपी सिटी सर्विस कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को सुवह थाना मठसेना क्षेत्र के गांव खेड़ागणेशपुर मे ससुराल आई एक युवक द्वारा अपनी पत्नी को गोली मारकर घायल करने के बाद खुद को भी गोली मार लिए जाने की जानकारी प्राप्त हुई थी। मौके पर पुलिस टीम ने पहुंचकर घायलों को जिला अस्पताल के सरकारी ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया जिनकी हालत गंभीर होने के कारण उपचार के लिए आगरा रेफर कर दिया गया है।

सूर्या खेल परिसर में घुड़सवारी प्रदर्शन का हुआ आयोजन

संवाददाता

लखनऊ, 14 अप्रैल (नवसत्ता) आज लखनऊ छावनी स्थित सूर्या खेल परिसर में घुड़सवारी प्रदर्शन आयोजित किया गया जिसमें एक पोलो मैच भी शामिल था। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, जीओसी-इन-सी, मध्य कमान ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रदर्शन में पोलो मैच, म्यूल ट्रिक राइडिंग, शो जंपिंग और टेंट पेगिंग शामिल थी, जो देश में घुड़सवारी के खेल को बढ़ावा देने के प्रति सूर्या कमान की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। रिमाउंट वेटरनरी कोर और आर्मी सर्विस कोर के 60 घोड़ों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और 2000 परिवारों की उपस्थिति में अपने कौशल का प्रदर्शन किया। सभी

उपस्थित लोगों ने रोमांच और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम का आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सवार सुमित द्वारा तिरंगा फहराने और घोड़े से कबूतरों को उड़ाकर की गई। इसके बाद सूर्या रेड और सूर्या ब्लू टीमों के बीच एक रोमांचक पोलो मैच हुआ। सूर्या रेड टीम ने सूर्या ब्लूज़ के साथ करीबी मुकाबले में 6-4 से सूर्य पोलो ट्रॉफी जीती। एएससी के सवारों द्वारा टीम के म्यूल ट्रिक राइडिंग और कलाबाज़ी कौशल का प्रदर्शन किया गया, जिन्होंने सराहनीय कौशल और प्रशिक्षण मानकों का प्रदर्शन किया। इस आयोजन में सूर्या खेल परिसर में रिमाउंट वेटरनरी कोर के सवारों द्वारा एक लुभावनी शो जंपिंग कौशल प्रदर्शन और छह बार जंपिंग भी शामिल थी। टेंट पेगिंग शो में आरवीसी और एएससी के घुड़सवारों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया और घोड़ों और सवारों के बीच उत्कृष्ट समन्वय दिखाया। कार्यक्रमों के बीच-बीच में आर्मी बैंड ने सूर्या खेल परिसर में मौजूद दर्शकों में अपनी धुनों से देशभक्ति और जोश भर दिया। कार्यक्रम के समापन पर, लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, जीओसी-इन-सी, मध्य कमान और श्रीमती महालक्ष्मी सुब्रमणि, क्षेत्रीय अध्यक्ष आवा ने मध्य कमान इक्वेस्ट्रीयन ट्रेनिंग नोड के युवा राइडर्स और विभिन्न सर्विस राइडर्स को सम्मानित किया और पुरस्कार वितरित किए। इस आयोजन का उद्देश्य लखनऊ के बच्चों और युवाओं के बीच घुड़सवारी और घुड़सवारी के खेल को बढ़ावा देना और सेना घुड़सवारी टीम के कौशल का प्रदर्शन करना था।

सूर्या रेड टीम
1. लेफ्टिनेंट कर्नल यतिंदर कुमार (एएससी)
2. रिसालदार विजय सिंह (आरवीसी)
3. सवार येल्लपा होदी (आरवीसी)
4. सवार अभय कुमार पांडा (आरवीसी)

सूर्या ब्लू टीम
1. लेफ्टिनेंट कर्नल पृथ्वी सिंह राठौड़ (एएससी)
2. मेजर रोमित शर्मा (एएससी)
3. लांस दफ्फादर सत्यप्रकाश (आरवीसी)
4. सिपाही मुकेश गुर्जर (एएससी)

अंपायरों
1. एएलडी संतोष (आरवीसी)
2. सिपाही धर्मेंद्र (एएससी)

मैच रेफरी
1. कैप्टन मयंक बाजपेयी (आरवीसी)

सीएसए में अंबेडकर जी की 133वीं जयंती मनाई गई

संवाददाता

कानपुर नगर, 14 अप्रैल (नवसत्ता) चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कैलाश भवन में बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए बताया अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार द्वारा अपने संबोधन में कहा कि संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर जी ने अपना पूरा जीवन अछूतों, महिलाओ एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की भलाई के लिए न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि वह एक महान अर्थशास्त्री तथा समाज सुधारक थे।जिन्होंने सामाजिक समरसता के लिए अहम भूमिका निभाई। डॉ मुनीश कुमार ने कहा कि वह देश के संविधान के शिल्पकार थे। यही कारण है कि उन्हें भारतीय संविधान का जनक भी कहा जाता है। डॉ भीमराव अंबेडकर ने भारतीय कानून एवं शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में भी कार्य किया।इस अवसर पर भंडार क्रय अधिकारी डॉ कौशल कुमार, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव, प्रस्थापना अधिकारी डॉ संजीव शर्मा, सुरक्षा अधिकारी डॉ अजय कुमार सिंह, गेहूं जनक डॉ सोमवीर सिंह तथा सेवानिवृत्ति अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ धर्म राज सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा छात्र-छात्राओं द्वारा भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शानदार प्रस्तुति भी दी गई।

अवैध शस्त्र फैक्ट्री पर छापा, दो गिरफ्तार

संवाददाता

फिरोजाबाद, 14 अप्रैल (नवसत्ता) उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद जनपद के थाना जसराना क्षेत्र में पुलिस टीम ने एक अवैध असलाह फैक्ट्री पर छापा मार कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में बने और अधबने हथियार बरामद किये हैं। पुलिस ने मौके से दो लोगों को गिरफ्तार भी किया।

एस पी ग्रामीण रण विजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया की थाना जसराना क्षेत्र के गांव नगला राम चौराहा के समीप एक बंद पडे हूए ईट भट्टे मे अवैध शस्त्र फैक्ट्री संचालित होने की जानकारी मिली थी।

सी ओ जसराना और थाना प्रभारी ने शनिवार रात को कार्रवाई करते हुएछापा मार कर अवैध शस्त्र फैक्ट्री को पकड़ लिया गया।मौके पर दो लोग देवेंद्र और राम शंकर को भी गिरफ्तार किया गया । फैक्ट्री में बने हुएआठ और अध बने हुए तीन तमंचे बरामद किए गए हैं।

दो मंजिला इमारत का लेंटर गिरने से एक की मौत

संवाददाता

लखनऊ, 14 अप्रैल (नवसत्ता) मुज़फ्फरनगर के तालडा गांव में आज दो मंजिला इमारत में बनी 12 दुकानों को जैक से उठाने के दौरान लेंटर गिर गया। मलबे में कई मजदूर दब गये। घटना की जानकारी पर जिला प्रशासन और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। राहत बचाव कार्य करते हुए मजदूरों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू कर दिया गया। मलबे में दबकर एक मजदूर के मौत हो गयी है, जबकि कई लोग घायल हैं। योगी आदित्यनाथ ने घटना पर अपना दुख प्रकट करते हुए अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर पीड़ितों को हर संभव मदद करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने बताया कि तालडा गांव में दो मंजिला बारह दुकानों को जैक लगाकर ऊपर उठाया जा रहा था। इसी दौरान लिंटर गिर गया और मलबे में कई लोग दबे गये। चीख-पुकार मचने पर लोगों की भीड़ जुट गयी. मलबे में दबे लोगों को बचाते हुए पुलिस को सूचित किया। सूचना पाकर जिला प्रशासन पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर राहत बचाव कार्य में जुट गयी। अभी तक एक व्यक्ति को मृत व छह लोगों को घायल हालत में बाहर निकाला गया है। दमकल विभाग टीम व ग्रामीण मलबे में दबे अन्य लोगों को बाहर निकालने के प्रयास में जुटे हैं। एसएसपी अभिषेक सिंह भी मौके पर पहुंचे हैं। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका पर रेस्क्यू आपरेशन चल रहा है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम राहत बचाव कार्य में जुटी है। स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर मौजूद है। हादसे में मुरादाबाद के गांव न्याजूपुर निवासी मजदूर मोहित की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि तीन मजदूर गंभीर घायल हैं।

वैष्णव खण्ड जनकल्याण समिति का पुनर्गठन सुमित सिंह बने सचिव निलीमा जोशी अध्यक्ष

संवाददाता

लखनऊ, 14 अप्रैल (नवसत्ता) वैष्णव खण्ड जनकल्याण समिति के पदाधिकारियों की बैठक आज दिनांक 14 अप्रैल को डॉ0 ध्रुव कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ।जिसमे मुख्य रूप से क्षेत्र की समस्या पर हुआ जिसमे मुख्य रूप से पार्कों के किनारे इंटरलॉकिंग,झूले,जिम लाइट पर चर्चा हुई। सीवर जो मुख्य लाइन से कनेक्ट नही है जिससे कारण बरसात के दिन में पूरा क्षेत्र जलमग्न हो जाता है। 6श्व/239 के सामने आज तक सड़क मुख्य मार्ग से नही मिली है और अन्य भी कई समस्याओं पर चर्चा हुई। समिति में पूर्व पदाधिकारी का समय पूर्ण होने के कारण नए कार्यकारिणी का गठन भी मीटिंग में संपन्न हुआ जिसमे संरक्षक एवं सलाहकार मंडल

में पूर्व अध्यक्ष संतराम चौधरी,पूर्व सचिव श्रीकांत यादव एवं मंगलकरण प्रसाद को शामिल किया गया। नीलिमा जोशी अध्यक्ष,डॉ0 ध्रुव कुमार त्रिपाठी वरिष्ठ उपाध्यक्ष,दयानंद सिंह और विश्वनाथ पाठक को उपाध्यक्ष, सुमित सिंह को सचिव, बीपीसिंह उप सचिव, गरिमा पटेल संयुक्त सचिव, रामलखन पटेल संगठन सचिव, अनीता सिंह सांस्कृतिक सचिव, सारिका मौर्या प्रचार सचिव,प्रदीप सिंह कोषाध्यक्ष, अमित सिंह प्रभारी विधि प्रकोष्ठ, प्रभारी अंकेक्षण प्रकोष्ठ प्रखर सिंह एवं कार्यकारिणी सदस्य डॉ0 उपेंद्र, पीएल यादव,केएन पांडेय,डॉ0 वी कुमार, के के शुक्ला,नवेन्दु श्रीवास्तव,मुकुल महान और प्रदीप कुमार चौधरी को नियुक्त किया गया।

सीएसए केवीके ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

संवाददाता

कानपुर नगर, 14 अप्रैल (नवसत्ता) चंद्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रौद्योगिक विद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर के प्रभारी को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में प्रसार निदेशक डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई थी। समारोह कार्यक्रम के अवसर पर केन्द्र के प्रभारी डॉ आर पी एन सिंह ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुद्दुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि ,पशुपालन, मछली पालन, शहद उत्पादन और औद्यानिक उत्पादनों में निः संदेह बदोत्तरी हुई है।जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने जनपद रायबरेली में गेहूं, धान के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी तथा

सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया।केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने - अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया।इस कार्य क्रम में 50 से भी अधिक किसानों एवं नवयुवकों ने उल्लासपूर्वक प्रतिभाग किया और के वी के की भूमिका की प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों,खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं,उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक एवं किसानों ने प्रतिभा किया।

राम नवमी पर्व को लेकर अयोध्या धाम में सुरक्षा के कड़े प्रबंध

संवाददाता

लखनऊ, 14 अप्रैल (नवसत्ता) 500 वर्षों बाद अयोध्या में भगवान राम के नव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। इसके बाद यह पहला अवसर है जब अयोध्या में श्रीराम नवमी का पर्व मनाया जा रहा है। प्रदेश सरकार की ओर से इसको धूमधाम से वृहद स्तर पर मनाने की तैयारी की गई है। माना जा रहा है कि लाखों लोग इस अवसर पर भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचेंगे। ऐसे में बड़े पैमाने पर यहां सुरक्षा को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। इस महत्वपूर्ण पर्व को सकुशल संपन्न कराने में पुलिस प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ पुलिस प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन से लेकर दर्शन और श्रद्धालुओं की संख्या का अनुमान एवं आंकलन करने के लिए भी योजना बनाई है। उल्लेखनीय है कि अयोध्या धाम में रामनवमी के उपलक्ष्य में 9 अप्रैल से रामनवमी मेला

का शुभारंभ हो चुका है जो रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल तक जारी रहने वाला है। यहां 25 लाख श्रद्धालुओं की संभावना है। रामनवमी मेला के अवसर पर संपूर्ण मेला क्षेत्र को कुल 7 जोन तथा 39 सेक्टर में विभाजित किया गया है। वहीं, यातायात व्यवस्था को 2 जोन तथा 11 क्लस्टर में विभाजित कर यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा रही है। मेला के दौरान संपूर्ण मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए 11 अपर पुलिस अधीक्षक, 26 पुलिस उपाधीक्षक, 150 निरीक्षक, 400 उप निरीक्षक, 25 महिला उप निरीक्षक, 1305 मुख्य आरक्षी /आरक्षी, 270 महिला मुख्य आरक्षी /आरक्षी, 15 कंपनी पीएसी, 2 कंपनी बाढ़ राहत, 1 टीम एसडीआरएफ व 1 टीम एटीएस की अतिरिक्त ड्यूटी लगाई गई है। प्रत्येक जोन में पुलिस व्यवस्था के प्रभारी एक अपर पुलिस अधीक्षक तथा प्रत्येक सेक्टर के प्रभारी अधिकारी एक पुलिस उपाधीक्षक/निरीक्षक बनाए गए हैं। इसके अलावा मंदिर परिसर व बाह्य संपूर्ण मेला क्षेत्र को 24ङ्ग7 ड्यूटी लगाकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी। रामपथ पर कुल 15 ड्रॉप डाउन बैरियर लगाकर व 13 होल्डिंग एरिया बनाकर सुरक्षित दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी। संपूर्ण मेला क्षेत्र में 50 स्थानों पर पीए सिस्टम स्थापित किए गए हैं व विभिन्न स्थानों पर स्थापित 111 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से यलो जोन कंट्रोल रूम से निरंतर निगरानी की जा रही है। पुलिस प्रशासन की ओर से मेले के लिए पुलिस व्यवस्था को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सिंचाई विभाग गेस्ट हाउस से नयाघाट पुलिस चौथी तक मेला नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। श्रद्धालुओं के आने वाले मार्गों मुख्यत: साकेत पेट्रोल पंप से लता चौक होते हुए सरयू घाट से हनुमानगढ़ी एवं हनुमान गढ़ी से कनक भवन व रामलला मंदिर को विभिन्न जोन एवं सेक्टर में विभाजित कर पुलिस बल का व्यवस्थापन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सरयू नदी व राम की पैड़ी पर सुरक्षा के लिए जल पुलिस, विभिन्न मंदिरों व मेला क्षेत्र में पुलिस एवं पीएसी बल की व्यवस्था की जाएगी।

ये भी होगी व्यवस्था

-मेला कंट्रोल, पक्का घाट, साकेत पेट्रोल पंप, नागेश्वर नाथ, हनुमान गढ़ी, श्रीराम जन्मू भूमि, कनक भवन, अयोध्या रेलवे स्टेशन, अयोध्या कोतवारी, बंधा तिराहा और कंट्रोल रूम (रिजर्व) परये भी होगी व्यवस्था मेला कंट्रोल, पक्का घाट, साकेत पेट्रोल पंप, नागेश्वर नाथ, हनुमान गढ़ी, श्रीराम जन्मू भूमि, कनक भवन, अयोध्या रेलवे स्टेशन, अयोध्या कोतवारी, बंधा तिराहा और कंट्रोल रूम (रिजर्व) पर एंबुलेंस और रेस्क्यू टीम उपलब्ध रहेगी। बंधा तिराहा, बड़ा स्थान तिराहा, पक्का घाट, राम की पैड़ी, रानोपाली क्रॉसिंग, नया घाट और बालू बरेहटा पार्किंग स्थल पर पुलिस सहायता केंद्र व पूछतांछ कार्यालय स्थापित किए जाएंगे। तुलसी उद्यान, कोतवाली अयोध्या और मेला कंट्रोल रूम नया घाट पर खोया पाया कैंप स्थापित किया जाएगा। एंबुलेंस और रेस्क्यू टीम उपलब्ध रहेगी। बंधा तिराहा, बड़ा स्थान तिराहा, पक्का घाट, राम की पैड़ी, रानोपाली क्रॉसिंग, नया घाट और बालू बरेहटा पार्किंग स्थल पर पुलिस सहायता केंद्र व पूछतांछ कार्यालय स्थापित किए जाएंगे। तुलसी उद्यान, कोतवाली अयोध्या और मेला कंट्रोल रूम नया घाट पर खोया पाया कैंप स्थापित किया जाएगा।

संविधान के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : श्रवण पासीवान

संवाददाता

लखनऊ, 14 अप्रैल (नवसत्ता) बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जन्म जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय जनशक्ति पार्टी के संस्थापक एवं अध्यक्ष आर ए प्रसाद ने देश और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज बाबा साहेब के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाना तथा एकजुट होकर संविधान की रक्षा करना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वहीं पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष रंजीत कुमार रावत, राष्ट्रीय संगठन मंत्री व मछली शहर सुरक्षित लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी वैद्य श्रवण कुमार पासीवान, लोकसभा क्षेत्र मोहन लालगंज प्रत्याशी विनय कुमार रावत तथा शिबू खान ने हजरतगंज स्थित आंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर वैद्य श्रवण कुमार पासीवान ने कहा कि संविधान के निर्माता बाबासाहेब

डॉ भीमराव आंबेडकर के जन्मदिन पर शुभकामनाएं और आशीर्वाद की कामना करते हैं कि हम नौजवानों को आशीर्वाद दें, जिससे हमारी पार्टी उनके सपनों को पूरा कर सके और भारत की रक्षा-सुरक्षा की में अपना योगदान कर सके।

श्री पासीवान ने अन्य राजनीतिक दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि संविधान के साथ कहीं-कहीं खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसे हम लोग इसको बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान लोकतंत्र की रक्षा के लिए, जनसेवा के लिए है परन्तु कुछ ऐसे लोग हैं जो व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए इसका प्रयोग करना चाहते हैं ऐसे लोगों को 2024 के लोकसभा चुनाव में देश की जनता नकार देगी। उन्होंने यह भी कहा कि हम चाहते हैं कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के जो कार्य हैं, उन्होंने जिस उद्देश्य के लिए संविधान की रचना की, शोषितों के लिए वंचितों के लिए अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के लिए संपूर्ण समाज के लिए उन्होंने काम किया। इसलिए हम लोग भी समाज में जाकर बताने का काम करेंगे कि बाबा साहेब द्वारा बनाये गए संविधान के आधार पर ही लोकतंत्र की रक्षा हो सकती है।

हिन्दी दैनिक
नवसत्ता

सम्पादकीय

महिलाओं की स्थिति में सुधार के भी पक्षधर थे भीमराव आंबेडकर

गांधी ने, जिनसे भीमराव की कभी नहीं पटी, उनका अधिक संतुलित मूल्यांकन किया। गांधी ने कहा, भीमराव जितने मेधावी, जितने परिश्रमी और जितने निष्ठावान थे, उन्हें जीवन में सभी सांसारिक सुख अर्थात संपत्ति, प्रतिष्ठा और वैभव प्राप्त हो सकता था। भीमराव ने इनका परित्याग किया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन वंचितों, महिलाओं के उद्धार एवं देश के नवनिर्माण में लगा दिया।

भीमराव की विचार यात्रा का अधिक समुचित विवेचन संभवतः उनकी जीवन यात्रा एवं कार्य यात्रा के एक संक्षिप्त विवरण के पश्चात् अधिक सुसंगत रूप से किया जा सकता है। भीमराव का जन्म एक निम्न मध्यमवर्गीय परिवार में सेना के सूबेदार पिता, रामजी मालोजी सकपाल एवं उनकी घर सम्हालने वाली पत्नी, भीमा बाई सकपाल के घर में 14 अप्रैल 1891 को छावनी शहर मउ (अब मध्य प्रदेश) में हुआ।

आरंभ में मउ ही पढ़े। बाद में सतारा में पढ़ने लगे। उनका परिवार 1897 में बम्बई आ गया। यहां के एलफिंस्टन हाईस्कूल से उन्होंने मैट्रिक पास किया और फिर प्रतिष्ठित एलफिंस्टन कॉलेज से अच्छे अंकों के साथ बीए पास किया। वे मेधावी थे। तमाम तिरस्कारों और उत्पीड़न के बावजूद पढ़ाई में दिल से लगे रहे। इस पढ़ाई में बड़ौदा के प्रगतिशील शासक ने उनकी खूब मदद किया। बीए के बाद उन्हीं की नौकरी में लग गये। बड़ौदा के शासक ने 1913 में भीमराव को एक छात्रवृत्ति प्रदान कर आगे की पढ़ाई के लिये अमेरिका भेज दिया। उन्होंने न्यूयॉर्क के कोलंबिया विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र भी पढ़ा और समाजशास्त्र भी पढ़ा। एमए के शोध प्रबंध के लिये जाति के संबंध में लिखा। 1916 में भीमराव ने अमेरिकी समाज शास्त्र परिषद में जाति व्यवस्था के संबंध में व्याख्यान दिया। यही आगे चलकर एक पुस्तिका के रूप में प्रकाशित भी हुआ। भीमराव ने अमेरिका से इंग्लैंड आकर लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एडमिशन लिया। इसी बीच बड़ौदा से उनका बुलावा आ गया। उन्हें सेना सचिव का पद दिया गया। ये काम उन्हें रास नहीं आया। इसे छोड़ दिया।

बम्बई में उन्होंने ट्यूशन किया, नाइट कॉलेज में अंशकालिक शिक्षक के रूप में पढ़ाया। वे पुनः लंदन जाना चाहते थे। इसके लिये पैसे बचाने लगे। साथ साथ सार्वजनिक जीवन में हिस्सा लेने लगे। 1920 में मूकनायक नामक साप्ताहिक पत्रिका का प्रकाशन आरंभ किया। इस काम से उनके साथ अनेक सामाजिक कार्यकर्ता जुड़ने लगे। अधिकांश दलित थे पर कुछ अन्य भी थे। लंदन जाने के लिये एक पारसी मित्र से कर्ज भी लिया। इसी बीच उनकी इच्छा की खबर सुनकर कोल्हापुर के सदाशयी साहू जी महाराज ने लंदन जाने में उनकी मदद की। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अनेक विषय पढ़ाये जाते थे। उन्होंने अर्थशास्त्र पढ़ा। रुपये के अर्थशास्त्र पर पीएचडी शोध प्रबंध लिखा। साथ-साथ कानून की पढ़ाई कर बार एट लॉ भी बन गये। बम्बई लौटे और बार जॉइन किया। वकालत चल निकली। वे सामाजिक कार्यों में जोरशोर से लगे। 1920 से 1930 का दशक भीमराव के सार्वजनिक जीवन में सबसे सक्रिय दशक था। दलित आंदोलन का सूत्रपात तो 1820 में ही पूर्वी बंगाल में नाम आंदोलन के रूप में हो गया था। कांग्रेस ने भी 1917 में ही अछूतों के उद्धार के लिये आंदोलन किया था। भीमराव की दलितों के प्रति प्रतिबद्धता अद्भुत थी। इसका मुकाबला न तो कांग्रेस के एमसी राजा और न ही बाबू जगजीवन राम कर सके। 1927 में भीमराव ने महाड़ शहर में दलितों के लिये निषिद्ध चवदार तालाब में सामूहिक रूप से पानी पिया। इस आंदोलन के क्रम में भीम ने अपने अनुयायियों को फ्रंसीसी क्रांति का पाठ पढ़ाया। इसी वर्ष अप्रैल में मराठी पाक्षिक 'बहिष्कृत भारत' का प्रकाशन आरंभ किया। दिसंबर 1927 में भीमराव ने मनुस्मृति का सामूहिक दहन किया। 1929 में पार्वती मंदिर एवं 1930 में कला राम मंदिर प्रवेश के लिए सत्याग्रह किया। 1927 में सामूहिक कार्यों में योगदान के लिए ब्रिटिश सरकार ने भीमराव को बम्बई विधान परिषद में मनोनीत किया। यह अंग्रेजों की कुछ अंशों में फूटपरस्त नीति का परिचायक था। उन्होंने महात्मा फुले को भी बम्बई परिषद में नामित किया था। 1928 में जॉन साइमन के नेतृत्व में भारत के लिए नियमावली बनाने के खातिर एक सात सदस्यीय अंग्रेज समिति भारत आयी। कांग्रेस ने इसका भारतीय सदस्य नहीं होने के कारण बहिष्कार किया। भीमराव ने दलितों को विशेष सुविधा देने की मांग करते हुए समिति को प्रतिवेदन सौंपा। भीमराव अपने विचारों को प्रचारित करने के लिए 1930 में 'जनता' नामक साप्ताहिक का प्रकाशन आरंभ किया। भारत के प्रशासन और नियंत्रण के लिए ब्रिटिश सरकार नियमावली बनाना चाहती थी। इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए, उन्होंने लंदन में गोलमेज यानी सभी पक्षों का सम्मेलन आयोजित किया। 1930, 1931 और 1932 में तीन बार सम्मेलन हुआ। आंबेडकर सभी में सम्मिलित हुए।

मुद्दा

वायदों की भरमार में उलझा मतदाता

प्रेम शर्मा

चुनाव से पूर्व हर राजनैतिक दल अपना घोषणा पत्र यानि वोटरों के लिए वायदों का पिटारा लेकर आता है। पिटारे में इतने वायदे होते है जिसका पूरा होना कभी सम्भव ही नही होता। ऐसा एक चुनाव में नहीं बल्कि हर चुनाव में होता है। मतदाता के साथ ठीक वैसी ही स्थिति होती है कि बिचारा मरता ना क्या करता वह इन राजनैतिक दलों के वायदों की भरमार में उलझ जाता है।

18वीं लोकसभा के लिए होने वाले चुनाव में भी युवा बेरोजगारों की फौज, किसानों और माध्यम वर्गीय परिवारों के साथ महंगाई से निजात दिलाने के लिए सभी राजनैतिक दलों ने तबाड़तोड़ घोषणाएं की हैं। ऐसी घोषणाएं पूर्व में भी राजनैतिक दलों द्वारा की गई लेकिन सत्ता में आने के बाद उन पर कितना अमल हुआ यह आम जनता अच्छे से जानती है। कभी जाति तो कभी क्षेत्र के नाम पर राजनीति का अखाड़ा बने चुनाव ने हर बार आम जनता के साथ केवल छल किया है। जनता के हाथ न तो अच्छे दिन नजर आ रहे और न ही अच्छे नेता। चुनाव जितने के बाद जिस तरह से जनप्रतिनिधि क्षेत्र से गायब होते है यह बात आम मतदाता अच्छी तरह जानता है। लेकिन जनता के पास कोई विकल्प नही है। भले ही आज भी देश की चालीस प्रतिशत तक जनता मतदान न करे फिर भी जनप्रतिनिधि का चुनाव हो जाता है। यानि आपकी नाराजगी से किसी को कोई मतलब नही है। हालाकि देश में क्षेत्रीय दलों को मिलाकर एनडीए और इण्डिया गठबंधन चुनाव मैदान में है। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस आमने सामने है। इन दोनों दलों ने वायदों की ऐसी भरमार दी है कि आम मतदाता उलझा हुआ है। देश में युवा बेरोजगार परेशान किसान और माध्यमवर्गीय परिवार ऊहापोह की स्थिति में है। सोशल मीडिया, प्रचार प्रसार और बिकाऊ मीडिया ने इस संवर्ग की आवाज को दबा दिया है। इन संवर्ग की दुर्दशा पर किसी की नजर नहीं है। हर राजनैतिक दल सत्ता हासिल करने के लिए हर तरीके के हथकड्डे और पैंतरे लगा रहा है।

देश में सत्तारूढ़ भाजपा ने चार सौ के पार का दावा करने के साथ अपने घोषणा पत्र में गरीब, युवा, अन्नदाता और नारीशक्ति को लक्ष्य बनाया है। घोषणा पत्र जारी करने के दौरान जेपी नड्डा, नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और

राजनाथ सिंह की उपस्थिति में राममंदिर, धारा 370, तीन तलाक सीसीए और महिला आरक्षण के वायदे को पूरा करने के साथ गरीबों के लिए मुफ्त राशन योजना 2029 तक देने का वादा, 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज, मुद्रा योजना के तहत लोन की सीमा 20 लाख रुपए की जाएगी। 3करोड़ गरीबों को घर दिए जाएंगे। एक राष्ट्र, एक चुनाव और एक सामान्य मतदाता सूची प्रणाली शुरू की जाएगी। भारत को दुनिया के हर उभरते सेक्टर का ग्लोबल हब बनाने का संकल्प है। वंदे भारत का विस्तार करेंगे। वंदे भारत के 3 मॉडल चलेंगे। वंदे भारत स्लीपर वंदे भारत चेयरकार और वंदे भारत मेट्रो। अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन का काम पूर्ण हो रहा है। उसी तरह से आने वाले समय में उत्तर भारत में एक बुलेट ट्रेन, दक्षिण में एक बुलेट ट्रेन और पूर्वी भारत में एक बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट चलाएंगे। 21वीं सदी के भारत की बुनियाद के लिए भाजपा 3 इन्फ्रास्ट्रकचर्स से मजबूत करेगी। सोशल, डिजिटल और फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर। सोशल- नए इंस्टिट्यूट मेडिकल कॉलेज, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, कॉलेज, ट्रक ड्राइवर्स के लिए हाईवे के पास रेस्ट के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर्स डेवलप करने जा रहे हैं। फिजिकल- हाईवे, रेलवे, एयरवे वाटरवे को आधुनिक बना रहे हैं। डिजिटल- 5 जी विस्तार, 6 जी पर काम, इंडस्ट्री 4.0 के लिए डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम कर रहे हैं सर्विसेस को ऑनलाइन कर रहे हैं। एए और टेली मेडिसिन का विस्तार कर रहे हैं। जैसी तमाम घोषणाएं की गई है। हालांकि एनआरसी, समान नागरिक संहिता, गंगा सफाई, गरीबों को मकान और 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था का वायदा अभी भी अधूरा है।

देश के अन्दरूनी हालातों के बीच 18वीं लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने अपना घोषणा का दूसरा नाम न्याय पत्र दिया है। इस मेनिफेस्टो में कांग्रेस के जनता के 25 गारंटिया काफी अहम है। साथ ही इस मैनिपेस्ट में कांग्रेस पार्टी ने वादा किया कि देश में सभी सरकार बनने पर वह जाति आधारित जनगणना करेंगे। और आरक्षित अधिकतम सीमा बढ़ाकर 50 से प्रतिशत से ज्यादा करेंगे। कांग्रेस ने इस घोषणा पत्र में युवाओं के लिए 9, महिलाओं के 8, किसानों के लिए 7, शिक्षा क्षेत्र के लिए 7, संविधान की रक्षा के लिए 7 और अन्य क्षेत्र के लिए 7 भारी भरकम वायदे किये है। इसके साथ ही इनके सहयोगी दल समाजवादी पार्टी ने पुरानी पेंशन बहाली जैसे मुद्दों को अपने घोषणा पत्र में शामिल किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार बनने पर किसानों को एमएसपी की गारंटी दी जाएगी। युवाओं को रोजगार देने का काम करेंगे। आटा और डाटा से लेकर शिक्षा को बेहतरी का वायदा किया है। सपा के घोषणा पत्र में महिलाओं के लिए जीरो टॉलरेंस, ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करेंग, 2025 तक जाति आधारित जनगणना, 2025 तक एसी, एसटी, ओबीसी के सभी सरकारी रिक्त पद भरने सहित दो दर्जन से अधिक भारी भरकम वायदे किये गए हैं।

राजनैतिक दलों की तबाड़तोड़ घोषणाओं के बीच यर्थात में तकरीबन 80 फीसदी आम भारतीयों के लिए रोज-ब-रोज का भ्रष्टाचार, कुप्रशासन और दैनिक सुविधाओं का अभाव सबसे बड़ी समस्या है लेकिन चुनावों के दौरान या अन्यथा भी वर्तमान राजनीतिक विमर्श में इन मुद्दों की कोई खास चर्चा नहीं है। समय की मांग है कि आम आदमी को त्वरित और प्रभावी सेवा मिल सके लेकिन राजनीतिक दलों के पास न तो समय है, न ही नीयत और न ही कोई तरीका ऐसा तरीका है जिससे वो आम आदमी का जीवन आसान बना सकें। प्रशासनिक सुधार, खासतौर पर निचले स्तर की बाबूगिरी में, और पुलिस सुधार से रोजमर्रा की कई शिकायतें हल हो सकती हैं लेकिन ऐसा लगता नहीं कि राजनीतिक तबके को इसमें कोई रुचि है। क्योंकि कोई भी राजनीतिक दल सत्ता की बागडोर ढीली नहीं करना चाहता। सत्ता पर लगाम कसे रहने के लिए वफादार आज्ञाकरी और पक्षपातपूर्ण लालफीताशाही की जरूरत होती हैं। अब जबकि हम 18वीं लोकसभा के लिए मतदान करने जा रहे है तो क्या कोई राजनैतिक दल इस बात की गारन्टी देगा कि देश में बेरोजगारी किसानों, महंगाई और माध्यमवर्गीय परिवार के जीवन में कोई सुधार आ पाएगा?

राजनीति

शिवराज सिंह चौहान का चुनाव लड़ रही हैं बहनें-भांजियां

दीपाली शुक्ला

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है। मध्य प्रदेश में लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का कीर्तिमान उनके नाम है। अपने कार्यकाल में उन्होंने जनता का अभूतपूर्व विश्वास कमाया है, जो सार्वजनिक तौर पर कई बार हमारे सामने आता है।

लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें जिस प्रकार का स्नेह नागरिकों की ओर से मिल रहा है, वैसा कम ही देखने को मिलता है। विशेषकर माताओं-बहनों के साथ उनका आत्मीय संबंध बन गया है। मध्य प्रदेश की महिलाएं सच में उन्हें अपने भाई और लड़कियां उन्हें अपने मामा के तौर पर स्वीकार कर चुकी हैं। वे चुनाव प्रचार के लिए जहाँ भी जा रहे हैं, अनूठे नजारे दिखायी दे रहे हैं। महिलाएं चुनाव लड़ने के लिए उन्हें पैसे दे रही हैं। छोटी लड़कियां उन्हें अपनी गुल्लक भेंट कर रही हैं। बड़ी बहनें जिस तरह अपने घर आए भाई के हाथ में दस-बीस रुपये थमा देती हैं, वैसे ही नजारे शिवराज सिंह चौहान के चुनाव प्रचार में दिख रहे हैं। ये महिलाएं भी जानती हैं कि उनके दस बीस रुपये से शिवराज सिंह चौहान का चुनाव खर्च नहीं निकलेगा और वे यह भी जानती हैं कि शिवराज अपना चुनाव लड़ने के लिए आर्थिक रूप से सक्षम भी हैं। इसके बाद भी महिलाएं अपने शिवराज भैया के हाथ में 10, 20 या 50 रुपये थमा रही हैं तो उसके पीछे भावनात्मक रिश्ता है। अपनत्व है। साफ दिखायी देता है कि शिवराज सिंह चौहान का चुनाव उनकी 'बहने और भांजियां' लड़ रही हैं। जब किसी नेता का चुनाव आम जनता लड़ती हुई दिखायी दे तो समझ लीजिए कि उसका राजनीतिक कद क्या होगा। अपनी बहनों-भांजियों से भेंट पाकर शिवराज सिंह चौहान भी

भावुक हो जाते हैं और कहते हैं कि जनता का यह प्रेम अद्भुत है, इस प्रेम के बदले तीनों लोक का सुख भी कहीं नहीं लगता। इस प्रेम को शीश झुकाकर प्रणाम करता हूं। मेरे बेटा-बेटी भी गुल्लक भेंट कर रहे हैं। मैं अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोडूंगा। स्मरण रहे कि विधानसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान के कारण भाजपा को महिलाओं का एक तरफा वोट मिला है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई 'लाडली बहना योजना' ने पूरा खेल ही बदल दिया था। इसके अलावा भी शिवराज सिंह चौहान की कई योजनाओं ने महिलाओं को भाजपा का मतदाता बना दिया है। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में उन्होंने प्रदेश की महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके सम्मान को बढ़ाने के लिए कई नवाचार किए, जिन्हें अन्य राज्यों की सरकारों ने भी अपनाया।

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें विदिशा से अपना प्रत्याशी बनाया है। भाजपा के लिए विदिशा सबसे सुरक्षित सीटों में से एक है। यहाँ यदि भाजपा का उम्मीदवार प्रचार करने न भी जाए, तो भारी अंतर से विजय उसके हिस्से आएगी। वहीं, शिवराज सिंह चौहान के लिए तो यह और भी सुरक्षित सीट है। मुख्यमंत्री बनने से पूर्व वे यहीं से लोकसभा सांसद थे। वर्ष 1990 में नौवीं विधानसभा के लिए शिवराज सिंह चौहान सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बनकर आए थे। 23 नवंबर, 1991 को ही शिवराज ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। विदिशा से तत्कालीन सांसद अटल बिहारी वाजपेयी की सीट रिक्त होने के बाद यहां हुए उपचुनाव में शिवराज सिंह चौहान पहली बार लोकसभा पहुंचे थे। इसके बाद साल 2004 तक लगातार शिवराज सिंह चौहान पांच बार यहां से सांसद रहे। लोकसभा चुनाव में एक तरह से शिवराज सिंह चौहान अपने घर लौटे हैं। भारतीय जनता पार्टी और राजनीतिक विश्लेषक भी यह दावा कर रहे हैं कि शिवराज यहाँ से देश की सबसे बड़ी जीत का कीर्तिमान रच सकते हैं। उल्लेखनीय है कि 2019 में यहाँ से भाजपा के रमाकांत भार्गव ने कांग्रेस ने शैलेंद्र पटेल को लगभग पाँच लाख वोटों के भारी-भरकम अंतर से पराजित किया था।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के चुनाव प्रचार अभियान का विश्लेषण करने पर ध्यान आता है कि विदिशा संसदीय क्षेत्र के नागरिकों को साथ उनका संबंध बहुत प्रगाढ़ है। इसलिए ही कांग्रेस भी उनके सामने किसी नये और युवा चेहरे को उतारने में संकोच कर गई।

कांग्रेस ने अपने उस प्रत्याशी पर दांव लगाया है, जो विदिशा से दो बार यानी 1980 और 84 में सांसद का चुनाव जीत चुके हैं। कांग्रेस के प्रत्याशी प्रताप भानु शर्मा का क्षेत्र में दबदबा है। वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी से चुनाव हार गए थे लेकिन संसद के गलियारे में भेंट होने पर अटलजी ने प्रताप भानु की प्रशंसा की थी। प्रताप भानु ने लोकसभा चुनाव में अटलजी को अच्छी चुनौती दी थी। हालांकि आज की परिस्थितियां पहले जैसी नहीं है और न ही आज प्रताप भानु शर्मा की क्षेत्र में वैसी पकड़ है। उनके सामने शिवराज सिंह चौहान के रूप में ऐसा राजनेता है, जिसका चुनाव क्षेत्र की जनता स्वयं लड़ रही है।

अपनी बात

बाबा साहब के सपने हा रहे पूरे

बृजनन्दन राजू

भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर को हिन्दू मुस्लिम एकता की बात कभी हजम नहीं हुई। महात्मा गांधी की हिन्दू मुस्लिम एकता की बात से उन्हें चिढ़ होती थी। बाबा साहब मानते थे कि हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रयास भ्रामक है। इसी बात को लेकर उनके गांधी से मतभेद थे। महात्मा गांधी आजादी के आन्दोलन के दौरान मुस्लिमों का साथ लेने के लिए हर प्रकार का यत्न कर रहे थे लेकिन दलितों की दुर्दशा की उन्हें फिक्र नहीं थी। गांधी जी मुस्लिमों की तो खूब वकालत करते थे लेकिन दलितों के प्रश्न पर वह चुप्पी साध जाते थे।

जब पूरे देश में भारत को स्वाधीन कराने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व में आजादी का आन्दोलन चल रहा था उसी समय डा. अम्बेडकर एक बहुत बड़ा समाज जो अपने ही समाज द्वारा उपेक्षित था उसके उत्थान में लगे थे। अम्बेडकर छुआछूत को गुलामी से भी बदतर मानते थे। अम्बेडकर जी कहते थे कि आजादी तो मिल जायेगी लेकिन क्या गारंटी है कि समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग जिसे दलित कहते हैं उसके जीवन में कोई परिवर्तन आयेगा।

बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर प्रखर पत्रकार वरिष्ठ स्तम्भकार व लेखक, महान अर्थशास्त्री, समाज सुधारक, बैरिस्टर, दलितों के मसीहा और जननेता थे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त कीं। इसके अलावा विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में शोध कार्य भी किया था। इसलिए विश्व के अन्य देशों की राजनीति और समस्याओं से वह भलीभांति परिचित थे। हिन्दू मुस्लिम समस्या पर उनका बहुत ही सूक्ष्म और सटीक विश्लेषण था। बहुत सारे विषयों पर पर उन्होंने अपने अनुभव और अध्ययन के आधार पर बेबाकी से लिखा। आधी अधूरी जानकारी के आधार पर उन्होंने कोई धारणा नहीं बनाई। बाबा साहब पार्टीशन आफ इण्डिया पुस्तक में लिखते हैं मुसलमान की दृष्टि में हिन्दू काफिर हैं और काफिर सम्मान के योग्य नहीं होता। मुसलमानों को लोकतंत्र पर विश्वास नहीं है। मुसलमानों की मुख्य रूचि मजहब में है। उनकी राजनीति मूल रूप से मौलवियों पर निर्भर है। इसी पुस्तक में आगे वह लिखते हैं महमूद ने न केवल मंदिर तोड़े बल्कि उसने जीते गए हिन्दुओं को गुलाम बनाने की नीति ही बना रखी थी। मुस्लिम कानून के अनुसार दुनिया दो पक्षों में बंटी है। दारूल इस्लाम और दारूल हरब। इस्लामी कानून के अनुसार भारत देश हिन्दुओं और मुसलमानों की साझी मातृभूमि नहीं हो सकता। बाबा साहब ने स्वयं लिखा है भारत में मुस्लिम समस्या है एक बड़ी समस्या है। सन् 711 से लेकर इस्लाम का जो इतिहास है वह युद्ध का आक्रमण का और क्रूरतम घटनाओं का है। मुस्लिम आक्रमणकारियों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य हिन्दू धर्म का विनाश था। कुतुबुद्दीन एवक ने लगभग एक हजार मंदिर गिराए और उनके स्थान पर मस्जिदें बनवाई। अंबेडकर लिखते हैं कि क्या सच्चा मुसलमान भारत को अपनी मातृभूमि मानेगा। बाबा साहब ने आशंका व्यक्त की थी कि भारत के मुसलमान जिहाद केवल छेड़ ही नहीं सकते बल्कि जिहाद की सफलता के लिए विदेशी मुस्लिम शक्ति को सहायता के लिए बुला भी सकते हैं। पहले अफगानिस्तान के आक्रमण के समय यहां के मुसलमानों का व्यवहार कैसा रहा क्या हम उसे भूल जाएं। आज अपनी राजनीति चमकाने के चक्कर में कुछ लोग दलित मुस्लिम एकता की बात कर दलितों को बरगलाने की कोशिश करते हैं वह अम्बेडकर के सच्चे अनुयायी नहीं हो सकते।

चिंतन

चुनाव में व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना का दौर चले

ललित गर्ग

लोकसभा चुनावों की सरगर्मियां उग्र से उग्रतर होती जा रही है, पहली बार भ्रष्टाचार चुनावी मुद्दा बन रहा है, कुछ भ्रष्टाचार मिटाने की बात कर रहे हैं तो कुछ भ्रष्टाचारियों को बचाने की बात कर रहे हैं। मुसलमान वोटों की राजनीति करने वाले दल अपने घोषणा पत्रों में उनके कल्याण की कोई बात ही नहीं कर रहे हैं मुसलमानों का सशक्तीकरण करने की बचाय उनके तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। कुछ दल देश-विकास की बात कर रहे हैं तो कुछ दल विकास योजनाओं की छिछालेदार कर रहे हैं। किसी भी दल के चुनावी मुद्दे में पर्यावरण विकास की बात नहीं हैं। व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना के स्वर कहीं भी सुनाई नहीं दे रहे हैं।

सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है। इसकी वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती हैं। समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए। लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं। फिर भी किन्हीं दृष्टियों से हम भटक रहे हैं। भौतिक समृद्धि बटोरकर भी न जाने कितनी रिक्तताओं की पीड़ा सही है। गरीब अभाव से

तड़पा है, अमीर अतृप्ति से। कहीं अतिभाव, कहीं अभाव। जीवन वैषम्य कहां बांट पाया अपनों के बीच अपनापन। अट्टालिकाएं खड़ी हो रही हैं, बस्तियां बस रही हैं मगर आदमी उजड़ता जा रहा है। पूरे देश में मानवीय मूल्यों का ह्रास, राजनीति अपराध भ्रष्टाचार, कालेधन की गर्मी लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन, अन्याय शोषण, संग्रह, झूठ, चोरी जैसे अनैतिक अपराध पनपे हैं। धर्म, जाति राजनीति-सत्ता और प्रांत के नाम पर नए संदर्भों में समस्याओं ने पंख फैलाये हैं। हर बार के चुनावों की तरह इस बार भी आप, हम सभी अपने आपको जीवन से जुड़ी अंतहीन समस्याओं के कटघरे में खड़ा पा रहे हैं। कहा नहीं जा सकता कि जनता की अदालत में कहां, कौन दोषी है? पर यह चिंतनीय प्रश्न अवश्य है हम इतने उदासीन एवं लापरवाह कैसे हो गये कि राजनीति को इतना आपराधिक होने दिया? जब आपके द्वार की सीढ़ियां मैली हैं तो अपने पड़ोसी की छत पर गन्दगी का उलाहना मत दीजिए। कोई भी अच्छी शुरूआत सबसे पहले स्वयं की की जानी जरूरी है। देश के लोकतंत्र को हांकने वाले लोग इतने बदहवास होकर निर्लज्जतापूर्ण कारनामे करेंगे, इसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। चौराहे पर खड़ा आदमी सब कुछ देख रहा है। उसे कुछ सूझ नहीं रहा कि वह कौन सी राह पकड़े। आम आदमी सरकार ने शराब-शिक्षा में घोटाले किए, दागी चिन्हित भी हुए लेकिन आप सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर दोहरे मापदंड अपना लिए। अपनों द्वारा किया गया भ्रष्टाचार कोई भ्रष्टाचार नहीं राबर्ट वाड्रा के खिलाफ कुछ नजर नहीं आता और वे चुनाव लड़ने की बात करते हैं। बात केवल कांग्रेस की ही नहीं है, बात राजनीतिक आदर्शों की हैं। जिसकी वकालत करते हुए कभी अन्ना हजारे तो कभी बाबा रामदेव कभी केजरीवाल तो कभी श्री रविशंकरजी जन-आन्दोलन की अगवाई करते देते थे, अब ना तो ऐसे आन्दोलन होते हैं न ही उन पर विश्वास रहा। हमारे भीतर नीति और निष्ठा के साथ गहरी जागृति की जरूरत है। नीतियां सिर्फ शब्दों में हो और निष्ठा पर संदेह की परतें पड़ने लगें तो भला उपलब्धियों का आंकड़ा वजनदार कैसे होगा? बिना जागती आंखों के सुरक्षा की साक्षी भी कैसी! एक वफादार चौकीदार अच्छा सपना देखने पर भी इसलिए मालिक द्वारा तत्काल हटा दिया जाता है कि पहरेदारी में सपनों का खयाल चोरी को खुला आमंत्रण है।

भाजपा जो हमेशा राजनीतिक शुचिता की बात करती रही, उसकी शुचिता कहां है? कितने दागी एवं अपराधी नेताओं को उसने अपने दल में जगह ही नहीं दी, टिकट तक दे दिया। हो सकता है 400 के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिये भाजपा की कुछ मजबूरियां हो। कमल तो खिलेगा ही, लेकिन उस खिलाहट में मजबूरियों के नाम पर मूल्यों के साथ समझौता नहीं होता तो यह लोकतंत्र को स्वस्थ बनाने का एक अनूठा उदाहरण होता। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कभी कहा था कि व्यक्ति को अपने जन्म से नहीं बल्कि कर्म से पहचाना जाना चाहिए यह वाक्य उनके पोते राहुल गांधी पर भी लागू हो रहा है। वे तमाम सुखों एवं सुविधाओं में पले-बड़ेऔर उन्होंने जीवन में कोई संघर्ष नहीं किया या ये कहें कि जीवन के लिए संघर्ष करने की उनके सामने कोई नौबत नहीं आई। कहते हैं- जा के पैर न परी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई। जब आप लोगों की पीड़ा को उसी भाव से महसूस नहीं कर पाते तो दूसरों को आपकी बात पर भरोसा नहीं हो पाता। इस भरोसे को पाने के लिए उस पीड़ा को पहले खुद भुगतना होता है। यही वजह है कि राहुल गांधी सच्ची और ठीक बात कहते हैं तब भी लोग उसे उस सच्चाई के साथ, उस भाव में अंगीकार नहीं कर पाते। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का मौजूदा यह आचरण स्वीकार्य नहीं। पूरा राजनीतिक वातावरण ही हास्यास्पद हो चुका है।

यदि हालात नहीं सुधरे तो राजनीतिक दलों की दुर्गति तय है। बदलती राजनीतिक सोच एवं व्यवस्था के मंच पर बिखरते मानवीय मूल्यों के बीच अपने आदर्शों को, उद्देश्यों को, सिद्धांतों को परम्पराओं को और जीवनशैली को हम कोई ऐसा रंग न दे दें कि उससे उभरने वाली आकृतियां हमारी भावी पीढ़ी को सही रास्ता न दिखा सकें।

राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है।

कुछ-अलग

माली का अधिकार फूल तक ही सीमित है, खुशबू पर नहीं

एन. रघुरामन

शुक्रवार को जलगांव से मुम्बई की रेलयात्रा के दौरान मेरे सहयात्री उन लोगों से बहुत नाराज थे, जो भेंट में मिले उपहारों को किसी और को दे देते हैं। जाहिर है मिस्टर एक्स को उनके द्वारा दिया उपहार उन्हें मिस्टर वाई के घर में मिला था। मैंने उनसे पूछा उपहार क्या था।उन्होंने बताया वह एक प्रसिद्ध कलाकार की पेंटिंग थी। जब मैंने पूछा कि अगर वह इतनी मूल्यवान पेंटिंग थी, तो भेंट में क्यों दी? उन्होंने बताया जिस व्यक्ति को उन्होंने उसे भेंट में दिया था, वे कलाकृतियों के संग्राहक थे और वे उसे विशेष रूप से उन्हीं के लिए एक प्रदर्शनी से लाए थे।

तब मैंने कहा कि क्या आपने उनसे इसका कारण पूछा? वे बोले, नहीं। मैंने उनसे कहा कि शालीन तरीके से उन्हें एक वॉट्सएप्प भेजकर इस बारे में बात करें। जैसे ही उन्होंने वॉट्सएप्प किया, उन्हें तुरंत उन कलाकृति-संग्राहक का फोन आ गया। उन्होंने उन्हें समझाया कि उनके घर में कलाकृतियां टांगने के लिए जगह नहीं बची है और चूंकि घर की दीवारों में सीलन आ गई है, इसलिए उन्होंने अपने दोस्त के घर कुछ कलाकृतियां रखवा दी हैं। दोस्त भी कलाप्रेमी हैं और पेंटिंग्स का संग्रह करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सभी कला-संग्राहकों का एक फ्रेंड-सर्कल होता है, जिसमें वे नए विचारों के लिए कलाकृतियों को रोटेट करते रहते हैं। मेरे सह-यात्री ने मुझे धन्यवाद दिया कि मैंने उन्हें इस परिस्थिति पर केवल सोचते रहने के बजाय उसे स्पष्ट करने को कहा। ठीक तभी मैं कई वॉट्सएप्प संदेशों को स्क्रॉल कर रहा था, जिन्हें मैं खोलकर देख नहीं पाया था। जरूरतमंद छात्रों की कॉलेज फीस के लिए योगदान देने वाले दानदाताओं के ऐसे ही एक समूह में एक सदस्य, अनिल के. वर्मा ने लिखा था, 'माली का अधिकार फूल तक ही सीमित है, खुशबू पर नहीं। जब एक अन्य सदस्य ने उनसे इस बात को समझाने के लिए कहा तो उन्होंने कहा, 'माता-पिता और दानदाताओं की जिम्मेदारी अपने बच्चों या वंचित बच्चों को इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में संघर्ष करने के लिए शिक्षा, भोजन, कपड़े, कम्प्यूटर सहायक उपकरणों जैसे बुनियादी संसाधन प्रदान करना है। वे उनके भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन वे उनके भविष्य के रास्तों को नियंत्रित नहीं कर सकते। बच्चे अपने जीवन के लिए ऐसा क्षेत्र भी चुन सकते हैं, जिसके अप्रत्याशित परिणाम हों।'उनका तात्पर्य यह था कि यदि आप- परिवार के दूर के सदस्य या बाहरी व्यक्ति के रूप में अपने उपहारों, धन, क्षमता, अधिकारों की मदद से वंचितों को ऊपर लाने और उन्हें समर्थ वर्गों के समान बनाने में भूमिका निभाते हैं, तो आपने ईश्वर के द्वारा आपको सौंपा एक महान कार्य किया है। यह सच है कि मेहनत की कमाई को छोड़ना कठिन है। तब क्या जिसने आपसे मदद ली हो, वह कुछ ऐसा करे जिससे आप सहमत न हों तो इससे बुरा नहीं मानना चाहिए? यहां उस नैतिक सीख को याद करें, जिसके साथ हम सब बड़े हुए हैं- नेकी कर कुएं में डाल। यह स्पष्ट रूप से बताती है कि यह निर्णय करने का अधिकार हमें नहीं है कि हमारी सहायता पाने वाले को अपना जीवन कैसे जीना चाहिए या हमारे दान किए धन को कैसे खर्च करना चाहिए।

पीएम ने एक झटके में गरीबी दूर करने वाले बयान पर राहुल गांधी को बताया शाही जादूगर

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक झटके में गरीबी खत्म करने वाली टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए रविवार को उन्हें शाही जादूगर करार दिया और कहा कि देश उन्हें गंभीरता से नहीं लेता। प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य प्रदेश के होशंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के पिपरिया कस्बे में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्षी गठबंधन इंडिया के एक घटक दल के परमाणु निरस्त्रीकरण के पक्ष में बयान देने को लेकर भी निशाना साधा और कहा कि बिना परमाणु हथियारों के देश की रक्षा नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने हमेशा डॉ बाबासाहेब आंबेडकर का अपमान किया लेकिन भाजपा सरकार ने उनका सम्मान किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, कांग्रेस के शहजादे की इस घोषणा को सुनकर आपको हंसी आयेगी। राहुल कहते हैं एक झटके में देश की गरीबी हटा दूंगा। आप हैरान हो गये कि नहीं? देश पूछ रहा है यह शाही जादूगर इतने वर्षों तक कहां छुपा था। 50 वर्ष पहले उनकी दादी (इंदिरा गांधी) ने गरीबी हटाने का नारा दिया था। उन्होंने कहा देश राहुल को गंभीरता से नहीं लेता। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, उन्होंने (राहुल ने) 2014 से पहले 10 वर्ष तक रिमोट कंट्रोल से सरकार चलाई। अब उन्हें तुरंत एक मंत्र मिल गया। उन्होंने ऐसे बयान दिए और हंसी का पात्र बन गए। यह गरीबों के साथ मजाक है। प्रधानमंत्री मोदी ने किसी भी पार्टी का नाम लिए बिना मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के घोषणापत्र का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के एक घटक दल ने परमाणु निरस्त्रीकरण का आह्वान किया है। मोदी ने लोगों से पूछा कि क्या आज के दौर में देश को परमाणु हथियार की जरूरत है या नहीं खासकर तब जब उसके दुश्मनों के पास इतनी ताकत है। उन्होंने कहा कि जो पार्टी खुद को मजबूत नहीं कर सकती, वह क्या देश को मजबूत कर सकती है? उन्होंने कहा, विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों के घोषणापत्र में कई खतरनाक वादे किए गए हैं। उनके एक सहयोगी के घोषणापत्र में कहा गया है कि वह देश को परमाणु निरस्त्रीकरण करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारे देश की रक्षा के लिए हमारे पास परमाणु हथियार होने चाहिए। जो लोग कह रहे हैं कि परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए तो वे भारत की रक्षा कैसे करेंगे। भारत के संविधान के मुख्य निर्माता की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस ने हमेशा डा. बाबासाहेब आंबेडकर का अपमान किया जबकि हमने उनका सम्मान किया है। उन्होंने देश के शीर्ष संवैधानिक पद पर द्रौपदी मुर्मू के चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि डा. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान के कारण एक आदिवासी महिला भारत की राष्ट्रपति बनीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज इतिहास में एक बड़ा दिन है क्योंकि आज आंबेडकर जी की जयंती है।

बाबासाहेब के संविधान के कारण ही एक आदिवासी परिवार की बेटी देश की राष्ट्रपति बनी हैं और एक गरीब महिला का बेटा तीसरी बार आपकी सेवा के लिए आपसे वोट मांग रहा है।

विकास के नाम पर काटे जायेगें, हरे भरे दरख्त स्थानीय नागरिको का कड़ा विरोध

संवाददाता

मुंबई, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। मुंबई मे विकास के नाम पर हरे भरे दरख्त बली चढाये जा रहे हैं जिसका दुष्परिणाम मौसम पर नजर आने लगा है, माटुन्गा पुर्व कमला रामन नगर और माटुन्गा रोड कालोनी मे पुनर्विकास परियोजना के तहत 500 से अधिक वृक्षों को काटा जायेगा,जिसका विरोध स्थानीय नागरिकों और समाज सेवकों ने रेल प्रशासन को पत्र लिख कर किया है, मालुम हो की माटुन्गा रोड की 255 रेल्वे कर्मचारियों के परिवारों और और छह से सात एकड मे फैले 500 से अधिक वृक्षों को अदानी समह के नेतृत्व वाली धारावी पुनर्विकास परियोजना (डी आर पी पी एल) के लिये रास्ता बनाने और पुनर्विकास के लिये इन काटना होगा, ये सभी दरख्त हरे भरे हैं, इनकी गिनती करते इन पेड़ों पर नंबर भी डाल दिया गया है,हालाकिं यहां के 255 रेल कर्मचारियों और 255 पेड़ों के संदर्भ मे भारतीय रेल्वे की ओर से समन्वय कर रहे रेल्वे भूमि विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष अनिल कुमार खन्डेलवाल ने एक उच्च स्तरीय बैठक भी बुलाई और 500 पेड़ों के बारे मे चर्चा की लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला, इस सन्दर्भ मे रेल्वे प्रशासन ने एक पत्र जारी कर धारावी पुनर्विकास परियोजना स्लम पुनर्वास प्राधिकरण और आर एल डी ए के समझौते के अनुसार दादर, माहिम और माटुगा मे भूमि को चिन्हित कर पुनर्विकास के लिये रास्ता साफ करने के निर्देश दिए हैं पुनर्विकास के लिये 500 हरे भरे पेड़ों को काटे जाने का रेल्वे यूनियन ने विरोध किया है , सेंट्रल रेल्वे मजदूर संघ के यूनियन के नेता प्रवीण बाजपेयी ने इस संदर्भ मे पूछे जाने पर कहा की युनियन पेड़ों की कटाई का विरोध करेगी और आधुनिक पद्धति से उन्हे अन्यंत्र लगाये जाने की मांग करेगी, स्थानीय निवासियों ने भी हरे भरे पेड़ों को काटे जाने का विरोध किया है, वहीं जाने माने पर्यावरणवादी जोसेफ मिरां ने पेड़ो को काटे जाने की निंदा की है और कहा की सरकार को पहले पेड़ों को सुरक्षित जगह शिफ्ट करना चाहिये।

मई पहले सप्ताह से शुरू हो जाएगा यात्रियों का पंजीकरण

एजेंसी

देहरादून, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। पर्यटन विभाग की ओर से चारधाम यात्रा के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। विभाग की ओर से पंजीकरण काउंटर बनवाने शुरू कर दिए गए हैं। चारधाम यात्रियों का यात्रा पंजीकरण कराने के लिए छह काउंटर बनाए जाएंगे। मई के पहले सप्ताह में यात्रियों का काउंटरों पर पंजीकरण करना शुरू कर दिया जाएगा। उत्तराखंड में दस मई से चारधाम यात्रा गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट खुलने के साथ ही शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही देवभूमि में चारधाम यात्रा शुरू हो जाएगी। वैसे तो उत्तराखंड सरकार की ओर से चारधाम यात्रियों को यात्रा करने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा दी गई है। जिससे देवभूमि उत्तराखंड में तीर्थ यात्रा करने वाले श्रद्धालु घर बैठे पंजीकरण करा सकते हैं, लेकिन प्रदेश में प्रवेश करने वाले यात्रियों को भी जगह-जगह पंजीकरण की सुविधा दी जाती है। इसके लिए विभाग की ओर से पंजीकरण काउंटर खोले जाते हैं। इसमें धर्मनगरी में भी काउंटर स्थापित किए जाते हैं। इन काउंटरों पर आकर श्रद्धालु पंजीकरण कराते हैं। इस साल शुरू होने जा रही चारधाम यात्रा के लिए भी पर्यटन विभाग कार्यालय परिसर में काउंटर खोलने की तैयारी शुरू कर दी गई है। काउंटरों पर इंटरनेट सुविधा, लाइट, बिजली, बैठने की व्यवस्था की जा रही है। चारधाम यात्रा के लिए रेल मार्ग और सड़क मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा पंजीकरण का लाभ दिया जा सके। जिला पर्यटन कार्यालय पर खोले जाने वाले काउंटर पर यात्रियों को पंजीकरण कराने के साथ-साथ और भी सुविधाएं दी जाएंगी।

कनाडा में भारतीय छात्र की हत्या, अज्ञात हमलावरों ने गोली मारी

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। कनाडा के वैनकूवर में 24 साल के भारतीय छात्र चिराग अंतिल की मौत हो गई। वैनकूवर पुलिस ने बताया कि चिराग के पड़ोसियों ने गोलियां चलने की आवाज सुनी थी। इसके बाद पुलिस को उसकी कार से शव बरामद हुआ। फिलहाल इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। चिराग का परिवार हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला है। उसके परिजन उसके शव को भारत ले जाने के लिए क्लाउड फंडिंग के जरिए पैसे जुटा रहे हैं। उन्होंने कनाडा की सरकार से चिराग के शव को भारत भेजने के लिए मदद की अपील की है। चिराग 2 साल पहले सितंबर 2022 में पढ़ाई के लिए कनाडा गया था। उसने हाल ही में कनाडा की एक यूनिवर्सिटी से एमबीए पूरा किया था। इसके बाद उसे वर्क परमिट मिला था। चिराग के रूममेट ने उसके परिजनों को बेटे की मौत की जानकारी दी। रूममेट ने बताया, चिराग अपनी 14 घंटे की शिफ्ट पूरी करने के बाद ऑफिस से घर पहुंचा था। इसके बाद उसने खाना खाया और घूमने के लिए बाहर निकला। वो जैसे ही अपनी कार में बैठा, किसी ने उसे गोली मार दी। हमें नहीं पता कि यह किसने और क्यों किया। कांग्रेस के छात्र विंग एनएसयूआई के चीफ वरुण चौधरी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके विदेश मंत्रालय से चिराग के परिवार के लिए मदद की अपील की है। वरुण ने लिखा- हम विदेश मंत्रालय से जांच पर नजर रखने और चिराग के परिजनों की मदद की अपील करते हैं। भारतीय छात्र चिराग को न्याय जरूर मिलना चाहिए। चिराग के भाई रोमित ने कनाडा की सिटी न्यूज को बताया कि चिराग बहुत ही खुशमिजाज व्यक्ति था। उसके सबसे अच्छे संबंध थे। घटना से कुछ समय पहले ही उसकी परिजनों से बात हुई थी। वह बेहद शांत था और किसी से झगड़ा नहीं करता था। कुछ दिन पहले ही अमेरिका के ओहायो में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई थी। हैदराबाद का रहने वाला 25 साल का मोहम्मद अब्दुल अरफात पिछले 3 हफ्तों से गायब था। न्यूयॉर्क में मौजूद भारतीय एंबेसी के मुताबिक, अब्दुल को किसी ने अगवा कर लिया था। किडनैपर्स ने हैदराबाद में रह रहे उसके पिता से करीब 1 लाख रुपए की फिरौती भी मांगी थी। साथ ही धमकी दी थी कि अगर पैसे नहीं मिले या पुलिस को खबर दी गई तो वे अब्दुल की किडनी बेच देंगे।

शिकागो में एक भारतीय छात्र पर हमला हुआ था। घटना का एक वीडियो सामने आया था। इसमें 3 हमलावर छात्र का पीछा करते नजर आए थे। इसके बाद तीनों ने उसे बुरी तरह पीटा था, फोन छीन लिया था और भाग गए थे। छात्र खून से लथपथ नजर आया था।

भारतीय छात्र श्रेयस की मौत ओहायो में हुई। मौत की वजह सामने नहीं आ सकी। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय कॉन्सुलेट ने श्रेयस की मौत के बारे में जानकारी देते हुए कहा था- श्रेयस रेड्डी बेनिगर बिजनेस की पढ़ाई कर रहा था। उसकी मौत की खबर से दुखी हैं। इस मामले में पुलिस की जांच चल रही है।

अमेरिकी राज्य जॉर्जिया में एक भारतीय छात्र विवेक सैनी की हत्या कर दी गई थी। फॉक्स न्यूज के मुताबिक 25 साल के छात्र विवेक के सिर पर एक बेघर शख्स ने हथौड़े से 50 बार वार किया था। विवेक एक फूड मार्ट में काम करता था।

सुभाष बराला बोले, जजपा में रहे अच्छी सोच के लोग बीजेपी में शामिल हो जाए

एजेंसी

फतेहाबाद, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला ने कहा कि जननायक जनता पार्टी में रहे अच्छी सोच के लोग लगातार भाजपा में शामिल हो रहे हैं। वह जजपा में इस्तीफा दे चुके प्रदेशाध्यक्ष सहित अन्य कार्यकर्ताओं को भी निमंत्रण देते हैं, कि वह राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर भाजपा को चुनें। भाजपा में शामिल होकर राष्ट्रवादी सोच को आगे बढ़ाने का काम करें।

सुभाष बराला डा.भीमराव आंबेडकर जयंती पर पुरानी सब्जी मंडी में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के दिन राष्ट्रीय पार्टियों का समय है। राष्ट्रीय पार्टी ही देश को सही दिशा में आगे ले जा सकती है।

देश को मजबूत आधारभूत ढांचा दे सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही देश के हर वर्ग का कल्याण हुआ है, और यह आगे भी जारी रहेगा। इसलिए राष्ट्रवादी सोच के लोगों को भाजपा में आकर राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए।

राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला ने कहा कि अनाज मंडियों में गेहूं खरीद को लेकर बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं। किसानों से आग्रह है कि मौसम को देखते हुए मंडी में गेहूं की फसल को सुखाकर लाएं ताकि किसी तरह की अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। गीली फसल लाने पर उसे सुखाने के लिए मंडी में रखना पड़ेगा। ऐसे में थोड़ी दिक्कत हो सकती है। इसलिए पहले ही फसल को सूखाकर मंडी में लाएं ताकि तुरंत खरीद हो सके।

खेल

ओलंपिक क्वालीफायर के लिए अमित पंघाल भारतीय टीम में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता अमित पंघाल ने बैंकाक में 25 मई से दो जून तक होने वाले आखिरी ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिये भारतीय मुक्केबाजी टीम में वापसी की है। पिछले महीने इटली में ओलंपिक क्वालीफायर में खराब प्रदर्शन के बाद पांच मुक्केबाजों को दूसरे विश्व क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के लिये टीम में जगह नहीं मिली है। भारत के हाई परफॉर्मेंस निदेशक बर्नार्ड डुन्ने को भी पद छोड़ना पड़ा।

विश्व चैम्पियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया (51 किले) और मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किलो), छह बार के एशियाई चैम्पियनशिप पदक विजेता शिवा थापा (63.5 किलो), मौजूदा राष्ट्रीय चैम्पियन लक्ष्य चाहर (80 किलो) और 2022 राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता जे लम्बोरिया (60 किलो) को टीम में जगह नहीं मिली है। विश्व चैम्पियनशिप 2019 रजत पदक, 2022 राष्ट्रमंडल खेल और 2024 स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक विजेता पंघाल के पास दूसरे ओलंपिक में जगह पक्की करने का यह आखिरी मौका है। राष्ट्रीय चैम्पियन सचिन सिवाच (57 किलो) को भी टीम में जगह मिली है। हिमाचल प्रदेश के अबिनाश जामवाल 63.5 किलो वर्ग में थापा की जगह खेलेंगे जबकि अभिमन्यु लाउरा ने 80 किलो में लक्ष्य की जगह ली है। अभी तक भारत के किसी भी पुरूष मुक्केबाज ने ओलंपिक कोटा हासिल नहीं किया है।

केकेआर के खिलाफ बदला होगा एलएसजी का रंग

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। आईपीएल में रविवार के महावीकेंड पर दो बड़े मुकाबले खेले जाने हैं। एक तरफ लखनऊ सुपर जायंट्स अपने घर से दूर जीत की तलाश में कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगी।

वहीं शाम को आईपीएल के दो सबसे बड़े प्रतिद्वंदी चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस एक दूसरे से वानखेडे में टकराएंगे। चारों ही टीमों के लिए ये मैच बहुत अहम है क्योंकि पॉइंट्स टेबल बहुत ही दिलचस्प हो चला है। आज की चार में से तीन टीमों के पास 6 अंक हैं, जबकि मुंबई के पास 4 अंक। सीएसके,केकेआर और एनएसजी आज का मैच जीतकर टॉप 4 बने रहना चाहेगी। जबकि एमआई की कोशिश होगी कि वह 2 अंक लेकर अपनी स्थिति सुधारे और प्ले ऑफ की रेस में बनी रहे। आइये जानते हैं इस वीकेंड वॉर में किस टीम की बाजी मारने की संभावनाएं सबसे ज्यादा हैं। चेन्नई और मुंबई रविवार को 37वीं बार एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। दोनों ही टीमें अपने शानदार फॉर्म में हैं। मुंबई ने लगातार 3 मैच हारने के बाद पिछले दो मैचों में अपने विरोधियों को धूल चटा दिया है। इसके अलावा सूर्यकुमार यादव की वापसी के बाद से बैटिंग और भी मजबूत नजर आ रही है। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह गदर मचाए हुए हैं। इस सप्ताह दो मैच जीतकर मुंबई अपना 'हफ्ता वसूल' कर चुकी है। अब यह टीम तीसरी बार चेन्नई से बड़ा 'हफ्ता वसूली' के फिराक में होगी। दूसरी तरफ महेंद्र सिंह धोनी के बाद ऋतुराज गायकवाड की कप्तानी में खेल रही चेन्नई की टीम कोलकाता को बुरी तरह से हराकर लौट रही है। गायकवाड भी फिफ्टी जड़कर फॉर्म में वापसी कर चुके हैं। मिडिल ऑर्डर में शिवम दुबे तो छक्के बरसा ही रहे थे।

पंजाब किंग्स में उपजे विवाद के बाद शिखर धवन बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। पंजाब किंग्स पर काफी सूट कर रहा है। पहले 6 मैचों के बाद इस टीम का जो हाल है उससे तो लग ऐसा ही रहा है। टीम घर के बाहर तो हार ही रही है। अपने घरेलू मैदान मुल्लांपुर में भी हारती दिख रही है। सबसे बड़ी बात कि अब तक खेले 6 में से जिन 4 मैचों में पंजाब किंग्स हारी है, उन सबको उसने आखिरी ओवर में जाकर गंवाया है। मतलब टीम की मुट्ठी से जीत फिसली है। खैर ये तो टेंशन देने वाला है ही, इसके अलावा राजस्थान के खिलाफ मैच के दौरान उठा विवाद और अब शिखर धवन के बाहर होने की खबर भी पंजाब किंग्स की सेहत के लिए अच्छी नहीं लग रही। 13 मार्च को खेले मुकाबले में पंजाब की टीम आखिरी ओवर में जाकर मुकाबला हार गई। उसने 1 गेंद शेष रहते 3 विकेट से मैच गंवा दिया। हार तो मिली ही लेकिन पंजाब किंग्स को लेकर सवाल भी इसी मैच से उठे। दरअसल, राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शिखर धवन ने कप्तानी नहीं की, क्योंकि वो खेल नहीं रहे थे।

उनकी जगह सैम करन ने कप्तानी की। लेकिन, कुछ लोगों को पंजाब किंग्स का ये गेम प्लान खटक गया। उनका कहना था कि जितेश शर्मा के टीम में होते हुए सैम करन ने कप्तानी क्यों की? ये सुलगता हुआ सवाल इसलिए उठा क्योंकि आईपीएल से पहले जब सभी कप्तानों का फोटोशूट हो रहा था तो पंजाब की तरफ से वहां धवन की गैरमौजूदगी में जितेश शर्मा मौजूद थे।

राजस्थान रॉयल्स से हार के बाद उठे इस विवादित सवाल पर पंजाब किंग्स के हेड ऑफ क्रिकेट संजय बांगड़ ने पर्दा डालने की कोशिश की है। उन्होंने इस बड़े सवाल का जवाब दिया लेकिन उससे पहले टीम के कप्तान शिखर धवन को लेकर बड़ी अपडेट दी।

मिचेल मार्श इलाज कराने के लिए ऑस्ट्रेलिया वापस लौटे

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। दिल्ली कैपिटल्स को हरफनमौला खिलाड़ी मिचेल मार्श के दाहिनी हैमस्ट्रिंग में चोट का इलाज कराने के लिए ऑस्ट्रेलिया लौटने से बड़ा झटका लगा है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार मार्श को जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का कप्तान बनाया जाना तय है।

उन्हें दिल्ली टीम प्रबंधन के साथ परामर्श के बाद वापस बुला लिया गया। मौजूदा सत्र में हालांकि उनकी उपलब्धता पर अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है। मार्श ने दिल्ली की टीम के लिए पिछला मैच कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेला था।

वह इसके बाद मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ टीम के पिछले दो मुकाबलों में नहीं खेल पाए थे। इस सत्र में मार्श का सर्वोच्च स्कोर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 23 रन रहा है। दिल्ली ने इस मैच को 12 रन से जीता था। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ वह खाता खोलने में नाकाम रहे थे। मार्श के अलावा ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के चोटिल होने से भी दिल्ली कैपिटल्स की परेशानी और बढ़ गयी है। टीम को अपना अगला मैच बुधवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलना है। शुक्रवार को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ कैच पकड़ने का प्रयास करते समय वार्नर की उंगली में चोट लग गई। उनकी उंगली में सूजन थी और टीम के अहमदाबाद पहुंचने पर उनका स्कैन कराया गया।

धोनी के लिए इतना पागलपन सीएसके फैन ने नहीं भरी बेटी की फीस

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। भारत में क्रिकेट को एक धर्म का दर्जा दिया गया है। इस खेल के प्रति लोगों की दीवानगी अद्भुत है। फैंस अपने पंसदीदा खिलाड़ी पर भर-भर कर प्यार लुटाते हैं। सचिन तेंडुलकर हो या विराट कोहली, फैंस उन्हें लेकर काफी इमोशनल होते हैं। बात जब महेंद्र सिंह धोनी की हो तो फैंस के जज्बात अपनी सभी सीमाओं को लांघ जाते हैं। बच्चे से लेकर बूढ़े तक, धोनी की एक झलक पाने लिए लोग किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं। एक ऐसा ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। धोनी के एक फैन ने उन्हें लाइव देखने के लिए 64 हजार रुपए का आईपीएल टिकट खरीद लिया। जबकि अपनी बेटी की स्कूल फीस नहीं भरी।

चेन्नई सुपर किंग्स ने अपना पिछला मुकाबला 8 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेला था। हर बार की तरह फैंस ने पूरे स्टेडियम को पीले रंग से रंग दिया। लेकिन इन्ही फैंस के बीच धोनी का एक ऐसा चाहने वाला भी था, जिसने सबको हैरान कर दिया। दरअसल, स्पोर्ट्सवॉक चेन्नई चैनल पर एक शख्स का इंटरव्यू सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मैच के बाद चैनल से बातचीत करते हुए, एक फैन ने बताया कि उसकी बेटियां और वो किसी तरह धोनी को एक बार लाइव देखना चाहते थे। लेकिन उसे मैच का टिकट नहीं मिल पाया। बाद में उसने 64 हजार की मोटी रकम देकर ब्लैक में टिकट खरीदा। हैरानी की बात ये है कि अभी तक उसने अपनी बेटियों की स्कूल फीस भी नहीं भरी है।

उस फैन ने बताया कि धोनी को लाइव देखने के बाद वो और उसकी बेटियां काफी खुश हैं। वीडियो में एमएसडी को लेकर बच्चों में एक्साइटमेंट को साफ देखा जा सकता है। उन बच्चों में से एक ने कहा कि उनके पिता ने इन टिकट के लिए काफी मेहनत की है। जब उन्होंने धोनी को मैदान पर खेलते हुए देखा तो उन्हें काफी खुशी हुई। बता दें कि इस मैच में धोनी ने 3 गेंदों में 1 रन बनाया था।

हालांकि तीनों बच्चे और उनके पिता इतना पैसा खर्च होने के बावजूद भले ही सुकून में हो।

भारतीय महिला पहलवानों का जलवा

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों ने जलवा बिखेरा। राधिका ने 68 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि शिवानी पवार ने कांस्य पदक अपने नाम किया। एशियाई चैंपियनशिप में राधिका का यह दूसरा पदक है। पिछले साल अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली राधिका 2022 सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में भी दूसरे स्थान पर रही थीं। उन्होंने कजाखस्तान की अलबीना के को पहले मुकाबले में तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। इसके बाद किर्गिस्तान की गुलनूरा ताशतांबेकोवा को मात दी। हालांकि, उन्हें स्वर्ण पदक के मुकाबले में जापान की नोनोका ओजाकी से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार का सामना करना पड़ा। भारत की एक अन्य पहलवान शिवानी पवार को 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जिकि फेंग से हार गई थी।

कांग्रेस टुकड़े-टुकड़े गैंग की सुल्तान बनकर घूम रही है: पीएम

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को मैसूर में जदयू (एस) के साथ सभा में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर जमकर हमला बोला। इसके साथ ही धारा 370 समाप्त करने, महिला आरक्षण और राम मंदिर की बात कही। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज टुकड़े-टुकड़े गैंग की सुल्तान बनकर घूम रही है। देश को बांटने, तोड़ने और कमजोर करने के कांग्रेस पार्टी के खतरनाक इरादे आज भी वैसे ही हैं। धारा 370 के सवाल पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कश्मीर का दूसरे राज्यों से क्या संबंध कांग्रेस देश से घृणा की सारी सीमाएं पार कर चुकी हैं। इस अवसर पर पीएम मोदी के साथ ही पूर्व पीएम और जदयू (एस) के नेता एचडी देवगौड़ा ने भी संबोधित किया।

पीएम मोदी ने कहा कि जो भारत के खिलाफ बोलता है। कांग्रेस उसे पुरस्कार में चुनाव का टिकट दे देती है। कांग्रेस की चुनावी रैली में एक व्यक्ति में भारत माता के जय के नारे लगाए। इसके लिए उसे मंच पर बैठे नेताओं से परमिशन लेनी पड़ी। क्या भारत माता की जय बोलने के लिए परमिशन लेना पड़ेगा? यह कांग्रेस के पतन की परकाष्ठा है। पीएम मोदी ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी सत्ता के लिए आग का खेल खेल रही है। आज देश की दिशा देखिए और कांग्रेस की भाषा देखिए। आज विश्व में भारत का कद और सम्मान बढ़ रहा है। कांग्रेस के नेता विदेशों में जाकर देश को नीचा दिखाने के कोई मौके छोड़ते नहीं है। देश अपने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देता है, तो कांग्रेस सेना से सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगती है। आतंकी गतिविधियों में शामिल जिस संगठन पर बैन लगता है। कांग्रेस उसी के पॉलिटिकल विंग के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में तुष्टिकरण का खुला खेल चल रहा है। पर्व-त्योहार पर रोक लगाई जा रही है। क्या वोट बैंक का खेल खेलने वालों के हाथ में देश की बागडोर दी जा सकती है? पीएम मोदी ने कहा कि जनता का उत्साह बता रहा है कि कर्नाटक के मन में क्या है। पूरा कर्नाटक कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार। पीएम मोदी ने आज का दिन लोकसभा चुनाव और अगले पांच सालों के लिए एक अहम दिन है। आज ही बीजेपी ने अपना संकल्प पत्र जारी किया है। ये संकल्प पत्र मोदी की गारंटी है और देवगौड़ा ने भी गारंटी का उल्लेख किया है। यह मोदी की गारंटी है कि हर गरीब को अपना घर देने के लिए तीन करोड़ नए घर बनाए जाएंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि यह मोदी की गारंटी की हर गरीब को अगले पांच सालों तक मुफ्त में राशन मिलता रहेगा। यह मोदी की गारंटी है कि 70 साल से अधिक आयु के लोगों को आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त चिकित्सा मिलेगी। तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाएंगे। ये गारंटी कर्नाटक के हर व्यक्ति का, हर गरीब का जीवन बेहतर बनाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि आज हम 10 साल पहले के समय को याद करते हैं तो लगता है कि कितना आगे आए हैं। डिजीटल इंडिया ने जीवन को तेजी से बदला है। बीजेपी का संकल्प पत्र भविष्य के बड़े परिवर्तनों की तस्वीर है। यह नये भारत की तस्वीर है। पहले भारत खस्ताहाल सड़कों के लिए जाना जाता था। अब एक्सप्रेसवे भारत की पहचान है। आने वाले समय में भारत एक्सप्रेसवे, वाटरवेज और एयरवेज के वर्ल्ड क्लास नेटवर्क के निर्माण से विश्व को हैरान करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए जो कहता है, उसे कहकर दिखाता है। धारा 370 हो, तीन तलाक का कानून हो, महिलाओं के लिए आरक्षण हो या राम मंदिर का भव्य निर्माण हो, भाजपा का संकल्प है, मोदी की गारंटी होता है।

भाजपा हैट्रिक लगाएगी या कांग्रेस 15 साल पुराना इतिहास दोहराएगी

संवाददाता

देहरादून, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। गंगा तीर्थ, चारधाम यात्रा, महाकुंभ, शक्तिपीठ मां मनसा देवी-चंडी देवी, हरकी पैड़ी और भेल के साथ-साथ योग-आयुर्वेद और अध्यात्म नगरी के तौर पर दुनियाभर में पहचान रखने वाले हरिद्वार की लोकसभा में चुनावी शोरगुल अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है।

यह लोकसभा सीट यूं तो कई मायने में जुदा है लेकिन यूपी से मिलती सीमाएं, राजनीतिक समीकरण भाजपा-कांग्रेस के बीच खींचतान इसे अलग बनाती है। इस बार प्रदेश में सबसे ज्यादा मतदाताओं वाली इस सीट पर मुकाबला काफी रोचक है। कुल 14 प्रत्याशी मैदान में हैं।

भाजपा ने जहां अपने अनुभवी व पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को मैदान में उतारा है, वहीं कांग्रेस ने युवा चेहरे के तौर पर वीरेंद्र रावत पर दांव लगाया है। 1977 से लेकर 2019 तक इस सीट पर भाजपा सर्वाधिक छह बार, एक बार बीएलडी, एक बार जेएनपी-एस और एक बार समाजवादी पार्टी जीत दर्ज कर चुकी है।

आखिरी बार कांग्रेस ने 2009 में यहां जीत दर्ज की थी। अब सवाल ये है कि क्या भाजपा इस बार यहां जीत की हैट्रिक लगाएगी या कांग्रेस 15 साल पुराना इतिहास दोहराएगी।15 साल पुराना इतिहास दोहराने की चुनौती हरिद्वार लोकसभा सीट के अंतर्गत 14 विधानसभा आती हैं। इनमें 11 हरिद्वार जिले की और तीन देहरादून जिले की हैं। हरिद्वार की 11 में से तीन विधानसभा सीटों पर भाजपा, पांच पर कांग्रेस, दो पर बसपा व एक पर निर्दलीय का कब्जा है। वहीं, देहरादून जिले की धर्मपुर, डोईवाला और ऋषिकेश सीटों पर भाजपा के विधायक हैं। भाजपा ने लगातार दो चुनावों में 50 प्रतिशत से ऊपर वोट हासिल कर सांसद बने डा. रमेश पोखरियाल निशंक के बजाए इस बार पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को मैदान में उतारा है। वहीं, मैदानी लोकसभा की जंग में कांग्रेस ने 2009 में यहां से सांसद रहे राज्य के पूर्व सीएम हरीश रावत के पुत्र वीरेंद्र रावत पर दांव खेला है। हरीश रावत की पत्नी रेणुका रावत इस लोकसभा से 2014 का चुनाव हार चुकी हैं।

मोदी के सामने नहीं मिल रहे उम्मीदवार: सीएम नायब

एजेंसी

चंडीगढ़, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। करनाल में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को करनाल की पुरानी सब्जी मंस्कके शेड में बाबा साहब डा.भीमराव अंबेडकर की जयंती पर विजय संकल्प रैली को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने को बाबा साहब के जन्म दिन की बधाई देते हुए कहा कि कांग्रेस को प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं, सुबह जिसे तैयार करते हैं, शाम को वह मना कर जाता है। क्योंकि नरेंद्र मोदी के साढ़े नौ साल के कार्यकाल के कार्यो के आगे कांग्रेस के 55 साल का कार्यकाल कहीं ठहरता ही नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की केंद्र व राज्य की सरकार बाबा साहब डॉ.भीम राव अंबेडकर के बताए रास्ते पर चल रही है। बाबा साहब के बनाए संविधान के कारण ही हम सभी आज खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने भाजपा के संकल्प पत्र की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि इसमें महिलाओं, युवाओं, गरीबों, मजदूरों आदि समाज के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। जो 2019 को संकल्प पत्र था, उसे पूरा करने के बाद उसके आगे की योजनाओं को लिया गया है, जबकि कांग्रेस ने 2009 के घो,णा को ही पूरा नहीं किया था। स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई की परिकल्पना पर दिल्ली-अमृतसर फोन लेन बनाया गया था लेकिन कांग्रेस के शासन में इसकी हालत खस्ता हो गई लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे पूरा किया है।

इस मौके पर उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं व उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि आज करनाल विधान सभा क्षेत्र के चुनाव कार्यालय का भी शुभारंभ किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा।

चुनाव में गरमाया मूलनिवास और सशक्त भू-कानून का मुद्दा

एजेंसी

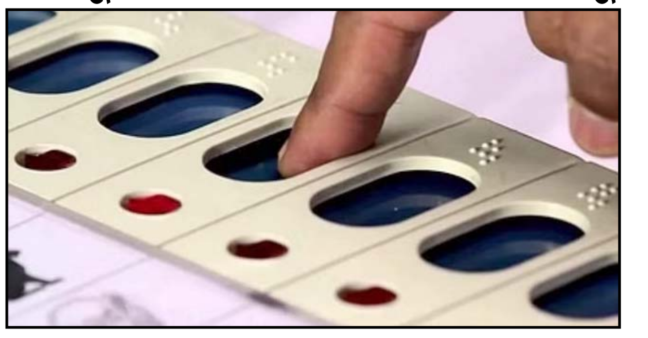

देहरादून, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव में मूल निवास और भू-कानून का मुद्दा खासा गरमाया हुआ है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल मसले को लेकर सरकार पर लगातार हमला बोल रहे हैं। वहीं, सरकार का कहना है मूल निवास प्रमाणपत्र के मानक तय करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है। यह समिति न केवल राज्य में लागू भू-कानूनों के प्रारूप की निगरानी करेगी, बल्कि मूल निवास प्रमाणपत्र जारी करने के लिए नियम स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगी। उत्तराखंड अलग राज्य बनने के बाद भी यहां अविभाजित उत्तर प्रदेश का भू-कानून 1960 लागू था। 2003 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इसमें संशोधन किया और राज्य का भू-कानून अस्तित्व में आया। इसके बाद वर्ष 2008 और फिर 2018 में इसमें संशोधन हुआ। विपक्ष का कहना है कि पर्वतीय क्षेत्रों में उद्योगों के नाम पर जमीन खरीदने की बाध्यता को समाप्त किया गया, जबकि कृषि भूमि का उपयोग बदलने की प्रक्रिया भी आसान कर दी गई। जिससे पहाड़ की जमीनों को बचाना बड़ी चुनौती है। मसले को लेकर आंदोलनरत मूल निवास सशक्त भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी बताते हैं कि पहाड़ में सीमित जमीन है। जिसे बाहरी लोगों के हाथों से बचाने के लिए सशक्त भू-कानून और मूल निवास को लेकर आंदोलन शुरू किया गया है। कहा, उद्योगों के नाम पर बाहरी लोगों को पहाड़ में जमीन दी गई, लेकिन उद्योग पहाड़ नहीं चढ़ पाए। उक्रांद के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष काशी सिंह ऐरी बताते हैं कि हिमाचल की तर्ज पर राज्य में सशक्त भू-कानून बनाया जाना चाहिए। वर्तमान में जो भू-कानून बना है उसमें कई छेद हैं। वहीं, देश के संविधान के अनुरूप राज्य में मूल निवास का आधार वर्ष 1950 तय किया जाए। एक राज्य एक कानून के तहत मैदानी क्षेत्रों में भी मूल निवास की व्यवस्था लागू की जाए। भाकपा (माले) के राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी के मुताबिक उत्तराखंड में जमीनों की बेरोकटोक बिक्री पर रोक के लिए सशक्त भू-कानून जरूरी है। इससे पहले वर्ष 2018 में भू-कानून में हुए संशोधन को रद्द किया जाए। कृषि भूमि के गैर कृषि कार्यों के लिए खरीद पर रोक लगे, पर्वतीय कृषि को जंगली जानवरों से बचाते, उसे उपजाऊ और लाभकारी बनाने के विशेष उपाय करने की जरूरत है। कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि किसी भी राज्य के संसाधनों-जल, जंगल, जमीन पर पहला अधिकार, उस राज्य के मूलनिवासियों का होता है और होना चाहिए, राज्य की नियुक्तियों में भी पहली प्राथमिकता उस राज्य के मूलनिवासियों को मिलनी चाहिए। राज्य का कुल क्षेत्रफल 56.72 लाख हेक्टेयर है। इसमें से 63.41 प्रतिशत क्षेत्र वन क्षेत्र के तहत आता है, जबकि कृषि योग्य भूमि सीमित है, जो महज 14 प्रतिशत यानी करीब 7.41 लाख हेक्टेयर है।

उत्तराखंड में मूल निवास को लेकर 1950 की समय सीमा लागू करने की मांग है। राज्य गठन के बाद सरकार ने यहां मूल निवास के साथ ही स्थायी निवास की व्यवस्था बनाई। 15 साल से उत्तराखंड में रह रहे लोगों के लिए स्थायी निवास प्रमाणपत्र दिए गए। इसके बाद से मूल निवास का मुद्दा बना हुआ है। मांग है कि मूल निवास का आधार वर्ष 1950 किया जाए। मूल निवास और सशक्त भू-कानून जैसे मुद्दे क्षेत्रीय एवं कुछ अन्य दलों के घोषणापत्र में हैं, लेकिन कुछ राष्ट्रीय दल इसकी अनदेखी किए हुए हैं। यहां की नौकरियों पर प्रदेश के लोगों का पहला अधिकार है, इसलिए मूल निवास की व्यवस्था को लागू करना चाहिए।

भाजपा पर लगे मीडिया मैनेजमेंट के आरोप

एजेंसी

भोपाल, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के लिए जारी आदर्श आचार संहिता के दौरान भाजपा पर मीडिया मैनेजमेंट का बड़ा आरोप लगा है। आश्चर्यजनक यह है कि आरोप विपक्षी दल कांग्रेस ने नहीं लगाया है, बल्कि भाजपा के ही एक युवा नेता ने यह मामला उठाया है। सोशल मीडिया पर जारी हुए भाजपा नेता के इस बयान के बाद कांग्रेस सक्रिय हो गई है। वह अब इस मामले को लेकर कलेक्टर से शिकायत करने की तैयारी कर रही है। मामला सीधी लोकसभा क्षेत्र से जुड़ा है। यहां चुनाव प्रचार के दौरान आने वाले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कवरेज के लिए मीडिया को मैनेज करने की बात इस वीडियो में कही गई। बताया जा रहा है कि भाजपा के खिलाफ आरोप लगाने वाला यह युवा सिंगरौली का भाजपा मीडिया प्रभारी है। सोशल मीडिया पर जारी किए गए इस वीडियो में मीडिया मैनेजमेंट का आरोप लगाते हुए उन मीडियाकर्मियों के नाम भी गिनाए गए हैं, जिन्हें भाजपा ने कवरेज के लिए राशि पहुंचाई है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस वीडियो को लेकर जहां भाजपा सकते में है, वहीं कांग्रेस इसे लेकर मुखर दिखाई दे रही है।

सीधी लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश्वर पटेल ने कहा कि यह भाजपा की आदत है। वह सत्ता का दुरुपयोग कर मीडिया को अपने शिकंजे में कसी हुई है। जिसके चलते असल बात जनता तक पहुंच ही नहीं पाती। पटेल ने कहा कि भाजपा अपने हश्र को भांप चुकी है, इसीलिए वह न सिर्फ मीडिया, बल्कि वोटर्स को भी खरीदने में जुटी हुई है। इधर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद सिंह चंदेल ने कहा कि भाजपा की करतूत की पोल इस वायरल वीडियो ने खोल दी है। इस मामले को लेकर कलेक्टर से शिकायत की जा रही है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री से पूछे तीन सवाल

एजेंसी

भोपाल, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव में बढ़ती सरगर्मी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार मध्य प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को भी मध्य प्रदेश के दौरे पर थे, जिसे लेकर कांग्रेस लगातार हमलावर है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मध्य प्रदेश दौरे पर एमपी से जुड़े तीन सवाल पूछे हैं। उन्होंने अपने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश जा रहे हैं। ये हैं उनसे आज के हमारे तीन सवाल जयराम रमेश ने पहला सवाल पूछते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 11 अक्टूबर, 2022 को 850 करोड़ के महाकाल लोक कॉरिडोर का उद्घाटन किया था। इतनी अधिक लागत के बावजूद, मई 2023 में सप्तर्षियों की सात मूर्तियों में से छह केवल कुछ देर के लिए आए तूफान में टूट गईं। पूर्व की कांग्रेस सरकार ने इस योजना के लिए 350 करोड़ रुपए की मंजूरी दी थी लेकिन भाजपा के सत्ता में आने के बाद लागत बढ़कर 850 करोड़ रुपए हो गई। फिर भी यह प्रोजेक्ट एक तूफ़ान का भी सामना नहीं कर पाया। मध्यप्रदेश की सरकार के लोकायुक्त ने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए थे। इस घटना को अब लगभग 10 महीने बीत चुके हैं। लोकायुक्त जांच का क्या हुआ? किसी को ज़िम्मेदार क्यों नहीं ठहराया गया? क्या प्रधानमंत्री मोदी एक बार फ़िर भाजपा पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को दबा रहे हैं?

दूसरा सवाल उठाते हुए जयराम रमेश ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश में दलितों के ख़िलाफ़ अपराध दर देश में सबसे अधिक है। 2021 में (जिसका सबसे ताज़ा डेटा उपलब्ध है), अनुसूचित जाति के खिलाफ़ अपराध दर 63.6 थी, जबकि राष्ट्रीय औसत 25.3 है। राज्य में 2019 और 2020 में भी दलितों के ख़िलाफ़ उच्च अपराध दर थी - राष्ट्रीय औसत 22.8 और 25 के मुक़ाबले क्रमशः 46.7 और 60.8। दरअसल, दलितों के खिलाफ़ अपराध की दर साल-दर-साल बढ़ी है। मध्य प्रदेश में भाजपा लगभग दो दशक से अधिक समय से सत्ता में है। ऐसा क्यों है कि दलितों को अपनी सुरक्षा को लेकर डर बढ़ रहा है? क्या प्रधानमंत्री मोदी को उन अनगिनत अत्याचारों पर कोई शर्म महसूस नहीं होती जो उनके सत्ता में रहते दलितों ने सहे हैं? तीसरे सवाल को लेकर जयराम रमेश ने कहा कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकारें भारतीय इतिहास की सबसे ज़्यादा आदिवासी विरोधी सरकारों में से एक रही हैं। उन्होंने उस क्षेत्र के लगभग दसवें हिस्से को मान्यता दी है, जितना सामुदायिक वन अधिकार (सीएफआर) के तहत दिए जा सकते हैं। ऐसा होने से आदिवासी समुदायों को आर्थिक कठिनाई और तरह-तरह के नुक़सान का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय आदिवासी समुदायों के लगातार विरोध के बावजूद, 900 से अधिक वन गांव, कहीं अधिक स्वतंत्रता वाले नियमित राजस्व गांव होने के बजाय, वन विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में बने हुए हैं। एफआरए को लागू करने में अनिच्छा के कारण तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश सरकार ने भारत के किसी भी अन्य राज्य की तुलना में अधिक एफआरए आवेदनों को ख़ारिज़ किया।

सपा प्रत्याशी रुचि वीरा की पुलिस को धमकी

एजेंसी

मुरादाबाद, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। देश में लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है वैसे-वैसे नेताओं के बिगड़े बोल भी सामने आने लगे हैं। ताजा मामला उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद का है। जहां, समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी रुचि वीरा एक एक जनसभा में पुलिस अधिकारियों को औकात में रहने की धकमी दे डाली। रुचि वीरा यहीं नहीं रुकीं, उन्होंने पुलिस के अधिकारियों पर बीजेपी का एजेंट बनकर काम करने का आरोप भी मढ़ दिया।

जनसभा शुरू होने से पहले रुचि वीरा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस अधिकारी अपनी औकात और सीमाओं में रहें। बीजेपी का एजेंट बनकर काम कर रहे हो। लानत है तुम पर। तुम अपनी नौकरी से वफादारी नहीं कर रहे हो। रूचि वीरा के इस बयान के बाद मंच पर मौजूद सपा नेताओं ने अखिलेश यादव और राहुल गांधी के समर्थन में नारेबाजी भी की।

दरअसल, सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मुरादाबाद के जीआईसी ग्राउंड पर रैली होने वाली है। हालांकि, बारिश के चलते अखिलेश यादव का कार्यक्रम कई घंटे लेट हो गया है। इस सपा प्रत्याशी रूचि वीरा मंच पर पहुंचीं और उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को जनसभा स्थल पर नहीं आने देने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधिकारियों पर ही बिफर पड़ीं। अधिकारियों को धमकाने का उनका एक वीडियो भी सामने आया है।

बता दें कि इस बार के लोकसभा चुनाव में यूपी की मुरादाबाद सीट अखिलेश यादव के हिस्से में आई है। अखिलेश ने यहां से रुचि वीरा को मैदान में उतारा है। रूचि वीरा के नाम के ऐलान से पहले सपा ने इस सीट से मौजूदा सांसद एसटी हसन को मैदान में उतारा था। हसन ने नामांकन भी दाखिल कर दिया, लेकिन एक दिन बाद ही सपा ने बड़ा उलटफेर करते हुए एसटी हसन का टिकट काटते हुए रुचि वीरा को मैदान में उतार दिया।

रुचि वीरा मूलरूप से बिजनौर की रहने वाली हैं। वो बिजनौर से विधायक भी रह चुकी हैं। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में बिजनौर सीट से विधायक कुंवर भारतेंद्र सिंह जीते तो यह सीट खाली हो गई थी। इसके बाद सीट पर उपचुनाव हुए तो सपा ने रुचि वीरा को मैदान में उतारा था। चुनाव में रुचि वीरा ने जीत दर्ज कर पहली बार विधायक चुनी गईं।

झारखंड में बीजेपी को मिलीं थीं 11 सीटें

एजेंसी

झारखंड, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। आदिवासी मतदाताओं की नाराजगी के बावजूद 2019 में बीजेपी ने झारखंड में शानदार प्रदर्शन किया था। इस चुनाव में बीजेपी ने राज्य की कुल 14 लोकसभा सीटों में से 11 सीटें झटक लीं। वहीं कांग्रेस झारखंड मुक्ति मोर्चा और ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन को महज एक एक सीट पर ही संतोष करना पड़ा था। यह स्थिति उस समय थी जब केंद्र और राज्य दोनों में एनडीए की सरकार थी। एनडीए के ही बैनर तले बीजेपी राज्य में एजेएसयू के साथ मिलकर चुनाव भी लड़ी थी।

वहीं दूसरे खेमे में कांग्रेस-झारखंड मुक्ति मोर्चा और आरजेडी का गठबंधन चुनाव लड़ रहा था। इसमें सिंहभूम लोकसभा सीट कांग्रेस को मिली थी तो राजमहल से झारखंड मुक्ति मोर्चा और गिरिडीह लोकसभा सीट एजेएसयू को मिली थी। इस चुनाव में बीजेपी और एजेएसयू को मिलाकर एनडीए के खाते में कुल 12 सीटें आई थी। वहीं कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा को मिलाकर यूपीए महज दो सीटों पर सिमट गया। इनमें मुख्य रूप से गिरिडीह, कोडरमा खूंटी, रांची, पलामू, लोहरदगा हजारीबाग, सिंहभूम, जमशेदपुर धनबाद आदि महत्वपूर्ण सीटें एनडीए के खाते में गए थे।

गिरिडीह लोकसभा सीट से एजेएसयू के चंद्र प्रकाश चौधरी जीते थे। वहीं बाकी सीटें बीजेपी को मिली थीं। इस चुनाव में बड़ी बात तो यह थी कि झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन खुद दुमका से चुनाव हार गए थे। इसी प्रकार कोडरमा में बाबूलाल मरांडी और रांची में सुबोधकांत सहाय भी चुनाव हारे थे। सिंहभूम की सीट कांग्रेस की गीता कोड़ा ने मामूली अंतर से झटक ली थी। यहां से बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण गिलुवा हारे थे। इसी प्रकार राजमहल में झामुमो के विजय हांसदा जीते थे। उन्होंने बीजेपी के हेमलाल मूर्मू को हराया था।

साल 2014 में बीजेपी ने झारखंड की 14 में से 12 सीटों पर भगवा फहराया था। 2019 में बीजेपी ने तैयारी ऐसी की थी कि सभी 14 सीटें पार्टी के खाते में आ जाएं। इसके लिए पुख्ता रणनीति भी बनी, जमकर प्रचार हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश भर से बीजेपी के तमाम बड़े नेताओं को जनता का नब्ज टटोलने के लिए उतारा गया था। इसका फायदा तो हुआ, लेकिन चुनावों के दौरान कुछ ऐसे भी फैक्टर सामने आए, जिनका काट बीजेपी नहीं कर सकी। परिणाम स्वरुप बीजेपी को 2014 के चुनावों के सापेक्ष एक सीट गंवानी पड़ी। दरअसल इस चुनाव में बीजेपी ने कई नए प्रत्याशी उतारे थे। इनमें से कुछ उम्मीदवारों को जीत तो मिली लेकिन अंतर बहुत कम था। बावजूद इसके झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस का राज्य में विरोध होने का बीजेपी को पूरा लाभ मिला। उधर, कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता भी पूरे दमखम के साथ मैदान में थे। खुद झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन की प्रतिष्ठा दाव पर लगी थी।

वह दुमका सीट से मैदान में थे। लाख कोशिशों के बावजूद वह खुद अपनी भी सीट नहीं बचा पाए। वहीं 2014 के चुनाव में यहां खाता खोलने से भी चूक गई कांग्रेस इस कोशिश में थी कि कम से कम दो सीटें तो यहां से निकलें ही। इस कोशिश में कांग्रेस को थोड़ी सफलता मिली और एक सीट जीत गई। लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा को राज्य में प्रतिष्ठा गंवानी पड़ी थी। यहां तक कि लालू यादव की आरजेडी का समर्थन भी झारखंड मुक्ति मोर्चा को नहीं उबार पाया।

नवरात्रि के छठवें दिन मां कात्यायनी स्वरुप का दर्शन पूजन कर भक्त हुए निहाल

संवाददाता

मिर्जापुर, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। शक्तिपीठ विंध्याचल में चल रहे चैत्र नवरात्रि मेले के दौरान चिलचिलाती धूप के बावजूद लाखों की संख्या में देश के कोने-कोने से आए महिला व पुरुष दर्शनार्थी लंबी-लंबी कतारों में लगकर मां विंध्यवासिनी के चरणों में मत्था टेक रहे हैं उनकी सुरक्षा व्यवस्था हेतु चप्पे-चप्पे पर पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है वहीं हलिया क्षेत्र के गड़ बड़ा धाम में माता शीतला महरानी के दर्शन पूजन के लिए भक्तों का जन सैलाब उमर पड़ा मंगला आरती के बाद मंदिर का कपाट खुलते ही महिला पुरुष भक्त सेवती नदी में स्नान कर कतार वद्ध हो गए। चैत्र नवरात्र के छठवें दिन रविवार को हलिया विकास खंड के सुप्रसिद्ध गड़बड़ा धाम में भक्तों की भीड़ रही। हजारों भक्त माता शीतला महारानी का दर्शन पूजन कर निहाल हुए। पुरुष-महिला भक्तों ने कतारबद्ध होकर मां के दरबार में मत्था टेका। सेवटी नदी में स्नान करने के बाद भक्तों ने हाथ में नारियल चुनरी, माला फूल, पूड़ी हलुआ, पुष्प मां को अर्पित किया। मां की एक झलक पाने को भक्त लालायित रहे। घंटा-घड़ियाल, शंख और जयकारे से पूरा मंदिर परिसर मां के जयकारे से गुंजायमान रहा।दर्शन पूजन के बाद भक्त बोतलों में माता के कुंड से जल को अपने साथ लेकर कर जाते हैं। मान्यता है कि चेचक जैसे गंभीर बीमारियों में जल का लेप करने से आराम मिल जाता है। मंदिर पुजारी मंगल धारी मिश्र ने बताया कि नवरात्रि के छठे दिन लगभग तीस हजार श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में पहुंचकर दर्शन पूजन किया। सुरक्षा के मद्देनजर थानाध्यक्ष विष्णु प्रभा सिंह, ड्रमंडगंज थानाध्यक्ष अरविन्द सरोज व मेला प्रभारी बाली मौर्य, हेड कांस्टेबल ब्रिजेश राय, राजेश कुमार महिला कांस्टेबल ममता नायक, सलोनी दिवाकर, मौजूद रहे।

समुद्र मंथन व वामन अवतार की कथा सुन श्रोता भावविभोर

संवाददाता

हलिया-मिर्जापुर, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। क्षेत्र के ऊंटी गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन रविवार को कथावाचक पंडित श्याम मुरारी महराज ने समुद्र मंथन व वामन अवतार की कथा का श्रोताओं को रसपान कराया। कथावाचक ने कहा कि देवासुर संग्राम में दैत्यों ने देवताओं को परास्त कर दिया। तब संपूर्ण देवता भगवान विष्णु के पास गए और बोले भगवन आप हमारी रक्षा करें। भगवान विष्णु ने देवताओं से कहा कि मंदराचल पर्वत को मथानी और वासुकि नाग को रस्सी बनाकर समुद्र मंथन करो। भगवान विष्णु के ऐसा कहने पर देवताओं ने दैत्यों से संधि कर समुद्र मंथन शुरू किया। समुद्र मंथन के दौरान सर्वप्रथम कालकूट विष का प्रादुर्भाव हुआ जिसे भगवान शिव ने देवताओं की विनती पर पी लिया। विष के प्रभाव से महादेव का कंठ नीला पड़ने पर उनका नाम नीलकंठ पड़ गया। समुद्र मंथन में वारूणि, ऐरावत, लक्ष्मी, शंख कौस्तुभ मणि, अप्सरा, धन्वंतरि सहित चौदह रत्न मिले। अंत में अमृत कलश मिलने पर उसे पाने के लिए देवताओं और असुरों में संग्राम छिड़ गया।तब भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर असुरों को मदिरा पान और देवताओं को अमृत पान कराया। इसके बाद कथावाचक ने बलि और भगवान वामन की कथा का गुणगान किया। इस दौरान यजमान भास्कर प्रसाद मिश्र, अधिवक्ता चंद्र दत्त त्रिपाठी प्रेम सिंह मार्कण्डेय मौर्य सहित सैकड़ों श्रोता मौजूद रहे।

भारतीय विचारधारा से समस्याओं का समाधान सम्भवः प्रो. जीसी त्रिपाठी

संवाददाता

करौंदीकला-सुलतानपुर, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। भारत केवल भूखंड नहीं दर्शन दृष्टि व विचार है क्योंकि हम पूरी पृथ्वी को अपना परिवार मानते हैं व सभी के सुखी होने की कल्पना करते हैं और भारतवर्ष शास्त्रार्थ तथा संवाद की भूमि रही है जिसकी विचारधारा से दुनिया की सभी समस्याओं का समाधान सम्भव है।

उक्त बातें बीएचयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर गिरीश चन्द्र त्रिपाठी ने करौंदी स्थित नारायण ज्ञान धाम बीबीपुर तिवारी के वार्षिकोत्सव पर आयोजित संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। संगोष्ठी की अध्यक्षता संत तुलसीदास पीजी कालेज पूर्व प्राचार्य डॉ. इन्दुशेखर उपाध्याय ने कहा कि भारतीय संस्कृति महिलाओं के कारण ही विश्व में वंदनीय है और गूगल कभी पुस्तकालय की जगह नहीं ले सकता। राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने कहा कि महावीर स्वामी का स्यादवाद सिद्धांत आज अत्यन्त प्रासंगिक है और दुनिया के तमाम विवाद इससे हल हो सकते हैं। यह सिद्धांत स्पष्ट करता है कि जब हम मान लेते हैं कि हम न तो पूरी तरह से सही हैं और न ही दूसरे पूरी तरह से गलत तो हम अन्य विचारों को भी स्वीकार करने लगते हैं। जिससे दो विरोधी समूहों के बीच सार्थक संवाद की गुंजाइश बन जाती है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय प्रबंध संकाय मानव संसाधन विभागाध्यक्ष अविनाश पार्थ डीकर ने कहा कि अवसर और तैयारी को मिला कर भाग्य बनता है तथा सफलता पाने के लिए विद्यार्थियों को हमेशा सतर्क रहना चाहिए। संगोष्ठी को पूर्व प्रवक्ता उदयभान सिंह, रामलाल गुप्त, डॉ. ए.के.सिंह, रामपाल मिश्र, एडवोकेट आशाराम, प्रियव्रत मिश्र व राजवल्लभ श्रीवास्तव आदि ने भी संबोधित किया।पूर्व पुलिस महानिरीक्षक व समारोह आयोजक बी.पी.त्रिपाठी ने स्वागत व आभार ज्ञापन किया तथा समारोह में नारायण ज्ञान धाम के सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

जयंती पर याद किए गए डा. भीमराव अंबेडकर

संवाददाता

मिर्जापुर, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। स्थानीय के बी पीजी कॉलेज के सामुदायिक भवन में रविवार को डॉ भीमराव आंबेडकर जयंती मनाई गई। प्राचार्य प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह, शिक्षक और कमर्चारियों ने भारतरत्न डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर उन्हें नमन किया। इस दौरान प्राचार्य ने बाबा साहब के अमूल्य योगदान को याद करते हुए कहा कि बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डा. अम्बेडकर भारतीय संविधान के प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने विविधता लिए भारत देश को मजबूत किया साथ ही सभी महिलाओं और पुरुषों को अच्छी शिक्षा लेकर आगे बढ़ने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया था। कार्यक्रम संयोजक डा. सुजीत कुमार ने कहा कि बाबा साहब ने समाज के दबे कुचले मजदूरों और महिलाओं के अधिकारों की वकालत की थी। सरकार बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलकर समाज के कमजोर वर्गो के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। कार्यक्रम का संचालन डा. रामदास तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ शिवप्रसाद ने किया। इस अवसर पर डा. सत्य विजय कबीर, डा. अमर बहादुर, डा. बबलू श्याम सोनकर, डा. रामलखन पांडेय, डा. भारत सिंह आदि उपस्थित थे।

प्रदेश अध्यक्ष ने उदराज वर्मा को बसपा लोकसभा प्रत्याशी घोषित किया

संवाददाता

सुलतानपुर, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। इंडिया गठबंधन व भाजपा ने जहां अपने लोकसभा प्रत्याशी की घोषणा पहले ही कर चुकी है वहीं बसपा के अयोध्या, देवीपाटन वाराणसी, आजमगढ़ मण्डल के मुख्य सेक्टर प्रभारी घनश्याम चंद्र खरवार व बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल की मौजूदगी में बसपा प्रत्याशी उदराज वर्मा के नाम की घोषणा किया गया। शहर के गभयि स्थित गंगा गार्डेन मैरिज लॉन में आयोजित बाबा साहब डा भीमराव अम्बेडकर के 133 वीं जयंती पर आयोजित सार्वजनिक समारोह में 38 लोकसभा प्रत्याशी के नाम की घोषणा होते ही उपस्थित पदाधिकारियों व समर्थकों में प्रसन्नता व्याप्त हो गया तथा प्रत्याशी को जीत दिलाने के लिए सभी ने आश्वस्त भी किया। बसपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ ने बसपा प्रत्याशी उदराज वर्मा को माला पहनाकर बधाई भी दिया। उक्त अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष बसपा विश्वनाथ पाल ने कहा कि समाजवादी पार्टी सुलतानपुर से कभी भी सफल नहीं हुई पर बहुजन समाज पार्टी को सुलतानपुर से दो बार सांसद बनने का अवसर मिला या तो बसपा हमेशा दूसरे स्थान पर रही व सभी दलों को भारी टक्कर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जुमलेबाजी करने में माहिर है अब समय आ गया है जब जिले की जनता को भाजपा से दस सालों का हिसाब मांगना होगा जो उन्होंने विदेश से पैसा लाकर सभी के खाते में 15- 20 लाख डालने का वादा किया था। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अब इंडिया गठबंधन में कौन है ही जिसने गठबंधन बनाने की मुहिम छेड़ी वह तो भाजपा में समाहित हो गए और सारे दल छिटक गए ममता आम आदमी पार्टी अकेले चुनाव लड़ रही है। उन्होंने बसपा प्रत्याशी उदराज वर्मा को भारी मतों से जिताने की अपील भी किया। उक्त अवसर पर पूर्व सांसद व मुख्य सेक्टर प्रभारी घनश्याम चन्द्र खरवार जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार गौतम बसपा मुख्य प्रभारी अयोध्या मंडल छोटेलाल मौर्य दिलीप कुमार विमल जियालाल त्यागी महेन्द्र प्रताप आनंद बलराम निषाद कृष्ण कान्त आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए व बहन मायावती जी के हाथों को मजबूत करने का आह्वान किया।

संगीता जायसवाल ने पत्रकार बंधुओं किया सम्मानित

जौनपुर, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। नगर के पुराना चौक स्थित उदयन एकेडमी के निर्देशिका संगीता जायसवाल के निर्देशन में वार्षिक पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें एकेडमी की निर्देशक उदयन एकेडमी की निदेशक संगीता जायसवाल ने अपने पति व एकेडमी के प्रबंधक राजेश जायसवाल संग नगर के लगभग सभी पत्रकार बंधुओं को सम्मानित किया। जिसमें प्रीतम सिंह, विनोद साहू, राकेश अग्रहरि, एलाख खान, गुलाम साबिर चंदन जायसवाल, नौसद अहमद, मनोज जायसवाल, आदि शामिल रहे। इस अवसर नगर के दिव्यांग व्यक्ति मनोज को बैशकी, और एकेडमी के चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी को संचारी रोग के प्रति जागरूक किया। समारोह के दौरान उदयन एकेडमी स्कूल सभी ने जम कर तारीफ की इस पर एकेडमी की प्रिंसिपल रचना सिंह, आविद क्यूम, अजीत यादव, मनीषा, नीतू, सोनी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अम्बेडकर जंयती पर निकला भव्य शोभायात्रा

संवाददाता

जौनपुर, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। नगर में डा.भीमराव आम्बेडकर जयंती रविवार को धूमधाम से मनायी गयी। इस मौके पर नगर में गाजे-बाजे और घोड़ों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में दर्जनों झांकियां शामिल रही। शोभायात्रा नव प्रभात डा भीमराव अम्बेडकर सेवा समिति अम्बेडकर नगर द्वारा निकाला गया। नगर के आजमगढ़ मार्ग अम्बेडकर नगर बस्ती से निकला।

आधा दर्जन डीजे और दर्जन भर झांकियों के साथ लोग इकट्ठा हुए। जेसीज चौक होते हुए डाकघर तिराहा कोतवाली रोड एराकियाना चौक पुराना चौक चूड़ी मोहल्ला होते हुये नई आबादी पहुंचा। पुराना चौक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा शोभायात्रा में शामिल लोगों को गर्मी से राहत हेतु शर्बत पिलाया गया। वक्ताओं ने डा.भीमराव आम्बेडकर के चरित्र कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। शोभायात्रा में हजारों की भीड से यातायात घंटों अस्त-व्यस्त रहा। शोभायात्रा में अध्यक्ष रंजीत कुमार रमेश बौद्ध, कोषाध्यक्ष पारस बौद्ध जिया लाल जशवंत गौतम जय किशन, सुरेन्द्र बौद्ध, हनुमान प्रसाद अग्रहरि, ईशान राम जायसवाल प्रेम प्रकाश सभासद आदि मौजूद रहे।

कारोबार

एलआईसी को अडाणी के शेयरों में निवेश पर हुआ 59 प्रतिशत का लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में अडाणी समूह की कंपनियों में किए गए अपने निवेश मूल्य में 59 प्रतिशत का लाभ दर्ज किया है। अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से समूह के शेयरों के प्रभावित होने के बाद उन्होंने जोरदार वापसी की। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, अडाणी समूह की सात कंपनियों में एलआईसी का कुल निवेश 31 मार्च, 2023 को 38,471 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 मार्च, 2024 को 61,210 करोड़ रुपये हो गया। इसमें 22,378 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले साल, हिंडनबर्ग रिपोर्ट में अडाणी के शेयरों में हेराफेरी के आरोपों के बाद बीमा कंपनी को भी समूह में निवेश करने के अपने फैसले पर सवालों का सामना करना पड़ा था। हालांकि, अडाणी ने रिपोर्ट को पूरी तरह गलत बताया था। राजनीतिक दबाव का सामना करते हुए, एलआईसी ने रणनीतिक रूप से समूह की दो प्रमुख कंपनियों-अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड और अडाणी एंटरप्राइजेज-में अपना निवेश कम कर दिया था। इन दो कंपनियों के शेयरों में क्रमशः 83 प्रतिशत और 68.4 प्रतिशत की तेजी हुई। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, निवेश घटाने के बावजूद एलआईसी को वित्त वर्ष 2023-24 में अडाणी समूह में किए गए निवेश पर 59 प्रतिशत का लाभ हुआ। इस दौरान अडाणी समूह की कंपनियों में कई विदेशी निवेशकों-कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, अबू धाबी स्थित आईएचसी, फ्रांसीसी दिग्गज टोटल एनर्जी और अमेरिका स्थित जीक्यूजी इन्वेस्टमेंट ने लगभग 45,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। आंकड़ों के मुताबिक, अडाणी एंटरप्राइज लिमिटेड में एलआईसी का निवेश 31 मार्च, 2023 को 8,495.31 करोड़ रुपये से बढ़कर एक साल बाद 14,305.53 करोड़ रुपये हो गया।

बॉर्नविटा पर सरकार ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को दी हिदायत

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने ई-कॉमर्स कंपनियों को एडवाइजरी जारी कर उन्हें अपने पोर्टल और प्लेटफॉर्म्स पर बोर्नविटा समेत सभी ड्रिंक्स और बेवरेज को हेल्थ ड्रिंक्स की श्रेणी से हटाने का निर्देश दिया है। 10 अप्रैल को जारी अधिसूचना में मंत्रालय ने कहा, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने सीआरपीसी अधिनियम 2005 की धारा 14 के तहत अपनी जांच के बाद निष्कर्ष निकाला है कि देश में खाद्य कानूनों के तहत कोई भी ड्रिंक स्वास्थ्य पेय या हेल्थ ड्रिंक्स के रूप में परिभाषित नहीं है।

इससे पहले, एनसीपीसीआर ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से उन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की अपील की थी जो सुरक्षा मानकों और दिशानिर्देशों को पूरा करने में विफल रहे हैं। कुछ कंपनियों पर आरोप है कि वे पावर सप्लिमेंट्स को स्वास्थ्य पेय के रूप में पेश कर रहे हैं।

नियामक के अनुसार, देश के खाद्य कानूनों में स्वास्थ्य पेय (हेल्थ ड्रिंक्स) को परिभाषित नहीं किया गया है और इस नाम पर कुछ भी बेचना नियमों का उल्लंघन है। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में, एफएसएसएआई ने भी ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों को डेयरी-आधारित या माल्ट-आधारित पेय पदार्थों को स्वास्थ्य पेय के रूप में लेबल नहीं करने का निर्देश दिया था।

पीपीएफ में निवेश से तैयार होगा एक करोड़ का फंड

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। नया वित्त वर्ष 2024-25 शुरू हो चुका है। बेहतर होगा कि आप फाइनेंशियल प्लानिंग भी अभी से शुरू कर लें, ताकि टैक्स छूट का अधिकतम लाभ उठा पाएं और अगली मार्च तक आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो जाए। अगर आप आसानी से बड़ा फंड तैयार करना चाहते है तो पब्लिक प्रॉविडेंट फंड स्कीम आपके इस काम को आसान बना सकती है।

इस स्कीम के तहत फिलहाल 7.1प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इसमें आपको टैक्स छूट का फायदा भी मिलता है। इसमें निवेश करके आप 1 करोड़ से ज्यादा का फंड तैयार कर सकते हैं। हम आपको इस स्कीम के साथ यह भी बता रहे हैं कि आप हर महीने कितना निवेश करके कितना फंड तैयार कर सकते हैं। पीपीएफ अकाउंट खोलने के लिए आवश्यक न्यूनतम राशि 500 रुपए है। किसी वित्त वर्ष में न्यूनतम 500 रुपए जमा करने की जरूरत है, जबकि अधिकतम निवेश सीमा 1.5 लाख रुपए सालाना तय की गई है।

पीपीएफ अकाउंट 15 साल में मैच्योर होता है। आप चाहे तो मैच्योरिटी के बाद पूरा पैसा निकाल सकते हैं। हालांकि अगर आपको पैसे की जरूरत नहीं है तो इसे 5-5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है।इसके लिए मैच्योरिटी पूरा होने के एक साल पहले ही बढ़ाना होगा। हालांकि पीपीएफ अकाउंट खोलने वाले साल के बाद 5 साल तक इस खाते से पैसा नहीं निकाला जा सकता। ये अवधि पूरा होने के बाद फॉर्म 2 भर कर पैसा निकाला जा सकेगा। हालांकि 15 साल साल पहले पैसा निकालने पर आपके फंड से 1प्रतिशत की कटौती की जाएगी। इस स्कीम के जरिए अगर आप 1 करोड़ रुपए का फंड तैयार करना चाहते हैं तो आपको 25 साल तक हर महीने 12,500 रुपए निवेश करने होंगे। वहीं अगर आप 10 हजार रुपए महीना निवेश करते हैं तो आपको 25 साल बाद लगभग 81.76 लाख रुपए मिलेंगे।

आईफोन पर पेगासस स्पायवेयर जैसे अटैक का अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। एपल ने आईफोन पर पैगासस जैसे स्पायवेयर अटैक का खतरा जताया है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आईफोन यूजर्स को मर्सनरी स्पायवेयर के जरिए टारगेट किया जा रहा है। इसके जरिए आईफोन को एक्सेस करने की कोशिश की जा रही है।

इसे लेकर एपल ने भारत सहित उन 91 देशों के अपने यूजर्स को वॉर्निंग मेल भेजा है, जो मर्सनरी स्पायवेयर अटैक के संभावित शिकार हो सकते हैं। यह स्पायवेयर इजरायल के एनएसओ ग्रुप के पेगासस की तरह है। इसका मकसद डिवाइस का अनऑथराइज्ड एक्सेस हासिल करना है। मर्सनरी स्पायवेयर अटैकर्स बहुत कम संख्या में कुछ खास लोगों और उनके डिवाइसेज को टारगट करने के लिए बहुत अधिक संसाधनों का इस्तेमाल करते हैं। इन स्पाइवेयर अटैक्स की कॉस्ट लाखों डॉलर होती है। उनका पता लगाना और रोकना बहुत कठिन होता है। एपल ने 11 अप्रैल को भारतीय समयानुसार रात करीब 12:30 बजे कुछ भारतीय यूजर्स को वॉर्निंग मेल भेजा है। इसके सब्जेक्ट में लिखा है- अलर्ट- एपल ने आपके आईफोन पर एक टार्गेटेड मर्सनरी स्पायवेयर अटैक का पता लगाया है मेल में लिखा है, आईफोन ने पाया है कि आप एक मर्सनरी स्पायवेयर अटैक का शिकार हो रहे हैं, जो आपके दूर से ही हैक करने की कोशिश कर रहा है। कृपया इसे गंभीरता से लें। मर्सनरी स्पायवेयर अटैक काफी दुर्लभ हैं और रेगुलर साइबर क्रिमिनल एक्टिविटी या कंज्यूमर मालवेयर की तुलना में बहुत अधिक सोफेस्टिकेटेड हैं। इन हमलों में लाखों डॉलर खर्च होते हैं और काफी कम लोगों को टारगेट किया जाता है। आपके डिवाइस में घुसपैठ करता है- ऐसा तब हो सकता है जब आप किसी अनसेफ वेबसाइट पर जाते हैं, अनजाने में कोई अनसेफ ऐप इंस्टॉल करते हैं, या यहां तक कि कोई फाइल अटैचमेंट भी खोलते हैं।

एयरटेल का मार्केट-कैप एक हफ्ते में 19,029 करोड़ बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। मार्केट वैल्यूएशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 7 का मार्केट कैप पिछले हफ्ते रू59,404.85 करोड़ बढ़ा है। इनमें एयरटेल का मार्केट कैप सबसे ज्यादा रू19,029.37 करोड़ बढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप अब रू6.93 लाख करोड़ हो गया है।

वहीं, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट-कैप रू15,363.23 करोड़ बढ़कर रू7.75 लाख करोड़ और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप रू10,250.02 करोड़ बढ़कर रू19.86 लाख करोड़ हो गया है। इनके अलावा, टीसीएस, आईटीसी, इंफोसिस और एसबीआई का भी मार्केट कैप बढ़ा है।

जबकि, एचडीएफसी बैंक पिछले हफ्ते मार्केट का सबसे बड़ा लूजर रहा है। इस दौरान कंपनी की मार्केट वैल्यू में रू23,170.58 करोड़ की कमी आई है। अब कंपनी का मार्केट कैप रू11.54 लाख करोड़ रह गया है। इसके अलावा लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया की वैल्यू रू13,440.62 करोड़ और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड की रू8,153.08 करोड़ कम हुई है। शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 12 अप्रैल को गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 793 अंक की गिरावट के साथ 74,244 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 234 अंक की गिरावट रही, ये 22,519 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में गिरावट रही और सिर्फ 4 में तेजी देखने को मिली।

वहीं, एनएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट देखने को मिली। पीएसयू बैंक, फार्मा, मीडिया और एफएमसीजी सेक्टर में 1प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट रही। बैंक, ऑटो फाइनेंशियल सर्विसेज, आईटी, मेटल, प्रावेट बैंक और रियल्टी सेक्टर में भी गिरावट देखने को मिली।

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां। किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है।

कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है। मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक सरिता श्रीवास्तव द्वारा प्रभाष प्रिन्टर्स, गणेश नगर, रामजी पुरम निकट मदर टेरेसा स्कूल पो0 मलिकमऊ आयमा रायबरेली से मुद्रित कराकर 31 बस्तेपुर रामजी पुरम रायबरेली ,उप्र से प्रकाशित
सम्पादक- धीरज श्रीवास्तव - फोन नं-0535-2700090, मो0 नं0- 9415020008 आर0 एन0आई0 नं0 यूपीएचआईएन/2012/46348 'सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रायबरेली न्यायालय होगा। navsatta@gmail.com

ब्रजेश पाठक बोले- सड़ी हुई मिठाई दूसरे डिब्बे में पैक होने जैसा है इंडी गठबंधन

संवाददाता

लखनऊ, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। हरदोई लोकसभा क्षेत्र के सोशल मीडिया वॉलंटियर्स सम्मेलन में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इंडी गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक तरफ मोदी और भाजपा है तो दूसरी तरफ वाले सड़ी हुई मिठाई दूसरे डिब्बे में पैक करके लाए हैं। पहले यूपीए वन, यूपीए टू और अब इंडी गठबंधन। यह बवाली लोग हैं और भ्रष्टाचार में गले तक डूबे हैं। यह लोग भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए एकजुट हुए हैं। शहर के नारायण धाम में आयोजित सम्मेलन में डिप्टी सीएम ने पूरा भाषण हरदोइया भाषा में दिया। कहा कि शौचालय बनवाकर मोदी ने महिलाओं को इज्जत से जीने का हक दिया है। आयुष्मान भारत योजना, जनधन योजना, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर नल योजना का जिक्र भी उन्होंने अपने बचपन के उदाहरणों के साथ किया। रविवार को ही घोषित भाजपा के संकल्प पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि आवासीय योजनाओं और आयुष्मान भारत योजना का दायरा बढ़ाया जाएगा। सूबे की कानून व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि अब जनता नहीं गुंडे डरते हैं। गुंडों की तो अब लप्प लप्प होती है। गले में तख्ती लटकाकर गुंडे खुद थाने पहुंचते हैं कि हम सब्जी बेच लेंगे पर अपराध नहीं करेंगे। वहीं, विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि सब सड़कें लपलपऊंआ हो गई हैं। सम्मेलन को भाजपा के प्रदेश मंत्री शंकर लाल लोधी, जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, पूर्व जिलाध्यक्ष राम बहादुर सिंह और राजीव रंजन मिश्र, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने भी संबोधित किया।

संचालन जिला महामंत्री ओम वर्मा और जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान सोशल मीडिया सेल के क्षेत्रीय संयोजक आयुष वाजपेयी, जिला संयोजक प्रद्युमन आनंद मिश्रा, आईटी सेल के जिला संयोजक सौरभ सिंह गौर, भाजपा के जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा और सतेंद्र राजपूत भी मंच पर मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि हियन के लोग भाग्यशाली हईं। जय प्रकाश जईसो सांसद मिलो। सीधो साधो आदमी हई। मरकहिया गाय नाई हई। कोई कैंरे खुड़पेच नाई कत्ति। अबकी जीत केरो रिकॉर्ड बनवाइ देऊ। इनके संग हम फ्री हई, जईसे नुमाइश खतम होन बेरा एक चीज संग एक फ्री मिल्ति। उंघे मिश्रिख घांई देखि लियऊ। छोटो भाई हूनऊ लर्ड़ रहो। उनका इशारा भाजपा प्रत्याशी अशोक रावत की तरफ था।

डिप्टी सीएम का हेलीकॉप्टर पुलिस लाइन के हेलीपैड पर उतरा। यहां से वह कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुए, तो डाक बंगले के सामने पार्क में आंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

झूठ का उद्घोष है भारतीय जनता पार्टी का 'संकल्प पत्र': सीपी राय

संवाददाता

लखनऊ, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन डा0 सी0पी0 राय ने प्रेसवार्ता को सम्बोधित किया प्रेसवार्ता में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, प्रदेश प्रवक्ता प्रियंका गुप्ता मुख्य रूप से मौजूद रही। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय संकल्प पत्र पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उ0प्र0 कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन, पूर्व मंत्री डॉ0 सी0पी0 राय ने कहा कि जो सरकार पिछले दस सालों से सत्ता में है उसे घोषणा पत्र जारी करने के पहले अपने द्वारा किये गये कार्यों का एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। मोदी सरकार 2014 में जनता को ढेर सारे सब्जबाग दिखाकर सत्ता में आई थी। सच तो यह है कि दस साल बीत गये इस बीच एक झूठ पत्र इनका 2019 में भी आया, मगर धरातल पर जनहित का कोई काम नहीं दिखा। राय ने कहा कि किसी भी सरकार के कार्य को मापने के 5 मापदंडों (आर्थिक सामरिक, सामाजिक, राजनीतिक विदेश नीति) पर मापा जाता है।

श्री राय ने कहा कि आर्थिक मापदंड की अगर बात करें तो 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने वाली दावा करने वाली भाजपा सरकार खुद ही दावा करती है कि 80 करोड़ लोगों का जीवन उसके द्वारा दिये गये 5 किलो राशन पर चल रहा है। सामरिक मापदंड की अगर बात की जाये तो भाजपा के अपने सांसद तापिर गाव कई साल से सरकार को चीन के घुसपैठ के बारे में आगाह कर रहे हैं। पिछले कई दिनों से मशहूर समाजसेवी सोनम वांगचुक लद्दाख में अनशन पर बैठे थे और लगातार सरकार से लद्दाख की सीमाओं पर चीनी अतिक्रमण का मुद्दा उठा रहे थे।

सामाजिक मापदंड की बात की जाये तो सामाजिक एकता का ताना बाना इस सरकार में बुरी तरह से छिन्न-भिन्न हुआ है। कोई भी देश और समाज तब विकसित होता है जब वहां सामाजिक अमन कायम रहता है। लोकतंत्र में पक्ष और विपक्ष दो पहिए हैं जिन पर सवार होकर देश विकास का रास्ता तय करता है। मोदी सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करते हुए पिछले दस सालों में विपक्ष के नेताओं को झूठे मुकदमों में फंसाने का कार्य किया है। राजनीतिक मतभेद को मनभेद में बदल दिया है।

विदेश नीति की अगर बात करें तो हमारे अगल बगल के सभी पड़ोसियों से हमारे रिशते खराब हुए हैं। पूरे विश्व में सरकार की धार्मिक तुष्टीकरण की नीति से देश की छवि धूमिल हुई है।

सभी दलों ने धूमधाम से मनाई डा. अम्बेडकर जयंती, निकली शोभा यात्रा

संवाददाता

कन्नौज, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। जिले में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई। गाजे-बाजे के साथ जगह-जगह शोभायात्राएं निकाली गई। भण्डारे में सब्जी-पूड़ी वितरित की गई। कांग्रेस, भाजपा, सपा और बसपा नेताओं ने अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती रविवार को जिले भर में धूमधाम से मनाई गई। कन्नौज के काजीटोला मोहल्ले में अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शोभायात्रा निकाली गई। जोकि इत्र नगरी के मुख्य मार्गों से होते हुए गुजरी। इस दौरान अबीर-गुलाल उड़ाते हुए युवाओं की टोली शामिल रही। नसरापुर में भण्डारे का आयोजन किया गया। इसी तरह तिर्वा नगर में भी अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई। गांधी नगर चौराहे से शोभायात्रा की शुरुआत हुई। जोकि खैरनगर मार्ग, गांधी चौक, होते हुए मुख्य मार्ग पर पहुंची। जगह-जगह यात्रा का स्वागत किया गया। इलाहाबाद बैंक के नजदीक यात्रा का समापन हुआ। अंबेडकर जयंती पर भाजपा जिलाध्यक्ष वीरसिंह भदौरिया, सपा नेता अनिल पाल, अंशुल गुप्ता, सौरभ गुप्ता, प्रभात वर्मा लालू, बसपा नेता समरजीत दोहरे, अभिषेक कुमार, कुलदीप गौतम, अमित गौतम समेत कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। जबकि यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। यहां अपर पुलिस अधीक्षक संसार सिंह व कोतवाल जयंती प्रसाद फोर्स के साथ लगातार मौजूद रहे। अंबेडकर जयंती को लेकर नीले झंडे और बाबा साहब की तस्वीरों की खासी डिमांड रही। दुकानों पर झंडे खरीदने वालों की भीड़ नजर आई। इसके अलावा फोटो फ्रेमिंग की दुकानों पर भी बाबा साहब की तस्वीरों पर फ्रेम लगवाने के लिए लोग दिखाई दिए। संविधान निर्माता डा. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की 134 वी जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई इसी क्रम में कांग्रेसियों ने भी कन्नौज में बाबा साहेब की जयंती धूमधाम के साथ मनाई। कांग्रेस जिला अध्यक्ष दिनेश पालीवाल के नेतृत्व में दर्जनों कांग्रेस पदाधिकारी ने शहर में स्थित नसरापुर में पहुंचकर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पहुंचकर माल्यार्पण कर जयंती मनाई बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि देश की आजादी के बाद बाबासाहेब का बहुत बड़ा योगदान रहा जिन्होंने देश के हर वर्ग के लोगों को न्याय दिलाने के लिए ऐसे संविधान का निर्माण किया जिसमें भेदभाव जैसी छूत अछूत का भेदभाव खत्म किया यही वजह है कि जो देश में आज मौजूद तानाशाह सरकार का हर गरीब मजलूम सामना कर रहा है। इस मौके पर रीना सिंह, एहसान उल हक खान, घनश्याम यादव, कमरुद्दीन खान, रामकृष्ण राजपूत, अशोक कनौजिया, चौधरी वीर सिंह, राम भरोसे कमल, सहित आदि कांग्रेस से उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन ने मनाई डा. अम्बेडकर जयंती

संवाददाता

कन्नौज, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल एंव अपर जिलाधिकारी आशीष कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से डा0 भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुये श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस मौके पर गोमती देवी गर्ल्स इण्टर कालेज की अंशिका, अनन्या नाजिस एवं के0 के0 इण्टर कालेज के आदित्य, समीर आदि छात्र छात्राओं द्वारा डा0 भीमराव अंबेडकर के जीवन पर विचार व्यक्त किये गये। इस अवसर पर सभी छात्र/छात्राओं को पुरूस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि डा. भीमराव अबेंडकर ने जो रास्ता दिखाया है उस रास्ते पर चलते हुये हम अपने को पुनः संकल्पित करे। कहा कि देश की महान विभूतियों को भारत रत्न से सम्मनित किया गया है। जो देश के लिये कार्य किया है यह हम सभी लोग जानते है। कहा कि जो अच्छा कार्य करता है उसे युगों-युगों तक जाना जाता है। हमें मानव-मानव में भेद के कलंक को पुनः पनपने नही देना है। डा0 भीमराव अंबेडकर जी ने कठिन परिस्थितियों में गुजरकर देश को संविधान दिया। हम सब की जिम्मेदारी है कि आयोजनों में बाबा साहब के व्यक्तित्व, कृतित्व के बारे में बताये, ताकि आने वाली पीढ़ी उनके आदर्शो को अपने जीवन में अपना सके। अगर कोई दृढ़ संकल्पित होकर इतना आगे पहुंच सकता है और जो कठिन परिस्थितियों में भी अपना रास्ता खोज सकता है, वह माध्यम शिक्षा है। इसलिये समाज में हर व्यक्ति तक शिक्षा पहुंचे, यह हमारा संकल्प होना चाहिए।

कहा कि आज देश तरक्की के रास्ते पर बहुत तेजी से आगे चल रहा है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिये अपने कौशल को बढ़ाना होगा। हम सभी सबके लिये अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य, के लिये प्रयास करेगें।

आग का कहर तेज राजस्व विभाग शांत

कादीपुर-सुलतानपुर, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। कस्बा क्षेत्र के चांदा रोड पर अग्नि शमन केन्द्र भी स्थापित हो चुका है वाहनों के साथ अग्निशमन अधिकारियों कर्मचारियों का लाव-लश्कर भी मौजूद है पर आग पर काबू नहीं हो पा रहा है जो बहुत ही चिंताजनक होता जा रहा है। क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर लगी आग पीड़ितों को शासन से भी कोई राहत न मिलने से किसान व अन्य लोग परेशान हैं। बीते दिवस चांदा रोड पर ही स्थित मॉडर्न फर्नीचर हाउस में लगी आग से लाखों का सामान जलकर राख हो गया जिसकी जांच तक राजस्व की टीम नहीं कर पायी है।बताते चलें कि कादीपुर चौराहे से 500 मीटर चांदा रोड पर स्थित मॉडर्न फर्नीचर हाउस के मालिक आलापुर निवासी भानु प्रताप सिंह का है।

अम्बेडकर की जयंती पर सपा कार्यालय में गोष्ठी आयोजित

संवाददाता

प्रयागराज, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। देश के संविधान शिल्पी बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती पर समाजवादी पार्टी कार्यालय जार्ज टाउन में गोष्ठी कर उनके विचारों, सिद्धांतों पर चर्चा करते हुए उनके बनाये देश के संविधान को बचाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने का संकल्प लिया गया। इसके पूर्व उनके चित्र पर फूल माला अर्पित कर सपा नेताओं, पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष यमुनापार पप्पूलाल निषाद ने तथा संचालनराम मूरत यादव नाटे चौधरी ने किया।

इस मौके पर एम एल सी डा. मानसिंह यादव ने कहा कि देश का संविधान और लोकतंत्र ही देश की मूल ताकत है, इसे बचाये रखने के लिए समाजवादी पार्टी हर स्तर पर संघर्ष के लिए तैयार है। डा. यादव ने कहा कि आज केंद्र और प्रदेश में सत्ता सीन दल अहंकारी हों चुके हैं। आये दिन संवैधानिक मूल्यों को ताक पर रखकर फैसले लिए जा रहें हैं। सरकारी संस्थाएं सरकार के इसारे पर विपक्षी दलों के नेताओं को परेशान करने, हताश करने की नियत से कार्रवाइयां कर रही हैं। देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी इसे बचाये रखने के लिए एनडीए को सत्ता से बेदखल करने की होगी।

जिलाध्यक्ष यमुनापार पप्पूलाल निषाद ने भाजपा कहा कि बाबा साहब ने देश के पिछड़ों, दलितों अल्पसंख्यक समाज, महिलाओं, आदिवासियों को संविधान में सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया। आज उनके जन्मदिन पर हम सभी को उनके बनाये संविधान की रक्षा के लिए संकल्प लेना है। बाबा साहब वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजू पासी ने कहा कि लोकसभा चुनाव को हमें चुनौती की तरह लेना है। देश से सांप्रदायिक और विघटन कारी ताकतों को सत्ता से दूर करके ही संविधान की रक्षा की जा सकती है।

इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक सत्यवीर मुन्ना, कृष्ण मूर्ति सिंह यादव,राम सुमेर पाल,पूर्व प्रमुख कुलदीप यादव, इंजी जगदीश यादव इंजी विक्रम यादव, आर. एन. यादव गीता पासी, दान बहादुर मधुर,डॉ आकाश यादव,जय शंकर भारतीय कुलदीप यादव,राम प्रताप यादव प्रभात यादव,अर्जुन सिंह यादव आदि ने भी अपने विचार रखें।

तीन महीने में 18000 से अधिक लोग बीजेपी में हुए शामिल

संवाददाता

कानपुर, 14 अप्रैल (नवसत्ता)। पिछले करीब एक वर्ष में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस से बड़ी संख्या में नेता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हैं। अकेले कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र में पिछले तीन महीने के अंतराल की बात करें तो करीब 18 हजार लोग भाजपा में आए हैं। इसमें नौ पूर्व विधायक एक पूर्व सांसद और पांच लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़े चुके नेता हैं। दूसरे दलों से भाजपा में आ रहे लोगों के बीच अपनी जगह बनाने के लिए पूर्व विधायक, पूर्व सांसद व पूर्व पदाधिकारियों में छटपटाहट शुरू हो गई है। बाहर से आए नेताओं को लगता है कि यदि वे अपनी जगह नहीं बना पाए, तो उनकी राजनीति संकट में पड़ सकती है। ऐसे में इस बार के लोकसभा चुनाव में दूसरे दलों से आया प्रत्येक नेता कुछ न कुछ रणनीति बनाकर काम कर रहा है। ताकि उसकी रिपोर्ट प्रदेश और दिल्ली तक जा सके। कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें समझ ही नहीं आ रहा है कि शुरू कहां से किया जाए। कानपुर बुंदेलखंड के दूसरे दलों से आए पूर्व विधायक व सांसद अजय कपूर कांग्रेस महानगर, कमलेश दिवाकर समाजवादी पार्टी बिल्हौर, आरपी कुशवाहा समाजवादी पार्टी देहात, अंबेश कुमार हमीरपुर समाजवादी पार्टी, आदित्य पांडेय फतेहपुर बसपा, केके सचान बसपा महानगर, रमेश कुशवाहा ललितपुर, प्रेमदास कठेरिया पूर्व सांसद इटावा समाजवादी पार्टी, अरुणा कोरी समाजवादी पार्टी महानगर, लाल सिंह तोमर पूर्व एमएलसी सपा के अलावा शंभू दयाल दोहरे लोकसभा पूर्व प्रत्याशी इटावा बसपा, देवेंद्र सिंह गौतम कांग्रेस फतेहपुर, रमेश यादव पूर्व विधानसभा प्रत्याशी बसपा महानगर ऐसे नेता हैं जो भाजपा में आए हैं। मेहनत 2024 लोकसभा के लिए निगाह 2027 के विधानसभा पर लोकसभा चुनाव 2024 के बीच दूसरे दलों से भाजपा में आए पूर्व विधायक व पूर्व प्रत्याशी 2027 में यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव को काफी नजदीक मानकर चल रहे है। ऐसे लोगों को लग रहा है कि इतनी बड़ी पार्टी में यदि अगले एक दो साल में सही जगह नहीं बना पाए तो विधानसभा के चुनाव में दावेदारों की कतार से वह काफी दूर हो जाएंगे। यही वजह है कि ऐसे नेता अगले तीन वर्षों में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए इस लोकसभा चुनाव को अपने कैरियर के टर्निंग प्वाइंट के रूप में देख रहे हैं। उन्हें लगता है कि यदि इसमें सफल हो गए तो आगे कुछ दिखाने बताने का अवसर मिलेगा, वरना इस भीड़ में एक बार खोए तो फिर किनारे पर लगने में वर्षों लग सकते हैं। ऐसे नेताओं की निगाह उन विधानसभा और एमएलसी की सीटों पर भी हैं, जिन पर आने वाले समय में बदलाव की संभावना है। भाजपा अब मेरे लिए जीवन-मरण का प्रश्न है। इस पार्टी में आने के बाद अब मुझे अपने लक्ष्य को पूरा करना है, जो पार्टी के बड़ों से मुझे मिला है। वह लक्ष्य है कांग्रेस का सफाया और महानगर में पार्टी की तीन लाख के अंतर से जीत। तभी मैं अपने को साबित कर पाऊंगा। सपा से भाजपा में आने से पहले पूरी तरह से सोच-विचार किया था। अब यहां पर जो भी जिम्मेदारी मिल रही है, उसे पूरी लगन और मेहनत के साथ पूरा कर रही हूं। देहात से लेकर महानगर लोकसभा क्षेत्र में बिरादरी के वोट बैंक को मजबूत करने की जिम्मेदारी मिली है, जिसे बखूबी कर रही हूं।